नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 12 मई 2025 सोमवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 08 • अंक : 347 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1666 : पुरंदर की संधि के तहत छत्रपति शिवाजी महाराज औरंगजेब से मिलने आगरा पहुंचे।

1689 : इंग्लैंड और हॉलैंड ने लीग ऑफ आग्सबर्ग बनाया।

1942 : आश्विट्ज में 1500 यहूदियों को गैस चेंबर में मारा गया।

2003 : सऊदी शहर रियाद में अल कायदा के हमले में 26 लोगों की मौत हुई।

2008 : चीन के सिचुआन में भूकंप से 69000 से अधिक लोगों की मौत।

पाकिस्तान को पीएम नरेन्द्र मोदी की सख्त चेतावनी

सीमा पार से चली गोली तो भारत गोलों से देगा जवाब : प्रधानमंत्री

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नयी दिल्ली। भारतीय सेना द्वारा सीमा पर पाकिस्तान की कायराना हरकतों का मुंहतोड़ जवाब देने के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर सीमा पार से गोली चलेगी तो भारत गोलों से उनका जवाब देगा। सूत्रों के मुताबिक रविवार को पीएम मोदी ने कहा कि वहां से गोली चलेगी तो यहां से गोला चलेगा। वहीं पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता का दावा करने वाले अमेरिका को भी समझा दिया है। पीएम मोदी ने कहा है कि अगर पाकिस्तान की तरफ से कोई भी हमला किया जाता है तो इसका अंजाम ठीक नहीं होगा और पाकिस्तान को इसके परिणाम भुगतने होंगे। सरकार के सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं। पीएम ने कहा है कि अगर पाकिस्तान की ओर से गोली चलती है, तो यहां से गोलों से हमले होंगे। उन्होंने पहलगाम हमले के बाद आतंकियों के खात्मे के लिए शुरू किए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर यह भी कहा है कि बीते कुछ दिनों में आतंकी ठिकानों पर हुए हवाई हमले निर्णायक साबित हुए हैं। सरकार के सूत्रों के हवाले से यह भी स्पष्ट किया गया है कि कश्मीर के मुद्दे पर भारत किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता नहीं चाहता है और कश्मीर में भारत के लिए एक ही मुद्दा बचा है, और वह है-पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके की वापसी। बता दें कि रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष विराम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि अमेरिका कश्मीर के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थता करवा सकता है। अब भारत ने इस बयान पर अमेरिका को स्पष्ट कर दिया है कि भारत इस मसले को घसीटना नहीं चाहता और वह अपने तरीके से पाकिस्तान को जवाब देने में सक्षम है। वहीं भारतीय सेना ने पाकिस्तान की ओर से किए गए संघर्ष विराम उल्लंघन के बाद सैन्य कमांडर्स को किसी भी जवाबी हमले के लिए खुली छूट दे दी है।

बिहार में ग्रामीण पथ सुदृढ़ीकरण को मिली गति

सीएम नीतीश आज करेंगे 6,938 पथों का कार्यारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

फाइल फोटो

पटना। राजधानी के संकल्प भवन में आज सोमवार 12 मई को आयोजित किए जा रहे एक समारोह में ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन का कार्यारंभ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा। इसके तहत 6,938 पथों (जिनकी लंबाई: 12,105 किमी और कुल लागत 8,716 करोड़ है) सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम को एक नए अवयव के रूप में प्रारंभ किया गया है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण सड़कों के नियमित एवं व्यवस्थित पुनर्निर्माण/ उन्नयन/ नवीनीकरण को सुनिश्चित करना है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस कार्यक्रम के अंतर्गत पंचवर्षीय अनुरक्षण अवधि से बाहर हुए कुल 14,087 पथों (लंबाई: 24,482 किमी) के सुदृढ़ीकरण हेतु 21,733 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत उन सभी ग्रामीण पथों को आगामी सात वर्षों तक मानक अनुरूप सेवा स्तर पर बनाए रखने की व्यवस्था की गई है, जो अपनी पंचवर्षीय अनुरक्षण/त्रुटि निवारण अवधि पूर्ण कर चुके हैं। इस अवधि के भीतर इन पथों पर दो बार कालीकरण (री-सर्फेसिंग) कार्य कराया जाएगा। योजना के क्रियान्वयन के दौरान यदि सड़क में कोई तकनीकी त्रुटि पाई जाती है तो उसका समाधान तय समय सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इसका उद्देश्य है कि ग्रामीणों को हमेशा एक मजबूत, सुरक्षित और आरामदायक सड़क सुविधा सतत मिलती रहे। इस कार्यक्रम से न केवल गांवों और शहरों के बीच की दूरी घटेगी, बल्कि राज्य की सामाजिक संरचना को नया आयाम और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। यह कार्यक्रम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के उस महत्त्वाकांक्षी विजन को साकार करेगा, जिसके तहत राज्य के किसी भी सुदूरवर्ती क्षेत्र से भविष्य में मात्र 4 घंटे में राजधानी पटना तक की सुगम और निर्बाध यात्रा संभव हो सकेगी।

शहीद हुए जवानों के लिए बाबा मंदिर में हुई विशेष पूजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए जवानों और मारे गए आम लोगों के लिए देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम में विशेष पूजा अर्चना की गई। तीर्थ पुरोहित चंद्रशेखर खवाड़े के नेतृत्व में बाबा बैद्यनाथ मनोकामना लिंग पर जलार्पण और पूजन किया गया। आचार्य ललन द्वारी की देख-रेख में विशेष हवन का आयोजन हुआ। इस दौरान तीर्थ पुरोहितों और विभिन्न प्रदेशों से आए श्रद्धालुओं ने आहुति अर्पित की। सभी ने भारतीय सेना के शौर्य को बढ़ाने और शहीद सैनिकों की आत्मा की शांति के लिए बाबा बैद्यनाथ और माता पार्वती से प्रार्थना की। तीर्थ पुरोहित चंद्रशेखर खवाड़े ने बताया कि बैद्यनाथ धाम के पुरोहित देश की सेना और देशभक्त शासकों के हित के लिए नियमित रूप से प्रार्थना करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत-पाक तनाव के बीच पाकिस्तान द्वारा सीजफायर उल्लंघन के जवाब में भारतीय सेना संयम और साहस का परिचय दे रही है। पहलगाम हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई में शहीद हुए सैनिकों के लिए यह विशेष पूजा की गई। कार्यक्रम में सैनिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना की गई। साथ ही यह कामना की गई कि भारतीय सेना का शौर्य विश्व में विख्यात हो।

रांची विश्वविद्यालय समेत चार विवि में होगी कुलपति की नियुक्ति

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

आवेदन प्रक्रिया शुरू

रांची। रांची विश्वविद्यालय, डॉ श्यामा प्रसाद यूनिवर्सिटी, झारखंड राज्य ओपेन यूनिवर्सिटी और जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी में कुलपति की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इन पदों पर नियुक्ति के लिए देशभर से योग्य एवं प्रशासनिक क्षमता वाले उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। उम्मीदवार 25 मई 2025 की शाम 5 बजे तक आवेदन कर सकते हैं।

कुलपति पद के लिए आवश्यक योग्यता इन पदों पर आवेदन करने वाले उम्मीदवार के पास यूजीसी एक्ट 2018 के तहत योग्यता होना अनिवार्य है। इसके अलावा कम से कम 10 साल प्रोफेसर के रूप में पढ़ाने या शोध क्षेत्र संस्थान का अनुभव हो। एकेडमिक एडमिनिस्ट्रेटिव आर्गेनाइजेशन में कार्य किये हों, साथ ही एकेडमिक लीडरशिप का अनुभव हो। उम्मीदवार की आयु 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

चयन प्रक्रिया

सबसे पहले सर्च कमेटी द्वारा आवेदनों की स्क्रूटनी होगी। इसके बाद उम्मीदवारों का इंटरेक्शन होगा। कमेटी पैनल बनाकर राज्यपाल सह कुलाधिपति के पास उम्मीदवारों की सूची भेजी जायेगी। राज्यपाल मुख्यमंत्री की सलाह से किसी एक नाम पर विचार करेंगे। इंटरेक्शन के दौरान उम्मीदवार को विश्वविद्यालय के विकास के लिए अपने विचार बताने होंगे।

जून में समाप्त हो रहा कुलपति का कार्यकाल

वर्तमान में रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा, डॉ श्यामा प्रसाद यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य और झारखंड ओपेन यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ टीएन साहु हैं। जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ अंजिला गुप्ता को कोल्हान विवि का कुलपति नियुक्त कर दिया गया है। फिलहाल उन्हें जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के कुलपति का प्रभार सौंपा गया है। वर्तमान में कार्यरत इन सभी कुलपति का 3 वर्ष का कार्यकाल जून 2025 में समाप्त हो रहा है।

बीएसएल जीएम के पिता की चाकू से गोदकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। बोकारो की रिहायशी कॉलोनी बीएस सिटी थाना अंतर्गत को-ऑपरेटिव कॉलोनी में रविवार को दिनदहाड़े अपराधियों ने 80 वर्षीय बुजुर्ग कालिका राय की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। मृतक बीएसएल के जीएम (एसआइजीएस) विनय सिंह के पिता थे। आवास से बाहर खून बहने पर पड़ोसियों को दोपहर तीन बजे के बाद इसकी जानकारी मिली। पड़ोसियों की सूचना पर सिटी डीएसपी आलोक रंजन के साथ बीएस सिटी थाना की टीम पहुंची। पुलिस ने फॉरेंसिक, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, डॉक स्क्वॉयड के सहारे जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। फिलहाल हत्या करने वालों का सुराग पुलिस को नहीं मिला है। घर के अंदर की स्थिति का मुआयना पुलिस कर रही है। पड़ोसियों ने बुजुर्ग कालिका राय के घर से खून की धार बाहर बहते देखा तो आसपास के लोग आवास के समीप जमा हो गये। सूचना सिटी डीएसपी सहित बीएस सिटी थाना को दी गयी। पुलिस ने देखा कि बाहर और अंदर से दरवाजे की सिटकिनी लगी है। पिछला दरवाजा सटाया हुआ है। धकेलने पर दरवाजा खुल गया। खून करने के बाद हत्यारों ने हत्या करने के बाद बेसिन में हाथ धोया है।

श्रम विभाग की बिरसा स्कीम से नहीं जुड़ पाए राज्य के 90 फीसदी युवा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिये ब्लॉक लेवल इंस्टीट्यूट फोर रूरल एक्विजिशन (बिरसा) योजना चलाती है। इसके तहत युवाओं को प्रशिक्षण देकर नियोजन से जोड़ा जाता है। जानकारी के अनुसार श्रम, नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग की ब्लॉक लेवल इंस्टीट्यूट फोर रूरल एक्विजिशन (बिरसा) की योजना के तहत पिछले वित्तीय वर्ष में 75000 युवाओं को प्रशिक्षण देकर नियोजन से जोड़ना था। लेकिन महज आठ हजार युवाओं को ही नौकरी से जोड़ा जा सका। बता दें कि पिछले वित्तीय वर्ष में केवल 8500 युवाओं को ही जॉब ऑफर लेटर दिया गया था। इस दौरान योजना के तहत प्रशिक्षण देने का आंकड़ा भी कम रहा। इस वजह से इसका लक्ष्य भी पूरा नहीं हो पाया। इस योजना के अंतर्गत 75000 लोगों को स्किल डेवलपमेंट का प्रशिक्षण देकर उन्हें नौकरी या बिजनेस करने के लायक बनाना था लेकिन केवल 18000 युवाओं को ही स्किल डेवलपमेंट का प्रशिक्षण मिल पाया। योजना का क्रियान्वयन बेहतर तरीके से नहीं हो पाया। लेकिन सरकार ने युवाओं को राहत पहुंचाने के लिए कई दूसरी योजनाएं चलायी। ऐसे युवा जिन्हें रोजगार नहीं मिला, उनके लिए सरकार द्वारा बेरोजगारी भत्ता का प्रावधान लाया गया। साथ ही प्रशिक्षित होकर दूसरे राज्यों में जाकर काम करने वाले युवाओं के रहने के लिए भी सरकार की ओर से कई सुविधायें दी गयी। माइग्रेशन सपोर्ट सेंटर के तहत सरकार ने पुणे, बेंगलुरू, राजस्थान, हैदराबाद, चेन्नई, सूरत और नोएडा जाने वाले युवाओं को शुरू के एक महीने रहने की व्यवस्था उपलब्ध करायी। इसके अलावा सरकार ने ऐसे युवा जिन्हें प्रशिक्षण प्राप्त होने के बाद भी रोजगार नहीं मिला, उनके लिए भी रोजगार प्रोत्साहन भत्ता की व्यवस्था की।

148 बालू घाटों की होगी ई-नीलामी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। खान एवं भू-तत्व विभाग ने पटना जिले में गंगा नदी के साथ ही पुनपुन, सोन और दरधा नदियों के बालू घाटों की ई-नीलामी की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है। संबंधित नदी घाटों की नीलामी पांच वर्ष के लिए होगी। फिलहाल विभाग की योजना 148 घाटों की नीलामी की है। खान एवं भू-तत्व विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इस नीलामी में पीला और सफेद दोनों किस्म का बालू शामिल है। इस पूरी प्रक्रिया का मकसद पटना जिले में निर्माण कार्यों के लिए आसानी से और उचित कीमत पर बालू की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। सरकार के इस निर्णय से राजस्व में वृद्धि भी होगी। ई-नीलामी के लिए निविदा दस्तावेज 15 मई को सुबह 11 बजे से ऑनलाइन डाउनलोड किए जा सकेंगे। निविदा प्रक्रिया 12 जून अपराह्न चार बजे तक संपन्न होगी। विभाग के सूत्रों ने बताया कि जिले में मौजूद चारों नदियों किनारे के इन बालू घाटों को पर्यावरणीय मंजूरी मिल चुकी है। पटना जिले की सर्वेक्षण रिपोर्ट में भी इन बालू घाटों की नीलामी का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के आधार पर इन नदियों के बालू घाटों को पांच एकड़ तक के छोटे टुकड़ों में बांटा गया है।

नीतीश कुमार ने लिया कई सड़कों का जायजा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को चिलचिलाती धूप में पटना जिलान्तर्गत विभिन्न पथों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक के पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का जायजा लिया। यह पथ तुरहा टोली, कुही मोड़, खिरनीचक मोड़, रघुरामपुर पुल, डीपीएस स्कूल एवं लोदीपुर, चांदमारी होते हुए उसरी-छितनावां पथ को जोड़ता है। इस दौरान उनके साथ पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह समेत कई अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक के पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का जायजा लिया। यहां वह काम में लापरवाही को देखकर भड़क गए और अधिकारियों की क्लास लगा दी। बता दें कि यह सड़क तुरहा टोली, कुही मोड़, खिरनीचक मोड़, रघुरामपुर पुल, डीपीएस स्कूल एवं लोदीपुर, चांदमारी होते हुए उसरी-छितनावां पथ को जोड़ती है। उसरी छितनावां पथ का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा पटना जिला की प्रगति यात्रा के दौरान किया गया था। हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक पथ का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य होने से उसरी छितनावां, शिवाला, नौबतपुर, बिक्रम, पाली, जहानाबाद एवं आरा की ओर जाने के लिए लोगों को अतिरिक्त वैकल्पिक मार्ग मिलेगा। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने शिवाला आरओबी का निरीक्षण किया। साथ ही शिवाला मोड़ के पास निर्माण कराए जाने वाले आरओबी पथ के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री चांदमारी गांव के पास रुककर पथ का जायजा लिया। मुख्यमंत्री सैनिक मोड़, दानापुर के पास भी रुके तथा सगुना मोड़ के पास निर्माण कराए जा रहे पटना मेट्रो रेल कार्य का भी जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान निर्मित पथों के मेंटनेंस को लेकर तथा निर्माणाधीन पथों का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने निरीक्षण के दौरान निर्मित पथों के मेंटनेंस को लेकर तथा निर्माणाधीन पथों का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह, वरीय पुलिस अधीक्षक अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :
Manaitand, Near Water Tank
Dhanbad, Jharkhand- 826001
Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

संक्षिप्त समाचार

गायत्री मंदिर में विशेष प्रार्थना का आयोजन

■ भारतीय सेना की विजय के लिए श्रद्धालुओं ने किया हनुमान चालीसा पाठ

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज के गायत्री मंदिर में श्रद्धालुओं ने भारतीय सेना की सफलता के लिए विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया। मंदिर में एकत्रित श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ और गायत्री मंत्र का जाप किया। श्रद्धालुओं ने भारतीय सेना को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। हनुमान चालीसा, जो शक्ति और विजय का प्रतीक है, का पाठ किया गया। साथ ही वेदों के सार माने जाने वाले गायत्री मंत्र का जाप भी किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि हनुमान जी से यह प्रार्थना किया गया कि हनुमान जी ने जिस तरह से लंका को जला दिया था उसी तरह आतंकवाद का घर जले आतंकवाद वालों का घर सेना जलाकर राख कर दे। उन्होंने लोगों से अपील किया कि आप भी सेना की सफलता और सलामती को लेकर अपने घर पर गायत्री मंत्र और हनुमान चालीसा का पाठ करें। गायत्री परिवार के सदस्य चंचल कुमार ने कहा कि देश की सुरक्षा सर्वोपरि है। उन्होंने भारतीय सेना के समर्पण और पराक्रम की सराहना की। उनका मानना है कि इन मंत्रों से उत्पन्न सकारात्मक ऊर्जा सेना को लक्ष्य प्राप्ति में सहायक होगी। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने हनुमान जी से विशेष प्रार्थना की। उन्होंने अन्य लोगों से भी अपील की कि वे अपने घरों में सेना की सफलता के लिए गायत्री मंत्र और हनुमान चालीसा का पाठ करें।

गांव की सड़कें जून से पहले हो जाएं गड्ढामुक्त

मंत्री अशोक चौधरी बोले – लापरवाही नहीं करेंगे बर्दाश्त

पटना, एजेंसी। बिहार में ग्रामीण कार्य विभाग बरसात के पहले गांव की सड़कों को गड्ढामुक्त करने में जुट गया है। विभागीय मंत्री अशोक चौधरी ने कहा है कि जून से पहले राज्य की सभी ग्रामीण सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाना अनिवार्य है ताकि मानसून के दौरान आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए स्पष्ट किया कि लापरवाही या समय सीमा का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संवेदकों के भुगतान को और अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर भी मंत्री ने जोर दिया। शनिवार को अधिवेशन भवन में ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के तहत आयोजित संवाद सत्र में मंत्री ने कहा कि विभागीय नियमों के अनुसार ही सड़कों का निर्माण किया जाए। ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी कार्य समय पर पूरे हों, यह सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी जिलों में अधिकारियों और संवेदकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों को प्रभावी ढंग से संपन्न करने का आह्वान किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 14087 पथ, जिनकी कुल लंबाई 24482 किमी है, की स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें से 6374 पथों पर कार्य आवंटित कर दिया गया है। अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त भगवत राम ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के तहत उन सभी ग्रामीण पथों को आगामी सात वर्षों तक मानक अनुरूप सेवा स्तर पर बनाए रखने की व्यवस्था की गई है, जो अपनी पंचवर्षीय अनुरक्षण/त्रुटि निवारण अवधि पूर्ण कर चुके हैं। इस अवधि के भीतर इन पथों के कालीकृत हिस्सों पर दो बार कालीकरण (री-सर्फेसिंग) करना है। संवाद सत्र में विशेष सचिव उज्ज्वल कुमार सिंह, अभियंता प्रमुख निर्मल कुमार और विभाग के अन्य वरीय पदाधिकारी व संवेदक मौजूद रहे।

मुजफ्फरपुर के चुन्नू और बेगूसराय के ओंकार की 10 करोड़ की संपत्ति होगी जब्त

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार सरकार ने अपराध के सहारे अर्जित संपत्ति को जब्त करने का अभियान शुरू कर दिया है। कुख्यात गैंगस्टर चुन्नू ठाकुर और कुमार रणंजय ओंकार की अपराध से अर्जित 10 करोड़ की संपत्ति जब्त करने का आदेश सीजेएम कोर्ट ने दिया है। चुन्नू ठाकुर के 7.5 करोड़ रुपये बाजार मूल्य के 229.67 डिसमिल के 10 प्लॉट पर कार्रवाई होगी। इनमें से एक प्लॉट गन्नीपुर और नौ प्लॉट वैशाली में है। वैशाली में चुन्नू की ससुराल है। रणंजय ओंकार की मिठनपुरा इलाके में स्थित डेढ़ करोड़ रुपये के बाजार मूल्य के 61.09 डिसमिल के पांच प्लॉट और 80 लाख रुपये की छह गाड़ियां जब्त होंगी। इन गाड़ियों में तीन बाइक और तीन लग्जरी कारें शामिल हैं। इसकी जानकारी देते हुए एसएसपी सुशील कुमार ने शनिवार को बताया कि सीजेएम कोर्ट ने बीते सात मई को यह आदेश जारी किया है। सभी जब्त संपत्ति को डीएम सरकारी संपत्ति घोषित करेंगे। इन प्लॉटों पर बोर्ड लगेगा। नजर रखने को अधिकारी नियुक्त होंगे। 14 दिन के अंदर कार्रवाई होगी।

चुन्नू के खिलाफ 43 और ओंकार पर तीन केस दर्ज

कुख्यात गैंगस्टर चुन्नू ठाकुर वर्ष 1987 से ही अपराध जगत में सक्रिय है। उसके खिलाफ 43 आपराधिक मामले दर्ज हैं। अभी वह बैरिया बस स्टैंड में हुए कुंदन सिंह हत्याकांड में जेल में बंद है। एसएसपी सुशील कुमार ने बताया कि मिठनपुरा थाना के तीन कोठिया मोहल्ला में उसने एके-47 हथियार से रामप्रवेश सिंह की हत्या की गई थी। इसमें चुन्नू के गुर्गे मिथिलेश सिंह और अमित सिंह शामिल था। इसके अलावा उसके खिलाफ दर्जनों लूट, डकैती, हत्या, रंगदारी, अपहरण आदि के केस दर्ज हैं। अपने गुर्गे अमित की हत्या करने का भी चुन्नू पर आरोप है। हाल के दिनों में चुन्नू उत्तर बिहार में शराब का बड़ा सिंडिकेट चला रहा था। सिंडिकेट से जुड़े डेढ़ दर्जन शराब माफिया पुलिस की रडार पर हैं। शराब तस्करी से भी चुन्नू ने बड़ी संपत्ति खड़ी की है। प्रारंभिक स्तर पर उसकी जितनी संपत्ति की जानकारी हुई थी, उसके आधार पर कोर्ट में प्रस्ताव दिया गया था। बताया कि ओंकार शहर का सक्रिय भूमि माफिया गिरोह से जुड़ा है। उसके खिलाफ तीन जघन्य कांड दर्ज हैं। छह लोगों की हत्या के आरोप में वह चार्जशीटेड आरोपित है। भूमि हथियाने के टसल में पूर्व मेयर समीर कुमार व कार चालक रोहित की एके-47 से की गई हत्या और प्रॉपर्टी डीलर आशुतोष शाही और उसके तीन बॉडीगार्ड की हत्या में वह जेल जा चुका है। इसके अलावा भूमि कारोबारी वीजेंद्र सिंह से रंगदारी मांगने का भी उसपर आरोप है। वर्ष 2018 से सक्रिय ओंकार ने अपराध से काफी संपत्ति अर्जित की है।

109 अपराधियों की संपत्ति का ब्योरा तलाश रही पुलिस

एसएसपी ने बताया कि जिले के 109 अपराधियों और माफियाओं की संपत्ति का ब्योरा जुटाया जा रहा है। सभी ने अपराध से बड़ी संपत्ति अर्जित कर रखी है। छोटू राणा समेत 10 अपराधियों की संपत्ति जब्ती का प्रस्ताव कोर्ट में भेजा गया था। सुनवाई चल रही है। कहा कि अपराधियों की संपत्ति का सुराग लगा कागजात हासिल करना जटिल है।

मनोज, विजय और सूरज की संपत्ति जब्ती का प्रस्ताव

एसएसपी ने बताया कि स्मैक माफिया मनोज साह, सूदखोर पूर्व वार्ड पार्षद विजय झा और शराब माफिया सूरज गुप्ता की संपत्ति जब्ती का भी प्रस्ताव बन रहा है। मनोज 10 साल से स्मैक धंधे का सिंडिकेट चला रहा है। उसने करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है। डेढ़ दर्जन से अधिक प्लॉट खरीदने की सूचना मिली है। विजय ने भी सूदखोरी का बड़ा रैकेट खड़ा किया है। उसके खिलाफ भी आधा दर्जन मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। अब तक 11 प्लॉट व तीन जगहों पर भवन और कई बैंक एकाउंट के बारे में जानकारी मिली है। सूरज गुप्ता भी कई वर्षों से अपराध व शराब सिंडिकेट से जुड़ा रहा है। इसने भी शहर से लेकर ग्रामीण इलाके तक में कई जगहों पर बड़ी संपत्ति खड़ी की है।

समस्तीपुर के 6 घरों में लगी आग

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के शिवाजीनगर प्रखंड के परसा पंचायत में शनिवार शाम को अग्निकांड हुआ। उत्तरवारी टोल वार्ड नंबर-एक में शाम करीब 6 बजे अचानक आग लग गई।

तेज हवा के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। आग ने उपेंद्र मंडल, गाजो मंडल, रामनारायण मंडल, जनता कुमार, सुमन कुमार और अजय कुमार के घरों को चपेट में ले लिया। इस हादसे में 6 गाय और एक दर्जन से अधिक बकरियों की मौत हो गई। घरों में रखे नगद रुपए, अनाज, कपड़े, बर्तन, फर्नीचर, जरूरी कागजात और जेवरात जलकर राख हो गए। कुल मिलाकर करीब 10 लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ।

दमकल की गाड़ियां पहुंचने से पहले ही जले घर : स्थानीय लोगों ने बहेड़ी और सिंघिया फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल की गाड़ियां पहुंचने से पहले ही घर जल चुके थे। ग्रामीणों ने निजी पंप सेट और बाल्टी से पानी डालकर एक घंटे में आग पर काबू पाया। पंचायत समिति सदस्य सरोज कुमार ने पीड़ितों को सरकारी मुआवजे का आश्वासन दिया।

पटना में झपटमारों से मोबाइल बचाने के दौरान चलती ट्रेन से गिरा युवक, मौत के बाद बवाल

पटना, एजेंसी। पटना से सटे बिहटा रेलवे स्टेशन के समीप शनिवार की सुबह स्मैकियों ने दिल्ली से पटना आ रही जनसधारण एक्सप्रेस के दरवाजे पर खड़े एक युवक से मोबाइल झपट लिया। इस दौरान 22 वर्षीय युवक चलती ट्रेन से नीचे गिर पड़ा। वह एक घंटे तक ट्रैक पर तपड़ता रहा। लेकिन सूचना के बावजूद जीआरपी और आरपीएफ एक घंटा बाद मौके पर पहुंची। जिससे ज्यादा खून बह जाने से युवक की वहीं तड़प-तड़प कर मौत हो गई। उसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है। वहीं, पुलिस के देर से पहुंचने पर आक्रोशित स्थानीय लोगों ने हंगामा काटा। लोगों ने पुलिस पर बदमाशों के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। रेल थाना प्रभारी आरती सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज अग्रिम करवाई की जा रही है। दिल्ली से चली जनसधारण एक्सप्रेस शनिवार की सुबह पटना आ रही थी। ट्रेन सुबह करीब 10:30 बजे बिहटा रेलवे स्टेशन के पश्चिम छोर स्थित आरओबी से समीप गुजर रही थी। ट्रेन की गति धीमी थी। तभी स्मैकियों ने ट्रेन के गेट पर खड़े युवक का मोबाइल झपट लिया। मोबाइल बचाने के चक्कर में युवक ट्रेन से नीचे गिर बुरी तरह जख्मी हो गया। ट्रैक पर घायल पड़े युवक की सूचना स्थानीय लोगों ने तुरंत रेल पुलिस को दी। बावजूद इसके सूचना के करीब एक घंटे बाद पुलिस एम्बुलेंस लेकर मौके पर पहुंची। लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि घटना के तुरंत बाद घायल को अस्पताल में भर्ती कराया जाता तो उसकी जान बच सकती थी।

लोगों ने लाल गमछा दिखाकर रुकवाई ट्रेन

घटना के कुछ देर बाद जिस ट्रैक पर जख्मी युवक पड़ा था उसपर डाउन बक्सर पटना पैसेंजर ट्रेन आ रही थी। लोगों ने चालक को ट्रेन रोकने का इशारा किया। लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका। लोगों ने बताया कि जिस ट्रैक पर युवक गिरा था। अचानक उसी ट्रैक पर आ रही ट्रेन को देखकर लोगों ने दूर से ही लाल रंग का गमछा दिखाना शुरू कर दिया था। घटना की वजह से मौके पर पैसेंजर ट्रेन करीब 25 मिनट तक खड़ी रही।

शहर के 30 किमी में नहीं दिखेंगे पोल और बिजली के तार

पटना, एजेंसी। पटना सिटी, गुलजारबाग, राजेंद्र नगर, कंकड़बाग, गर्दनीबाग, पाटलिपुत्र, आशियाना डिविजन शामिल है। इसके साथ ही न्यू कैपिटल डिविजन के बचे हिस्से के साथ डाकबंगला और बांकीपुर डिविजन क्षेत्र के लिए होने वाले टेंडर में बचे हिस्से को शामिल किया गया है। वहीं, दानापुर, खगौल और कंकड़बाग-2 डिविजन के हिस्से योजनाबद्ध तरीके से तारों को अंडरग्राउंड करने की योजना है। पेसू जीएम श्रीराम सिंह का कहना है कि पेसू के सभी 13 डिविजन के विद्युत कार्यपालक अभियंताओं को अपने-अपने क्षेत्र में सर्वे कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। सहायक विद्युत अभियंता, एसडीओ और जेई के द्वारा प्राथमिक स्तर पर सर्वे किया जाएगा। इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। पटना शहर के 30 किमी के दायरे में पोल और बिजली के तार नहीं दिखेंगे। बिजली के पोल और तार को हटाकर अंडरग्राउंड केबल बिछाने के लिए सर्वे का काम शुरू हो गया है। इसका फायदा करीब 7.33 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को मिलेगा। अधिकारियों के मुताबिक सगुना मोड से पटना सिटी तक के इलाके के तार को अंडरग्राउंड करने की योजना है। इस पर पेसू के इंजीनियरों ने काम शुरू कर दिया है। पहले चरण में सचिवालय इलाके में अंडरग्राउंड केबलिंग किया गया था। दूसरे चरण में डाकबंगला और बांकीपुर डिविजन के कुछ हिस्से को अंडरग्राउंड करने के लिए टेंडर जारी हुआ है। तीसरे चरण में बाइपास से उत्तर के इलाके को अंडरग्राउंड करने की योजना है। वर्तमान में आंधी-पानी आने के दौरान पोस्टर-बैनर, कपड़ा, पेड़ टहनी गिरने से ट्रिपिंग होती है। बिजली का तार-पोल क्षतिग्रस्त होता है। इस समस्याओं से निजात मिलेगी। शहर की सुंदरता बढ़ेगी। ट्रैफिक सरल होगा। बिजली के पोल-तार के कारण होने वाले अवरोध को दूर किए जा सकेंगे। होलिका दहन और जुलूस के दौरान बिजली की तार-पोल से होने वाली समस्या दूर हो सकेगी।

पेसू क्षेत्र की स्थिति...

बिजली उपभोक्ताओं की संख्या 7.33 लाख
पीएसएस की संख्या–75, पावर ट्रांसफॉर्मर की संख्या 201
डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर की संख्या 6767
33 केवी की संख्या – 88, लंबाई 498.68 सर्किट किमी
11 केवी की संख्या – 312, लंबाई 464.8 सर्किट किमी
एलटी लाइन की लंबाई 4250.9 सर्किट किमी
इन डिविजनों में अंडरग्राउंड केबल
श्रीमती हेमावती देवी के पुत्रब्रजकिशोर दुबे की रिपोर्ट

गया में बहन की शादी से पहले भाई की मौत

गया, एजेंसी। गया में बहन की शादी से पहले भाई की सड़क हादसे में मौत हो गई। दोस्त के साथ बाइक से नानी के घर से सामान लेकर आ रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार हाइवा ने रौंद दिया। दुल्हन के भाई रंजित यादव(20) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। रंजीत के पिता नहीं हैं। पिछले साल बीमारी से मौत हो गई थी। घटना टनकुप्पा थाना क्षेत्र के फतेहपुर मुख्य मार्ग की है।

पहिए के नीचे आने से मौत : परिजनों ने बताया कि शनिवार को रंजित के बहन की शादी थी। बारात आने से पहले शाम को अपने 2 दोस्तों के साथ नानी के घर कुछ सामान लाने गया था। वहां से लौटते समय हाइवा ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रंजीत गाड़ी के पहिए में फंस गया। 500 मीटर तक घसीटता चला गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरोपी ड्राइवर की तलाश जारी : हादसे के बाद ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। मामले की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फरार ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

शराब तस्करों का पीछा कर रही उत्पाद विभाग की गाड़ी पलटी

होमगार्ड की मौत, एएसआई समेत चार जख्मी

आरा, एजेंसी। बिहार के भोजपुर जिले में शनिवार को शराब तस्करों का पीछा कर रही जगदीशपुर उत्पाद थाने की बोलेरो गाड़ी पलट गयी। उसमें होमगार्ड के एक जवान की मौत हो गई, जबकि एएसआई समेत चार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को पटना रेफर कर दिया गया है। हादसे में उत्पाद विभाग की बोलेरो गाड़ी भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी है। मृतक और घायल सभी जगदीशपुर उत्पाद थाने में पोस्टेड थे। हादसा शनिवार की शाम गजराजगंज ओपी क्षेत्र के कटेया रोड में पहरी बाबा ब्रह्मस्थान के समीप हुआ। मृत होमगार्ड जवान खवासपुर थाना क्षेत्र के हरि के टोला गांव निवासी त्रिलोकी नाथ यादव के 35 वर्षीय पुत्र संजय कुमार यादव थे। घायलों में अरवल जिला के अरवल थाना क्षेत्र के मोठा गांव निवासी एएसआई मो.जमील अख्तर, बिहिया थाना क्षेत्र के समरदह गांव निवासी होमगार्ड के जवान धर्मेंद्र पासवान, शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी सुशील कुमार यादव और जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुल्हिनगंज गांव निवासी विकास कुमार शामिल हैं। इधर, हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरातफरी और चीख-पुकार मच गयी। सूचना मिलने पर आसपास के ग्रामीण एवं डायल 112 की टीम पहुंची और सभी को बोलेरो से निकला गया। तबतक गजराजगंज ओपी इंचार्ज हरि प्रसाद शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को अस्पताल ले जाया गया। जगदीशपुर उत्पाद थाने सहित उत्पाद विभाग के अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना। मृत जवान और घायलों के परिजन भी अस्पताल पहुंचे।

औरंगाबाद में 53 एकड़ में फैला है प्राचीन गढ़, सीएम नीतीश ने कहा था– यहां कई रहस्य छिपे हैं

कुटुंबा में खुदाई में मिले पुरानी सभ्यता के सिक्के

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद का कुटुंबा गढ़ ऐतिहासिक स्थल है। यहां आज भी कई रहस्य दबे हैं। यह गढ़ 53 एकड़ में फैला है। यहां प्राचीन सभ्यता के अवशेष मिले हैं। मिट्टी के बर्तन, मूर्तियां, सिक्के, धातु और अन्य वस्तुएं खुदाई में मिलीं। इस जगह को लेकर सीएम नीतीश कुमार ने कहा था कि यहां कई रहस्य छिपे है। पुरातत्व विभाग ने यहां खुदाई की। खुदाई में शुंगकाल, हर्षवर्द्धन काल और वैष्णव काल के अवशेष मिले। इससे यह प्रमाणित होता है कि यह स्थल बिहार की सबसे पुरानी सभ्यता का संकेत देता है। गढ़ के बाहरी हिस्से में पुराना अवशेष, भव्य तालाब, मठ और किले के अवशेष हैं। यह प्रमाण है कि यहां इतिहास के स्वर्णिम काल के पन्ने बिखरे पड़े हैं। ग्रामीणों ने बताया कि वे बचपन से यहां खेलते थे। पर्व के समय घर की पुताई के लिए मिट्टी लाते थे। खुदाई के दौरान कई बार मूर्तियां, बर्तन और सिक्के निकलते थे। कुटुंबा निवासी जीतू तिवारी, चंद्रशेखर प्रसाद साहू, ब्रजेश तिवारी, अमरेंद्र दुबे, धर्मेंद्र दुबे आदि ने बताया कि गढ़ का इतिहास जानने की उत्सुकता बचपन से थी। जो अब भी पूरी नहीं हुई। यदि विस्तृत खुदाई कराई जाए तो यहां दफन पुराने इतिहास का पता चल सकेगा।

खुदाई से इतिहास का चलेगा पता

साल 2010 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कुटुंबा गढ़ पहुंचे थे। उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि यहां इतिहास के कई रहस्य छिपे हैं। खुदाई कराई जाए तो गढ़ का इतिहास सामने आएगा। उन्होंने कहा था कि हमें अपनी विरासत को सहेजना चाहिए। यह आने वाली पीढ़ी के लिए प्राचीनकाल का आइना बनेगा। साल 2011 में सेवा यात्रा के दौरान वे कुटुंबा पुराना गढ़ और परता स्थित कल्पवृक्ष धाम पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कुटुंब गढ़ का अवलोकन किया। लोगों को आश्वासन दिया कि जल्द ही यहां के इतिहास का पता लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री के आदेश पर पुरातत्व विभाग की टीम ने खुदाई शुरू की। खुदाई में देवी-देवताओं की मूर्तियां, शीशे के बर्तन, लौह, ताम्र और पाषाणकालीन नमूने मिले। हर्षवर्धन काल के सिक्के भी बरामद हुए। डॉ. अनंताशुतोष द्विवेदी को वैष्णव काल के अवशेष भी मिले। इससे यह स्पष्ट हुआ कि यहां अलग-अलग धर्मों के प्रवर्तकों ने समय बिताया था। खुदाई में मिले सामानों को म्यूजियम में लगाया गया है।

गढ़ की खुदाई नहीं हुई पूरी

ग्रामीण बताते हैं कि 5 से 6 जगह पर खुदाई की गई थी। लेकिन आधा अधूरा खुदाई कर पुरातत्व विभाग की टीम वापस लौट गई। आज भी गढ़ का पूरा खुदाई नहीं कराया गया है। लोगों ने सरकार से विस्तृत पैमाने पर खुदाई करवा कर गढ़ में दफन इतिहास का पता लगाए जाने की मांग की है। इतिहासकारों के अनुसार, यह गढ़ पालवंश और क्षत्रिय वंश के किले के रूप में इस्तेमाल होता था। यहां राजपूत रानियों ने एक साथ जौहर किया था। आज भी स्कूल के गेट के पास उस स्थान पर ग्रामीण पूजा करते हैं।

गढ़ में माता पार्वती की खंडित मूर्तियां, खंडित शिवलिंग और अन्य मूर्तियां मिलीं। इनकी कलात्मकता अद्वितीय है। कुटुंबा गढ़, अंबा से छह किलोमीटर दूर है। औरंगाबाद-डाल्टेनगंज पथ से यहां पहुंचा जा सकता है। गढ़ पर ही उच्च स्कूल स्थित है। दूर-दूर से लोग इसका इतिहास जानने और देखने आते हैं। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि इस स्थल को सहेजा जाएगा और इसे पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। लोगों ने वरीय अधिकारियों का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराते हुए स्थल का बड़े पैमाने पर खुदाई कराई जाने और पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने की मांग की है।

मजदूरों से भरी पिकअप वैन पलटी 45 घायल, 22 की हालत नाजुक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-19 पर दर्दनाक हादसे में मजदूरों से भरी एक पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गई, जिसमें 45 लोग घायल हो गए। इनमें से 22 मजदूरों की स्थिति अत्यंत गंभीर बताई जा रही है। घटना उस समय हुई जब सभी मजदूर अवैध कोयला खदान की ओर काम

करने जा रहे थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तोपचांची सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। स्थिति और अधिक चिंताजनक तब हुई जब पता चला कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त डॉक्टर व संसाधन नहीं थे। दो डॉक्टरों ने सीमित साधनों में सभी घायलों को प्राथमिक उपचार दिया। घंटों इंतजार के बाद एंबुलेंस पहुंची और गंभीर रूप से घायलों को एसएनएमएमसीएच रेफर किया गया। घायलों में अधिकतर गिरिडीह जिले के निवासी हैं, जो हर दिन अवैध खदानों में कोयला काटने आते हैं। प्रतिदिन एक दर्जन से अधिक पिकअप वैन इन मजदूरों को इन खतरनाक खदानों तक पहुंचाती हैं। यह हादसा न सिर्फ मजदूरों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाता है, बल्कि प्रशासनिक लापरवाही की भी तस्वीर पेश करता है।

सिपाही ने सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर की खुदकुशी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद पुलिस लाइन में रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना घटी। पुलिस विभाग में कार्यरत सिपाही विनोद चौधरी ने अपनी ही सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह कोई आम मामला नहीं था, बल्कि उस गहरे मानसिक तनाव और अकेलेपन की कहानी थी, जो देशभर में पुलिसकर्मियों की एक बड़ी सच्चाई बन चुकी है। इस घटना ने न केवल उनके परिवार को शोक में डुबो दिया, बल्कि पूरे पुलिस महकमे को झकझोर कर रख दिया है। सवाल है कि आखिर क्यों एक जवान, जो लोगों की सुरक्षा के लिए हमेशा

तैयार रहता है, वह स्वयं खुदकुशी करने पर विवश है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि रविवार दोपहर, उन्होंने अपने सरकारी आवास में खुद को सर्विस रिवॉल्वर से गोली मार ली। प्रारंभिक सूचना के अनुसार, घटना के समय वे अकेले थे और उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। आत्महत्या की जानकारी मिलते ही एसपी अरविंद प्रताप सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है। विनोद चौधरी, गया जिले के परैया थाना क्षेत्र के निवासी थे और वर्तमान में जहानाबाद कोर्ट में तैनात थे। वहीं घटना के पीछे के कारणों के बारे में बताया जा रहा है कि कुछ ही समय पहले विनोद चौधरी का स्थानांतरण रोहतास जिले में किया गया था। उनके जीवन में हाल ही में एक गहरा दुखद घटना भी सामने आया था। बताया गया कि उनकी पत्नी की लम्बी बीमारी के बाद हाल ही में निधन हो गया था। इस घटना के बाद से वे लगातार मानसिक तनाव और डिप्रेशन से जूझ रहे थे।

पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव के आवास पर बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर दार्जिलिंग से आए लामाओं ने किया पूजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर पूर्व वित्त मंत्री व लोहरदगा विधायक डॉ. रामेश्वर उरांव के रांची स्थित आवास पर भव्य बुद्ध जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दार्जिलिंग से आए लामाओं द्वारा पारंपरिक पूजा कर भगवान बुद्ध की प्रतिमा की विशेष आराधना की गई। कार्यक्रम में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, महासचिव आलोक दूबे, धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक सहित कई प्रमुख नेता उपस्थित थे। पूजन की शुरुआत बोधिवृक्ष के नीचे स्थापित बुद्ध प्रतिमा पर पुष्पांजलि और 108 दीपों के प्रज्वलन के साथ हुई। भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिभाव से सराबोर हो उठा। इस दौरान छोटानागपुर बौद्ध समिति और

जैप वन वाहिनी गुंबा समिति की महिला अनुयायियों ने भी सुंदर प्रस्तुति दी।

पूर्व वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा, भगवान बुद्ध के उपदेश–करुणा, अहिंसा और आत्मशुद्धि–आज के युग में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। उनकी पुत्री और आईपीएस अधिकारी निशा उरांव ने भी इसे आत्मचिंतन और शांति का पर्व बताया। प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि बुद्ध के विचार ही आज के तनावग्रस्त समाज को शांति की दिशा में ले जा सकते हैं। कांग्रेस महासचिव डॉ. राजेश गुप्ता ने बुद्ध को विश्व के महानतम आध्यात्मिक गुरु बताते हुए कहा कि उनका मार्ग संयम और संतोष की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर राज्य की सुख-शांति व प्रगति के लिए प्रार्थना की।

जब एंबुलेंस बनी बारात की सवारी कोडरमा में दिखा अनोखा नज़ारा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोडरमा। शादी-ब्याह के सीजन में आपने गाड़ियों, बग्घियों या बसों में जाती बारात देखी होगी, लेकिन कोडरमा में एक बारात ऐसी निकली, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। यहां एक एंबुलेंस बारात की सवारी बनी। मामला कोडरमा के डोमचांच प्रखंड के महेशपुर गांव का है, जहां मुकेश कुमार नामक व्यक्ति ने अपने साले कृष्णा की शादी में जाने के लिए कोई अन्य साधन न मिलने पर मगध मेडिकल कॉलेज की एंबुलेंस का उपयोग किया। मुकेश अपने पूरे परिवार के साथ इसी एंबुलेंस से बारात लेकर निकल पड़े। एंबुलेंस में बच्चे, महिलाएं और शादी का सामान भी था। मुकेश ने बताया कि शादी में शामिल होना जरूरी था और दूसरी गाड़ी नहीं मिलने के कारण एंबुलेंस से ही रवाना हुए। इस दृश्य ने पूरे कोडरमा में लोगों को चकित कर दिया और यह मामला सोशल मीडिया पर भी चर्चा का विषय बना हुआ है। यह घटना व्यवस्था की कमी और सामाजिक जुगाड़ का विचित्र लेकिन दिलचस्प उदाहरण बन गई है।

सत्र शुरू हुए 40 दिन बीते, 35 लाख बच्चों को नहीं मिली किताबें

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में सत्र शुरू हुए एक माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक राज्य के करीब 35 लाख छात्रों को पाठ्यपुस्तकें नहीं मिल पाई हैं। अप्रैल में सत्र की शुरुआत हुई थी, लेकिन जिलों को अभी तक किताबों की आपूर्ति नहीं की गई है, जिससे पठन-पाठन पूरी तरह प्रभावित हो रहा है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से प्रत्येक वर्ष कक्षा 1 से 8 तक के बच्चों के लिए पुस्तकें वितरित की जाती हैं, लेकिन इस वर्ष वितरण में भीषण देरी हो रही है। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के पदाधिकारी नसीम अहमद ने कहा,

ल्लजब हर साल किताबें बांटी जानी होती हैं, तो पहले से तैयारी क्यों नहीं होती? छात्रों को सत्र की शुरुआत में किताबें क्यों नहीं मिलतीं? संघ ने यह भी चेताया कि इस गति से तो गर्मी की छुट्टियों से पहले किताबें नहीं मिल पाएंगी और 15 जून से पहले वितरण संभव नहीं दिख रहा। वहीं शिक्षा विभाग के सचिव द्वारा जारी ताजा आदेश के अनुसार, अब शिक्षकों का वेतन तभी जारी होगा जब छात्रों का पाठ्यक्रम समय पर पूरा होगा। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि जब किताबें ही नहीं मिल रही, तो पाठ्यक्रम कैसे पूरा होगा?

आईसेन्गाफा गोगोई ने तोड़ा राष्ट्रीय यूथ रिकॉर्ड, खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में जीता स्वर्ण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रविवार को जारी खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के दौरान असम की आईसेन्गफा गोगोई ने 55 किलोग्राम भारवर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 183 किलोग्राम वजन उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय यूथ रिकॉर्ड को भी तोड़कर नया इतिहास रच दिया। 17 वर्षीय आईसेन्गफा लखनऊ स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण (ट्टइक्र) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (गएग्व) में कोच राहुल शर्मा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की कोयल बार द्वारा 2024 एशियन चैंपियनशिप (दोहा, कतर) में बनाए गए 182 किलोग्राम के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया। पिछले साल चेन्नई में

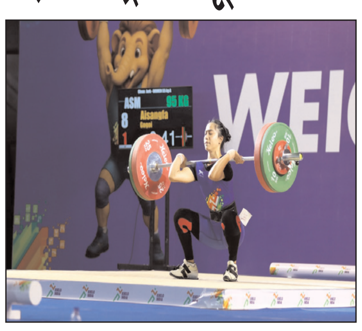

आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पदक से चूकने वाली आईसेन्गफा ने इस बार दमदार वापसी करते हुए स्नैच में 75, 79 और फिर 81 किलोग्राम वजन उठाया, जो मीना संता द्वारा फिजी में बनाए गए 81 किग्रा रिकॉर्ड की बराबरी है। रजत पदक ओडिशा की मीना संता को मिला जिन्होंने कुल 177 किलोग्राम (80+97) वजन उठाया। जबकि आंध्र प्रदेश की हेमा श्री करंगी ने 164 किग्रा (72+92) वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। आईसेन्गफा ने बताया कि यह उनका खेलो इंडिया में पहला स्वर्ण पदक है। उन्होंने कहा, मैं अपने कोच, माता-पिता और विशेष रूप से SAI NCOE लखनऊ का आभार व्यक्त करती हूं। मैं 2023 से खेलो इंडिया एथलीट हूं और प्रतिमाह 10,000 की स्कॉलरशिप प्राप्त करती हूं, जो हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए बहुत सहायक है।

उन्होंने यह भी बताया कि उनके पिता दीपज्योति गोगोई कभी राज्य स्तर पर नहीं खेले लेकिन पावरलिफ्टिंग से जुड़े रहे। यहीं से उन्हें प्रेरणा मिली। उनके पिता असम के सिबसागर जिले के करुलाकालिया गांव में टेंट हाउस चलाते हैं, जबकि मां नबनीता गोगोई गृहिणी हैं। आईसेन्गफा ने कहा, मैंने 13 साल की उम्र में वेटलिफ्टिंग शुरू की थी। चोट के बाद वापसी करना मुश्किल था, लेकिन आज स्वर्ण पदक जीतकर मैंने खुद को साबित कर दिया। अब मेरा लक्ष्य अगस्त में अहमदाबाद में होने वाली कॉमनवेल्थ यूथ चैंपियनशिप के ट्रायल्स में क्वालिफाई करना है।

अन्य विजेता खिलाड़ी- लड़कों की 61 किग्रा स्पर्धाः पंजाब के सुनील सिंह ने कुल 238 किग्रा (108+130) वजन उठाकर स्वर्ण जीता। पश्चिम बंगाल के अनिक मोदी (232 किग्रा) को रजत व तमिलनाडु के जयनवराज जे. (231 किग्रा) को कांस्य मिला। लड़कों की 67 किग्रा स्पर्धाः महाराष्ट्र के यश खंडगले ने 267 किग्रा (122+145) वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। असम के अभिनव गोगोई को रजत और हरियाणा के समीर खान को कांस्य पदक मिला।

दीवार गिरने से महिला मजदूर की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। रहुई थाना क्षेत्र अंतर्गत ब्रांदी गांव स्थित एक ईंट-भट्ठा पर रविवार को काम के दौरान बड़ा हादसा हो गया। भट्ठे की एक जर्जर दीवार अचानक भरभराकर गिर पड़ी, जिसकी चपेट में चार मजदूर आ गए। इस दुर्घटना में गया जिले के नीमचक बथानी प्रखंड के जगजीवनपुर गांव निवासी रंजीत मांझी की 25 वर्षीय पत्नी गुडड़ी कुमारी की मौत हो गई। हादसे के बाद घायलों के इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे में तीन अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनकी पहचान झारखंड के रांची जिले के बरही बिरजुपर गांव निवासी दीपिका कुमारी, आरती कुमारी और रामचंद्र उरांव के रूप में की गई है।

एक नजर

ई-रिक्शा की टक्कर से समपार का बूम क्षतिग्रस्त, चालक गिरफ्तार

मोतिहारी। बापूधाम मोतिहारी-सेमरा स्टेशन के बीच समपार संख्या 161/एसपीएल पर रविवार को एक ई-रिक्शा की टक्कर से समपार का पश्चिमी बूम क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद रेलवे संपत्ति को लगभग 3500 रुपये का नुकसान हुआ है। घटना की सूचना पर पहुंची आरपीएफ टीम ने स्थानीय लोगों की सहायता से ई-रिक्शा चालक को पकड़ लिया। उसकी पहचान छौड़ादानो थाना क्षेत्र के श्रीपुर वार्ड निवासी 30 वर्षीय अविनाश कुमार के रूप में की गई है। आरपीएफ पोस्ट कमांडर भरत प्रसाद ने बताया कि गेटमैन हसमती देवी सप्तक्रांति एक्सप्रेस और हमसफर एक्सप्रेस को पास कराने के लिए हूटर बजाकर गेट बंद कर रही थीं। उसी दौरान लापरवाही से पूर्व दिशा से आ रहा ई-रिक्शा चालक तेजी से गेट के बंद होते ही पश्चिमी बूम से टकरा गया, जिससे बूम जड़ से टूट गया। गेटमैन की शिकायत पर आरपीएफ पोस्ट बापूधाम मोतिहारी में रेल अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच आरपीएफ सब इंस्पेक्टर रमेश कुमार कर रहे हैं।

वीर जवानों की सुरक्षा हेतु वेद विद्यालय में मंत्रोच्चार व हवन

मोतिहारी। शहर के महर्षिनगर स्थित आर्षविद्या शिक्षण प्रशिक्षण सेवा संस्थान- वेद विद्यालय में रविवार को भारतीय सेना के वीर जवानों की सुरक्षा, मनोबल और सामर्थ्य वृद्धि हेतु विशेष वैदिक अनुष्ठान, सूक्त-पाठ व हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वेद विद्यालय के प्राचार्य सुशील कुमार पांडेय ने कहा कि ल्लराष्ट्रधर्म सबसे बड़ा धर्म है। जिस भारत भूमि में जन्म लिया है, उसी की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का परम कर्तव्य है। यह केवल सैनिकों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हम सभी को एकजुट होकर देश की रक्षा में योगदान देना चाहिए। कार्यक्रम में सुधीर दत्त पाराशर, रूपेश ओझा, कुंदन पाठक, राजन पांडेय, विकास पांडेय, सुधाकर पांडेय, अरुण तिवारी समेत विद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-बटुक उपस्थित रहे।

शराब लदी बोलेरो सहित दो तस्कर गिरफ्तार

पहाड़पुर (पूर्वी चंपारण)। सरेया वृत्ति गांव के समीप पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर एक बोलेरो व एक मोटरसाइकिल से 110 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। इस दौरान दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुमित यादव एवं मुन्ना यादव के रूप में हुई है, दोनों निवासी श्यामपुर कोतराहा, थाना नौतन, पश्चिमी चंपारण हैं। छापेमारी टीम में थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार, एएसआई राजीव कुमार सहित पुलिस बल शामिल था। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

120 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

पीपराकोठी (पूर्वी चंपारण)। पीपराकोठी थाना क्षेत्र के हथियाही चक्रधेय गांव में छापेमारी कर पुलिस ने मक्के के खेत से 120 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। शराब की बोतलों की संख्या 375 एमएल वाली 320 बताई गई है, जो 'रॉयल स्टेज' ब्रांड की है। थानाध्यक्ष खालिद अख्तर ने बताया कि सूचना के अनुसार मठ के पश्चिमी छोर पर यह शराब छिपाकर रखी गई थी। छापेमारी के दौरान तस्कर फरार हो गए, लेकिन उनकी पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है। टीम में एसआई परमानंद मंडल, एएसआई राजेश पाल व सशस्त्र बल शामिल थे।

राजद की सरकार बनी तो महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपये प्रतिमाह

चकिया (पूर्वी चंपारण)। मधुबन रोड स्थित एक विवाह भवन में रविवार को राजद द्वारा सामाजिक न्याय परिचर्चा का आयोजन किया गया। इस दौरान कल्याणपुर विधायक एवं जिलाध्यक्ष मनोज कुमार यादव ने कहा कि देश में लोकतंत्र, समाजवाद और पंथनिरपेक्षता को खतरा है। आम गरीब जनता को सशक्त करने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता विधायक भूदेव चौधरी, मुन्ना यादव, मो. इकबाल शमी, धनिक लाल मुखिया, सुबोध यादव, पवन सर्राफ व नवल यादव ने कहा कि राजद की सरकार बनी तो हर घर की महिला को 2500 रुपये प्रतिमाह मिलेगा। वृद्धावस्था, विधवा व विकलांग पेंशन को 400 से बढ़ाकर 1500 रुपये किया जाएगा और 200 यूनिट बिजली निशुल्क दी जाएगी। मौके पर कई राजद नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रकृति और सचिन ने तलवारबाजी में लहराया परचम, जीते स्वर्ण पदक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में तलवारबाजी (फेंसिंग) स्पर्धाओं की जोरदार शुरुआत हुई, जिसमें राजस्थान की प्रकृति शर्मा और हरियाणा के सचिन ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। महिला सेबर फाइनल में प्रकृति शर्मा ने कर्नाटक की एस. तन्वी को कड़े मुकाबले में 15-12 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सेमीफाइनल में उन्होंने मणिपुर की अंबिका देवी को मात दी। अपनी जीत पर खुशी जाहिर करते हुए प्रकृति ने कहा, यह मेरे कोच की कड़ी मेहनत

और मेरे समर्पण का नतीजा है। यह अनुभव मेरे लिए हमेशा यादगार रहेगा। वहीं पुरुष फॉइल स्पर्धा में हरियाणा के सचिन ने महाराष्ट्र के रोहन शाह को रोमांचक मुकाबले में 15-12 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। जीत के बाद सचिन ने कहा, मैं अपने कोच, माता-पिता और विशेष रूप से अपने पिता का धन्यवाद करता हूं, जिनके समर्थन से मैं यहां तक पहुंच सका।

पारिवारिक विवाद में मारपीट, एक की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। थरथरी थाना क्षेत्र के कौशल्यबिगहा गांव में मामूली विवाद के बाद हुई मारपीट में घायल अरुण गोप (45 वर्ष) की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस घटना को लेकर मृतक के परिजनों ने पांच लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। परिजनों के अनुसार, शनिवार को अरुण गोप बाजार से मटन लेकर घर लौटे और अपनी भाभी से जल्दी पकाने को कहा। भाभी ने थोड़ी देर बाद बनाने की बात कही, जिस पर अरुण ने मजाक में गाली दे दी। पास में खड़ी चचेरे भाई की पत्नी को लगा कि यह गाली उसे दी गई है, जिससे विवाद बढ़ गया। विवाद इस कदर बढ़ा कि गोतिया के जगदीप गोप ने डंडे से अरुण के सिर पर वार कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने उन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। थरथरी थानाध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा ने बताया कि मृतक की भाभी के फर्द बयान पर पांच नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए सावधानी बरती जा रही है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने की आत्महत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। राजगीर थाना क्षेत्र के चमरडीहा गांव में पारिवारिक विवाद के बाद एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान राकेश कुमार (32 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को राकेश कुमार का पत्नी से किसी पारिवारिक मुद्दे पर विवाद हुआ था। विवाद के बाद वह घर से बाहर निकल गए और गांव के पास चमरडीहा पइन के किनारे एक पेड़ पर फांसी लगा ली। जब देर शाम तक राकेश घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। इसी दौरान किसी ग्रामीण ने उन्हें पेड़ से फंदे पर लटका देखा और तुरंत राजगीर थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की। राजगीर थानाध्यक्ष रमण कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेजा गया, जहां प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

अग्नि सुरक्षा अभियान चलाकर लोगों को किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रजौली। अनुमंडल क्षेत्र के रजौली, सिरदला एवं अकबरपुर प्रखंड के विभिन्न नौ जगहों पर रविवार को अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी राम अवध सिंह के नेतृत्व में अग्नि सुरक्षा संबंधित विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि अभी खेतों में फसलों की कटाई हो रही है और फसलों को खेत-खलिहानों में रखा जा रहा है।इस दौरान कई बार जानकारी के आभाव में लोग कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं,जिसका भुक्तभोगी किसानों को बनना पड़ता है वहीं घरेलू गैस के पाइप आदि में भी अनियमितता बरतने पर कई दुर्घटनाएं घटित हो रही है। अगलगी की घटनाओं में कमी लाने को लेकर अग्निशमनकर्मी प्रत्येक दिन क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। रविवार को

सिरदला प्रखंड के सिरदला पंचायत के वार्ड संख्या 8 में स्थित अभिषेक भारत गैस, अकौना पंचायत के वार्ड संख्या 8 व वार्ड संख्या 7, रजौली प्रखंड के करीगांव में आर्यन हार्डवेयर,अंधरवारी पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 13 एवं अकबरपुर प्रखंड के फतेहपुर पंचायत के एसएस प्लाई सेंटर, बलिया बुजुर्ग पंचायत के बीच बाजार, शेखपुरा पंचायत के वार्ड 10 और पचगामा के वार्ड संख्या 9 में मॉक ड्रिल कर लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रखंडों से आने-वाले युवाओं से लेकर बुजुर्गों एवं महिलाओं के हाथों में पंपलेट देकर आग से बचने के उपाय बताया गया साथ ही अग्निशमन के सोशल मीडिया से दर्जनों लोगों को जोड़ा गया एवं जुड़ने का सुझाव भी दिया गया।

50 हजार का इनामी अभियुक्त मुकेश गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। नवादा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। जहां पुलिस ने 50 हजार का इनामी अभियुक्त मुकेश कुमार उर्फ मुकेश डॉन को गिरफ्तार किया है। नवादा एसपी अभिनव धीमान ने प्रेस वार्ता कर बताया कि हत्याकांड में संलिप्त 50 हज़ार का इनामी अभियुक्त मुकेश कुमार उर्फ मुकेश डॉन को नवादा पुलिस ने किया गिरफ्तार। घटना के संबंध में बताया जाता है कि 24/नवंबर/24 को नेमदारगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जलालपुर गांव में कुछ लोगों द्वारा एक व्यक्ति के साथ मारपीट की गयी, जिसमें इलाज के क्रम में उसकी मौत हो गयी। मृतक के पत्नी द्वारा दिए गए लिखित आवेदन के आधार पर नेमदारगंज थाना कांड संख्या 363/24 दिनांक 21/नवंबर/24 दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा अनुसंधान के क्रम में छापामारी

कर इस कांड में संलिप्त चार अभियुक्त की गिरफ्तारी पूर्व में ही की जा चुकी है। कांड के मुख्य अभियुक्त मुकेश कुमार उर्फ मुकेश डॉन गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहे थे। उल्लेखनीय है कि मुकेश कुमार उर्फ मुकेश डॉन आपराधिक प्रवृति के हैं। उनके विरुद्ध नवादा जिला के विभिन्न थाना अंतर्गत कई कांड दर्ज हैं। फरार रहने की स्थिति में इसके गिरफ्तारी पर 50,000 रुपए का इनामी राशि भी घोषित किया गया था। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर मुकेश कुमार उर्फ 'मुकेश डॉन' को 10 मई 2025 को जलालपुर गांव से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर उसे थाना परिसर लाया गया एवं उससे सघन पूछताछ की गयी। पूछताछ उपरांत उसे न्यायिक हिरासत भेजा जा रहा है। अन्य संलिप्त अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु छापामारी जारी है। एसपी ने बताया कि मुकेश कुमार उर्फ 'मुकेश डॉन', पिता प्रभु यादव, सा0 जलालपुर थाना नेमदारगंज जिला नवादा को गिरफ्तार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पति से हुई अनबन तो दोस्तों ने रची शर्मनाक साजिश, समझौते का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म

बरेली , एजेंसी। बरेली के नवाबगंज क्षेत्र में पति से चल रही अनबन का फायदा उठाकर दोस्तों ने समझौता कराने का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म किया। महिला के विरोध करने पर उसका अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई। इससे परेशान महिला ने थाना नवाबगंज में तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला की शादी के बाद अपने पति से अनबन रहने लगी। इसी मामले को लेकर महिला ने अपने पति के खिलाफ दहेज मांगने व प्रताड़ित करने की रिपोर्ट दर्ज करा दी। महिला के पति के दो दोस्त निवासी बिथरी चैनपुर व भुता थाना क्षेत्र ने महिला के पास आकर कहा कि वह उसका और पति के बीच समझौता करा देंगे।

पिछले साल आठ नवंबर को दोनों दोस्तों ने महिला को बहाने से बरेली के एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने उसका भी वीडियो बनाया, जिसे वायरल करने की धमकी दी। महिला की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बहाने से घर में बुलाकर युवती से किया दुष्कर्म: भुता थाना क्षेत्र के एक गांव में सरकारी नल पर कपड़े धुल रही युवती को बहाने से घर में बुलाकर परिचित युवक ने दुष्कर्म किया। युवती के पिता ने मामला दर्ज कराया है। पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी 18 वर्षीय बेटी दोपहर में गांव के सरकारी नल पर कपड़े धुल रही थी। उसी समय परिचित युवक अमित बेटी को बहाने से घर में बुलाकर उसको कोई नशीला पदार्थ सुंघा दिया। बेहोश होने पर बेटी के साथ दुष्कर्म किया। काफी देर ढूंढने पर जब वह नहीं मिली तो संबंधित आरोपी के घर का दरवाजा तोड़कर बेटी को वहां से खोजा। बाद में आरोपी के परिजन समझौते का दबाव बनाने लगे। समझौता न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस मामले की जांच व आरोपी की तलाश कर रही है। युवती को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा गया है।

शिक्षक करता था छेड़छाड़, शिकायत की तो छात्रा का गला दबाया, पीड़िता की गई आवाज-याददाश्त

अमरोहा, एजेंसी। अमरोहा के डिडौली थाना क्षेत्र के एक गांव में इंटर कॉलेज में शिक्षक के उत्पीड़न से आहत 10वीं की छात्रा आवाज और याददाश्त खो बैठी। कई दिन तक मुरादाबाद में उपचार के दौरान छात्रा को होश आया तो उसने आपबीती सुनाई। पुलिस ने मामले में आरोपी शिक्षक के खिलाफ छेड़खानी, हत्या की कोशिश और एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कॉलेज प्रबंधन ने भी आरोपी शिक्षक को निष्कासित कर दिया। गांव निवासी किसान की कक्षा दस में पढ़ने वाली 15 वर्षीय बेटी को करीब दो महीने से स्कूल में पढ़ाने वाला संविदा शिक्षक विवेक चीमा परेशान कर रहा था। वह अन्य छात्राओं के साथ छेड़खानी करता है। पीड़िता और अन्य दो छात्राओं ने शिक्षक की शिकायत कक्षा अध्यापिका से की। कक्षा अध्यापिका ने छात्राओं को साथ ले जाकर प्रधानाचार्य को पूरे मामले के बारे में बताया। लिहाजा प्रधानाचार्य ने आरोपी शिक्षक विवेक चीमा को फटकारा और दंडित किया। जिससे नाराज होकर 19 अप्रैल को आरोपी शिक्षक ने धोखे से छात्रा को स्कूल के पीछे बुलाकर छेड़खानी की और जान से मारने की नीयत से गला दबा दिया। जिससे छात्रा की आवाज चली गई। छुट्टी के बाद छात्रा बदहवास अवस्था में घर पहुंची तो वह कुछ बोल नहीं पा रही थी।

बच्चे हो रहे बीमार, अस्पताल में नहीं मिल रहा उपचार

मैनपुरी , एजेंसी। गर्मी के बीच जिले में बाल मरीजों की संख्या बढ़ने लगी। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बच्चे बुखार के साथ डायरिया और पेट दर्द की दिक्कतों से जूझ रहे हैं। जिले के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की व्यवस्था न होने के कारण एक महीने से अधिक उम्र के बच्चों को प्राथमिक उपचार के साथ ही रेफर किया जा रहा है। गर्मी के बीच जिले में मरीजों की संख्या बढ़ी है। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में बेड फुल हैं। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों में बच्चों की संख्या अधिक रही।

गोरखपुर चिड़ियाघर: शेर पटौदी भी अब बीमार...कानपुर चिड़ियाघर में होगा इलाज

मरियम की मौत के बाद से है गुमसुम

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर चिड़ियाघर में करीब एक माह से बीमार बब्बर शेर पटौदी को शनिवार की रात कानपुर चिड़ियाघर भेज दिया गया। वहीं, पर उसका इलाज होगा। प्रदेश के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना से निर्देश मिलने के बाद इस शेर को कानपुर भेजने का फैसला हुआ।

बब्बर शेर की औसत उम्र 15 से 16 वर्ष होती है। पटौदी करीब 15 वर्ष का हो गया है। ऐसे में उम्र के साथ उसकी खुराक भी कम हो गई है। उसका महीने भर से इलाज चल रहा है। इंडियन वेटनेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई) बरेली की टीम ने भी इसका इलाज किया।

शुक्रवार को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने चिड़ियाघर के निरीक्षण के दौरान पटौदी को भी देखा। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए इसे कानपुर चिड़ियाघर भेजने का निर्णय हुआ। शनिवार रात में उसे कानपुर भेज दिया गया।

पटौदी काफी कमजोर हो गया है, जिस वजह से उसे बिना हड्डी वाला मीट ही दिया जा रहा है। आमतौर पर बब्बर शेर को गर्मी में 10 से 12 किलो मीट दिया जाता है, लेकिन पटौदी केवल चार से पांच किलो मीट ही खा रहा है।

शेरनी मरियम की मौत के बाद रहता है गुमसुम

चिड़ियाघर में पिछले साल शेरनी मरियम की मौत हो गई थी। उसके बाद से ही बब्बर शेर पटौदी काफी गुमसुम रहता है। साथी के जाने के बाद वह ज्यादातर समय बाड़े के कोने में पड़े रहता है। बता दें कि चिड़ियाघर में फरवरी 2021 में इटावा लायन सफारी से बब्बर शेर पटौदी और शेरनी मरियम को लाया गया था।

पटौदी को गुजरात के शक्करबाग से इटावा लाया गया था। इसे पहले जंगल से पकड़ा गया था। इटावा सफारी में दोनों में

नजदीकियां भी बढ़ गई थीं। वहीं इसकी जोड़ी मरियम के साथ बनाई गई थी। गोरखपुर आने के बाद दोनों एक-दूसरे को देखते रहते थे।

पटौदी की उम्र करीब 15 वर्ष है। मरियम (17) इससे बड़ी थी। वह प्रदेश की सबसे उम्रदराज शेरनी थी। उम्र ज्यादा होने पर उसकी तबीयत खराब रहने लगी और दो अप्रैल 2024 को उसकी मौत हो गई।

वेबसाइट को आधे घंटे तक किया हैक, विवि प्रशासन ने लगाई संचालन पर रोक

अलीगढ़ , एजेंसी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) की वेबसाइट को हैकरों ने आधे घंटे तक हैक कर ली। इसकी जानकारी मिलने पर विवि प्रशासन हरकत में आया। विवि प्रशासन ने 07.45 बजे बाद वेबसाइट के संचालन पर रोक लगा दी है।

10 मई रात 7⁓15 बजे विश्वविद्यालय की वेबसाइट को हैकरों ने हैक कर लिया। वेबसाइट के होम पेज पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नीचे जहां कुलपति की तस्वीर और नाम होता है, उस जगह पर हैक्ड बाई जेड बीएल 4सीएक्स-एच4टी टीम लिखा था। विवि के परीक्षा नियंत्रक अजय कृष्ण यादव ने बताया कि जैसे ही उन्हें वेबसाइट हैक होने की जानकारी मिली, 7⁓45 बजे वेबसाइट का संचालन बंद करा दिया गया। उन्होंने कहा कि वेबसाइट हैक होने से विद्यार्थियों का डेटा चोरी हो सकता था। परीक्षा परिणाम काफी सुरक्षित है। हैक के मामले में जांच की जाएगी। एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अंकुर शर्मा ने बताया कि वेबसाइट पर लाखों विद्यार्थियों का डेटा है। परीक्षा परिणाम जानने के लिए उन्होंने वेबसाइट देखी, तो पता चला कि उसे हैकरों ने हैक कर रखा है। इसलिए परीक्षा परिणाम नहीं जान सके। वेबसाइट हैक करने की जानकारी विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दी गई।

हर अंक के नाम पर मांगे जा रहे 200-200 रुपये: पिछले कुछ दिनों से अनजान मोबाइल नंबर से फेल विद्यार्थियों के पास संदेश आ रहा था।

इंस्पेक्टर से ठगी: नौकरी और प्लॉट के नाम पर लिए थे आठ लाख, धमकाया- अभी जानते नहीं हो असली पावर दिखलाऊंगा

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में कोर्ट से दोषमुक्त कराने के लिए जज के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले शातिर ने अब खुद को मुख्यमंत्री का ओएसडी बता प्रयागराज में तैनात इंस्पेक्टर से चार लाख रुपये ठग लिए हैं। यह रुपये उसने इंस्पेक्टर के भतीजे को नौकरी और प्लाट दिलाने का झांसा देकर हासिल किए। जब दबाव बनाया तो चार लाख वापस किए, जबकि बाकी राशि देने से इन्कार कर दिया। कोहना पुलिस ने आरोपी दंपती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कोहना के विष्णु कीर्ति अपार्टमेंट निवासी अनुपम सिंह ने बताया कि उनके पति अरुण कुमार सिंह प्रयागराज के थाना एयरपोर्ट के प्रभारी निरीक्षक हैं। वह 18 जून 2023 से 21 अक्तूबर 2023 तक कोहना थाने के प्रभारी निरीक्षक थे। तैनाती के दौरान पति की मुलाकात केडीए कालोनी रामलीला मैदान निवासी शब्बीर अहमद से हुई। उसने खुद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ओएसडी बताते हुए कई राजनेताओं, न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क होने की बात कही।

उसने कई लोगों को नौकरी दिलवाने, ट्रांसफर पोस्टिंग कराने और लखनऊ व कानपुर रोड पर कई बीघे में प्लॉटिंग करने की बात कही। अरुण ने झांसे में आकर एक अक्तूबर 2023 को प्लॉट खरीदने और भतीजे को हाईकोर्ट में नौकरी दिलाने के लिए शब्बीर व उसकी पत्नी को आठ लाख रुपये दे दिए। निर्धारित समय पर प्लाट की रजिस्ट्री और भतीजे को नौकरी न मिलने पर उन्होंने रुपयों की मांग की, तो दंपती ने टालमटोल की।

आरोपी शब्बीर अहमद और उसकी पत्नी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज: परिचितों से जोर लगवाने पर दंपती ने 10 नवंबर 2023 को चार लाख वापस कर दिए। शेष राशि देने से इन्कार कर दिया। दोबारा रुपये मांगने पर धमकी दी। कोहना इंस्पेक्टर अवधेश कुमार ने बताया कि डीसीपी सेंट्रल के निर्देश पर आरोपी शब्बीर अहमद और उसकी पत्नी के विरुद्ध रंगदारी, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, धमकाने, जानबूझकर अपमानित करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। एक टीम केडीए कॉलोनी गई थी, लेकिन वहां पर कोई नहीं मिला।

जज के नाम पर ठगी में जेल जा चुका शब्बीर: शब्बीर अहमद ने डेढ़ साल पहले सावित्री नगर निवासी वसीम के बेटे को न्यायालय द्वारा मुकदमे से दोषमुक्त कराने के लिए जज के नाम पर चार लाख रुपये की मांग की थी।

कश्मीर-पंजाब व शिमला की बुकिंग बंद, ट्रकों के थमे पहिये, नहीं आ पा रहें फल-मेवे; 10 करोड़ का नुकसान

लखनऊ, एजेंसी। सीमा पर तनातनी से ट्रांसपोर्ट का कारोबार प्रभावित हुआ है। ट्रांसपोर्टनगर से जम्मू कश्मीर, पंजाब, शिमला रूट पर ट्रकों का आवागमन 15 दिनों से पूरी तरह से ठप है। इससे 10 करोड़ रुपये के कारोबार का नुकसान हुआ है।ट्रांसपोर्टरों ने कश्मीर, पंजाब व शिमला की ओर जाने वाले माल की बुकिंग बंद कर दी है। ट्रांसपोर्टनगर में 250 ट्रक खड़े कर चालक घर चले गए हैं। ट्रांसपोर्टर आसिफ ने बताया कि 15 दिनों से न तो लखनऊ से जम्मू कश्मीर, पंजाब, शिमला रूट का माल बुक करके लोडिंग की गई है और न ही इन राज्यों से आने वाले माल की अनलोडिंग की गई है।

दुबग्गा फल व सब्जी मंडी के आढ़ती नसीम ने बताया कि दशहरी आम तैयार होने के कगार पर है। एक जून से इसकी जम्मू कश्मीर व पंजाब सप्लाई की तैयारी है। इन राज्यों के आढ़ती बुकिंग करा चुके हैं। हालात पूरी तरह नहीं सुधरे तो नुकसान होगा।

फल-सब्जी की आपूर्ति ठप: लखनऊ ट्रक एंड ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ, फर्रुखाबाद, कन्नौज सहित आसपास से जम्मू कश्मीर व पंजाब को होने ने वाली फल व सब्जी की आपूर्ति ठप हो गई है। इस वक्त तरबूज, खरबूज व हरी सब्जी की मांग जोरों पर है। ऐसे में ट्रांसपोर्टरों के साथ किसान भी प्रभावित हुए हैं।

10 प्रतिशत बढ़ गया भाड़ा: दुबग्गा के ट्रांसपोर्टर सत्य शरण श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ से 10 टन माल जम्मू भेजने पर औसतन 35 से 37 हजार रुपये तक का भाड़ा मिलता था। सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद से भाड़े में 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो गई है।

...तो 24 घंटे में पटरी पर होगा कारोबार: लखनऊ से जम्मू, श्रीनगर, पंजाब के होशियारपुर, पठानकोट, चंडीगढ़, पंचुकला, सोलन, शिमला के बीच ट्रांसपोर्ट कारोबार पटरी पर लौट आएगा। हालांकि, जो नुकसान हुआ उसकी भरपाई नहीं हो पाएगी। रविवार से ही इन शहरों के लिए माल की बुकिंग को खोल दिया जाएगा।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी: जज का आचरण ऐसा हो कि न्यायिक प्रणाली पर आम आदमी का भरोसा कायम रहे

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कौशाम्बी में तैनात रहे विशेष न्यायाधीश को दी गई अनिवार्य सेवानिवृत्ति के आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया। कहा कि हमें यह मानने में हिचकिचाहट नहीं है कि सेवा अभिलेखों में मौजूद प्रतिकूल समाग्रियां ऐसी हैं कि उन्हें जज के रूप में बने रहने का कोई हक नहीं। एक जज का आचरण ऐसा होना चाहिए कि न्यायिक प्रणाली के प्रति आम आदमी का भरोसा कायम रह सके।

यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डोनाडी रमेश की अदालत ने रमेश कुमार यादव की याचिका खारिज करते हुए की है। पीसीएसजे रमेश कुमार यादव 2001 में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) नियुक्त हुए। 2006 में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के रूप में पदोन्नत होने के बाद उन्हें उच्च न्यायिक सेवा में पदोन्नति देते हुए कौशाम्बी में विशेष न्यायाधीश (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम) के पद पर तैनाती दी गई थी। उनकी सेवानिवृत्ति फरवरी 2026 में पूरी होती, लेकिन 2021 में उन्हें प्रशासनिक जज की ओर से दी गई प्रतिकूल प्रविष्टि के आधार पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई।

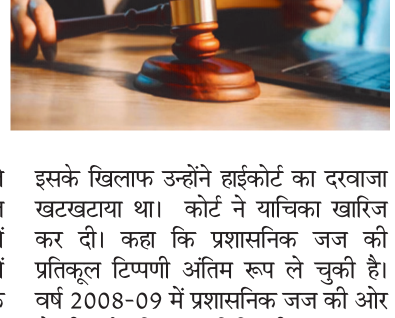

इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। कहा कि प्रशासनिक जज की प्रतिकूल टिप्पणी अंतिम रूप ले चुकी है। वर्ष 2008-09 में प्रशासनिक जज की ओर से दी गई प्रतिकूल प्रविष्टि की सत्यता पर मौजूदा याचिका में टिप्पणी नहीं की जा सकती। खासकर तब जब प्रतिकूल टिप्पणी को चुनौती नहीं दी गई है।

अगले साल से लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर हो सकता है शुरू, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में की जा रही है कवायद

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज ने कार्निया, गुर्दा, हृदय के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट की भी तैयारी शुरू कर दी है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर शुरू करने की भी तैयारी है। अस्पतालों में कुछ संसाधन हैं, कुछ का इंतजाम करने में एक साल लग जाएगा। अगले साल से लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर भी शुरू करने की योजना है। इस तरह जीएसवीएम प्रदेश का पहला मेडिकल होगा, जहां चार अंगों का प्रत्यारोपण किया जा सकेगा।

डॉ. काला ने बताया कि सबसे पहले शुरुआत कार्निया प्रत्यारोपण के क्षेत्र में की गई थी। इस समय अस्पताल में कार्निया बैंक भी संचालित किया जा रहा है। साथ ही अब गुर्दा ट्रांसप्लांट सेंटर की अनुमति मिल गई है। जल्दी ही गुर्दा ट्रांसप्लांट मल्टी सुपर स्पेशियलिटी एंड पीजीआई के गुर्दा रोग विभाग में शुरू कर दिया जाएगा। एलपीएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट में हार्ट ट्रांसप्लांट सेंटर की तैयारी पूरी है। उपकरण

उपलब्ध हैं। सेंटर के लिए लाइसेंस मिलते ही हृदय प्रत्यारोपण होने लगेगा।

लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर अगले साल खुलेगा: उन्होंने बताया कि ब्रेन स्टेम डेथ कमेटी का गठन हो गया है। ब्रेड डेड रोगियों के जो अंग दान में मिलेंगे, उनमें लिवर भी होगा। इससे लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर भी खोलने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए हेपिटोलॉजिस्ट विशेषज्ञ की नियुक्ति हो गई है। इसके साथ ही सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में गैस्ट्रो सर्जरी विभाग भी है।

कुछ संसाधन पहले से उपलब्ध हैं, जिनकी जरूरत है, उनका भी इंतजाम किया जा रहा है। गुर्दा और हृदय प्रत्यारोपण सेंटर इसी साल शुरू हो जाएंगे। लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर अगले साल खुलेगा।

मदर्स डे: सलाम इन मांओं को, जिनके बेटे सरहद पर तैनात हैं... छाती चौड़ी कर देगा इनका अनुभव; होगा गर्व

वाराणसी , एजेंसी। वीर सैनिकों की मांओं का बुलंद स्वर में कहना था कि ऊपर वाले से यही प्रार्थना रहती है कि बेटा हमारा सुरक्षित रहे। मगर, देश की सुरक्षा में आंच न आने पाए। देश सबसे पहले है और घर-परिवार उसके बाद...।

डर तो लगता ही है, गर्व भी होता है: गाजीपुर के पटकनिया गांव के मूल निवासी और पहड़िया में रहने वाले राघवेंद्र प्रताप सिंह 52 बटालियन सीआरपीएफ में जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में तैनात हैं। उनकी मां रामसखी रघुवंशी ने कहा कि हमारा बेटा अपने मामा कैप्टन योगिंद्र नाथ सिंह और चाचा हवलदार श्रीकांत सिंह से प्रेरित होकर सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था।

भारत और पाकिस्तान के बीच जो स्थिति रहती है, उसके चलते अपने बेटे को लेकर डर तो लगता ही है। मगर, उससे ज्यादा अपने बेटे पर गर्व भी होता है। मेरा बेटा हमेशा कहता है कि इस देश और मिट्टी की रक्षा का संकल्प हमने लिया है। तुम चिंता मत करना मां...।

एनसीसी के समय सेना में जाने का बेटे ने बना लिया था मन: रोहनिया के दरेखू निवासी पवन सिंह जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में सेना में तैनात हैं।

उनकी मां विमला देवी ने कहा कि हमारा बेटा एनसीसी का बेस्ट कैडेट था और उसी समय वह सेना में जाने का मन बना लिया था। हमें गर्व है कि हमारे कलेजे का टुकड़ा भारतीय फौज में है और मैं उसकी मां हूं। पवन से गुरुवार की रात बात हुई थी। उसने कहा था कि मां हमारी चिंता मत करना, मैं अपने साथियों के साथ सुरक्षित हूं।

गर्व है कि हमारा बेटा देश की हिफाजत कर रहा है: चौबेपुर के अजांव गांव की रहने वाली मीरा उपाध्याय ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा सचिन उपाध्याय एक वर्ष पूर्व जम्मू-कश्मीर से रिटायर्ड हो गया। बीच वाला बेटा आशीष उपाध्याय जम्मू-कश्मीर में सेना में तैनात है। सबसे छोटा बेटा बंगलूरू में दक्षिण भारत की सीमा पर तैनात हैं। पति मंशा उपाध्याय भी सूबेदार पद से रिटायर्ड हैं। हमें गर्व है कि हमारा बेटा देश की हिफाजत कर रहा है।

बेटे के फोन का इंतजार कर रहे हैं: मिर्जापुर के कटका के मूल निवासी और फुलवरिया क्षेत्र की मानस नगर कॉलोनी में रहने वाले शैलेश पाल इस समय जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में तैनात है। उनकी मां केवला देवी ने बताया कि देश की सीमा पर तनाव की स्थिति को लेकर हमारा फौजी बेटा फोन पर बता रहा था कि क्या चल रहा था। उसने समझाया भी था कि मां आप लोग परेशान मत होना और हमारी चिंता मत करना। हम जब फ्री रहेंगे तो फोन कर बात जरूर करेंगे। इसलिए बेटे के फोन का इंतजार कर रहे हैं।

लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर डटा है बेटा: राजातालाब के नरोत्तमपुर गांव निवासी मनीष कुमार सिंह इन दिनों लद्दाख में भारत-चीन की सीमा पर डटे हुए हैं। मनीष की माता रामा देवी ने कहा कि वर्ष 2007 में जुलाई में हमारा बेटा आईटीबीपी में भर्ती हुआ था। दो साल तक अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास की सुरक्षा में वह रहा। इन दिनों मनीष भारत-चीन की सीमा पर तैनात है। मनीष पढ़ाई के समय से ही देश सेवा की बात करता था। मां की ममता अपने बच्चों के लिए भला कहां कभी कम होती है।

परिवार की दूसरी पीढ़ी भी देश सेवा में है: चिरईगांव के जाल्हूपुर मधुकरपुर गांव के रहने वाले प्रकाश यादव पठानकोट में भारतीय सेना में तैनात हैं। उनकी मां गीता यादव ने कहा कि हमारे पति रामानंद यादव फौज से सेवानिवृत्त हैं।

बिहार की बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बन रही सुहानी की 'सफलता' की कहानी

राजगीर में जल्द बनकर तैयार होगा साइक्लिंग ट्रैक : सीएम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश में खेल संस्कृति की जड़ें मजबूत करने की दिशा में पहल करने वालों में पहले हरियाणा, पंजाब, ओडिशा और दक्षिण भारत के कुछ राज्य ही शामिल थे, लेकिन बीते दशकों में बिहार ने खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की ओर तेजी से कदम बढ़ाए हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य ने भारत के खेल महाशक्ति बनने के सपने को साकार करना शुरू कर दिया है। इसकी एक बानगी राज्य की मेजबानी में हो रहे खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में देखने को मिल रही है। यहां के खिलाड़ी अपने प्रदर्शन से सिर्फ पदक नहीं, लोगों का दिल भी जीत रहे हैं। हाल ही में छपरा की रहने वाली सुहानी कुमारी ने इंडिविजुअल परस्यूट साइक्लिंग स्पर्धा में पदक जीतकर राज्य को गर्वित किया है। अन्य खेलों में भी मेजबान खिलाड़ी बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं।

राज्य सरकार की मदद से तैयार हो रहे होनहार

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में खेल के क्षेत्र में बिहार ने बीते दो दशकों में काफी तेजी से प्रगति की है। राज्य सरकार ने अपनी खेल नीति को सुदृढ़ किया है और खिलाड़ियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित की है। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं और उनका लाभ लेकर आज राज्य के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं।

साइक्लिस्ट सुहानी ने भी राज्य सरकार की सहायता से अपने खेल को बेहतर किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें मुख्यमंत्री खेल छात्रवृति योजना की प्रेरणा श्रेणी के तहत चुना गया है। इतना ही नहीं उनकी उत्कृष्ट साइक्लिंग प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री ने उन्हें 11 लाख रुपए की साइकिल उपलब्ध कराई।

सनद रहे कि प्रेरणा छात्रवृत्ति योजना के तहत खिलाड़ियों को राज्य सरकार की ओर से प्रतिवर्ष 3 लाख रुपए की राशि दी जाती है।

राजगीर में जल्द बनकर तैयार होगा साइक्लिंग ट्रैक

खेल सुविधाओं के लिहाज से बीते कुछ वर्षों में बिहार ने काफी तरक्की कर ली है। अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम से लेकर वर्ल्ड क्लास इंडोर स्टेडियम तक बनकर तैयार हैं। इतना ही नहीं एथलेटिक्स को बढ़ावा देने की दिशा में भी बिहार सरकार तेजी से काम कर रही है। खेल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक राजगीर में अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एक अंतरराष्ट्रीय स्तर का साइक्लिंग ट्रैक जल्द बनकर तैयार हो जाएगा। इसका निर्माण कार्य प्रगति पर है और यह शीघ्र ही खिलाड़ियों के लिए खोला जाएगा।

सुहानी की उपलब्धि न केवल उनके निरंतर अभ्यास और समर्पण का परिणाम है, बल्कि यह बिहार के युवाओं विशेषकर बेटियों के लिए एक प्रेरणास्रोत भी बन गई है। उन्होंने यह दिखाया है कि यदि प्रतिभा को सही अवसर, उचित मार्गदर्शन, संसाधन और सरकार का साथ मिले तो वे राष्ट्रीय स्तर पर अपना परचम लहरा सकती हैं। खेलो इंडिया यूथ गेम्स जैसे राष्ट्रीय आयोजन भारत के विभिन्न राज्यों के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और बड़े मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर देते हैं। बिहार की सक्रिय भागीदारी और पदक विजेताओं की संख्या यह संकेत देती है कि राज्य में खेल के प्रति नई जागरूकता और ऊर्जा का संचार हुआ है। सुहानी कुमारी की उपलब्धि इस बात का प्रतीक है कि बिहार की बेटियां अब आत्मविश्वास और संकल्प के साथ खेल के मैदानों में अपना लोहा मनवा रही हैं।

पूर्व राज्यपाल डॉ. गोविंद नारायण सिंह की 20वीं पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी एवं काव्यांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत में पहली बार जनसंघ समर्थित संविदा सरकार बनाने वाले बिहार के पूर्व राज्यपाल एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. गोविंद नारायण सिंह की 20 वीं पुण्य स्मृति सभा का आयोजन विधान परिषद सभागार पटना में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद चौरसिया ने किया। उन्होंने गोविंद नारायण सिंह को भारत का एक महान राजनेता बताया। प्रमुख वक्ता के रूप में बोलते हुए विधानसभा उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण सिंह यादव ने कहा कि डॉ. गोविंद नारायण सिंह के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है। उन्होंने महान जेपी सेनानी कवि साहित्यकार विचारक पवन श्रीवास्तव जी को भी श्रद्धा सुमन अर्पित किया। डॉ. गोविंद नारायण सिंह न्यास के अध्यक्ष और भाजपा दिल्ली प्रदेश के प्रवक्ता नीरज तिवारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और न्यास की गतिविधियों की जानकारी दी।

प्लास्टिक, जूट, एग्रो टेक्सटाइल के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार की पहल

कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों से उत्पादकता बढ़ाने का प्रयास

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिहार सरकार किसानों की आय वृद्धि, जल संरक्षण और फसल उत्पादकता में सुधार हेतु निरंतर आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा दे रही है। इसी क्रम में प्लास्टिक, जूट, एग्रो टेक्सटाइल मल्च अवयव के उपयोग को राज्य के सभी जिलों में लागू किए जाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस योजना के अंतर्गत प्लास्टिक मल्च को अपनाने हेतु किसानों को 40,000 (चालीस हजार) प्रति हेक्टेयर की एकमुश्त इकाई लागत पर 50% सहायता प्रदान किए जाने का प्रावधान है। मंत्री ने कहा कि मल्च तकनीक के माध्यम से खेतों में नमी बनाए रखने, खरपतवार नियंत्रण और मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखने में सहायता मिलती है। यह तकनीक विशेष रूप से सब्जियों, फलदार वृक्षों और फूलों की खेती में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हुई है। उप मुख्यमंत्री-सह-कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने बताया कि यह पहल किसानों को जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने और फसल उत्पादन की निरंतरता बनाए रखने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को अपनाकर राज्य को हरित क्रांति की नई दिशा देने के लिए कृतसंकल्प है।

योजना का दायरा और क्रियान्वयन

उन्होंने कहा कि यह योजना राज्य के सभी जिलों में लागू की जाएगी जिससे हर क्षेत्र के किसान इसका लाभ उठा सकें। तकनीकी प्रशिक्षण, ऑन-फार्म डेमोंस्ट्रेशन और सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को इस तकनीक को अपनाने हेतु प्रोत्साहित किया जाएगा। इस तकनीक के उपयोग से उत्पादन में वृद्धि तो होगी ही, साथ ही जल की खपत में कमी और फसल की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। इससे किसानों की आय में सीधा लाभ होगा। साथ ही पर्यावरणीय संरक्षण को भी बल मिलेगा। श्री सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा की गई यह पहल कृषि क्षेत्र को सशक्त, टिकाऊ और लाभकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दो दिवसीय एशियाई जलपक्षी गणना की बैठक का समापन

आर्द्रभूमि और प्रवासी पक्षी संरक्षण को मिला बढ़ावा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जलचरों और आर्द्रभूमियों के संरक्षण को लेकर आयोजित दो दिवसीय बैठक 'एशियन वॉटरबर्ड सेन्सस इंडिया कोऑर्डिनेटर्स मीटिंग' का रविवार को सफल समापन हुआ। कार्यशाला का आयोजन बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी, वेटलैंड्स इंटरनेशनल साउथ एशिया तथा बिहार राज्य पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के संयुक्त प्रयास से किया गया। बैठक में बिहार सहित विभिन्न राज्यों, गोवा, कर्नाटक, झारखंड, मणिपुर, ओडिशा, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, उत्तराखंड, केरल, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शामिल प्रतिभागियों में राज्य स्तरीय समन्वयक, वन विभाग के अधिकारी, वैज्ञानिक, वेटलैंड विशेषज्ञ और स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल थे। बैठक में एडब्ल्यूसी डेटा की गुणवत्ता और मानकीकरण, नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने की रणनीति, नीतिगत निर्णयों में एडब्ल्यूसी डेटा का उपयोग, प्राथमिक आर्द्रभूमियों की राष्ट्रीय पहचान जैसे विषयों पर चर्चा हुई। मीटिंग का उद्देश्य भारत में एशियन वॉटरबर्ड सेन्सस की वर्तमान स्थिति की समीक्षा, राज्यों के अनुभवों का आदान-प्रदान और एक समन्वित निगरानी रणनीति का विकास था।

कांग्रेस का पोस्टरवार, हर कोई इंदिरा गांधी नहीं हो सकता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद युद्ध काल में मोटे तौर पर देश में ठंडी पड़ी राजनीति फिर से गर्म होती दिख रही है, लेकिन इस बार सीजफायर को टारगेट करते हुए पटना में कांग्रेस की ओर से जगह-जगह पोस्टर लगाए गए हैं और इसमें वर्तमान केंद्र सरकार के नेतृत्व की तुलना भूतपूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की लीडरशिप से की गई है। बता दें शनिवार को पाकिस्तान के डीजीएमओ की अपील पर भारत सरकार ने युद्ध विराम पर अपनी सहमति जताई और सीजफायर लागू हो गया। अब इसको लेकर जहां कई राजनीतिक दल सही कदम बता रहे हैं, वहीं कई सियासी पार्टियां नरेंद्र मोदी सरकार को अपने टारगेट पर ले रहीं हैं। इनका कहना है कि पाकिस्तान को अभी और सबक सिखाया जाना था और सीज फायर नहीं करना था। यही नहीं, मामले में अपरोक्ष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका को आगे रखते हुए कई नेता और राजनीतिक पार्टियां केंद्र सरकार पर हमले कर रही है। पटना की कई जगहों पर लगाए गए पोस्टर में लिखा गया है कि मां तुझे सलाम, हर कोई इंदिरा गांधी नहीं हो सकता! जाहिर तौर पर यह कांग्रेस की ओर से वर्तमान केंद्रीय सरकार के नेतृत्व की ओर संकेत है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार पर तंज भरा कटाक्ष है। पोस्टर बिहार एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष के द्वारा लगाई गई है। इस पोस्टर में इंदिरा गांधी की बड़ी से तस्वीर है जिसमें वो चेतावनी देती हुई नजर आ रही हैं। इसके साथ ही पोस्टर में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार मौजूद हैं। इस पोस्टर में लिखा है कि 'मां तुझे सलाम'। इंदिया गांधी की तस्वीर के बगल में लिखा है कि 'हर कोई इंदिरा गांधी नहीं हो सकता...'। बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी। इसके बाद से ही देशभर में गुस्सा था। वहीं जब भारत की ओर से पहलगाम हमले के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान पोषित 9 आतंकी ठिकानों पर मिसाइल अटैक किया गया तो इसके बाद बौखलाए पाकिस्तान ने भारत के सैन्य ठिकानों और आम नागरिकों को निशाने पर लेने की कोशिश की जिसका भारत की ओर से भी मुंह तोड़ जवाब दिया गया। इस दौरान दोनों देशों में युद्ध जैसे हालात कायम हो गए।

भारत के पराक्रम से पस्त हुआ पाकिस्तान : डॉ. संतोष सुमन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। हम के राष्ट्रीय अध्यक्ष व लघु जल संसाधन मंत्री डॉ. संतोष सुमन ने कहा है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत तीन दिन की हुई जवाबी कार्रवाई से थर्राया पाकिस्तान को सीजफायर के लिए भारत से अनुरोध करने के लिए विवश होना पड़ा है। यह देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बदले नया भारत का पराक्रम है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री से आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की मिली खुली छूट के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' का आगाज कर भारतीय सेना ने न केवल घर में घुस कर पाकिस्तान के 9 आतंकी अड्डे को ध्वस्त किया बल्कि तीन दशक पुराने भारत में हुए कई आतंकी वारदातों के गुनाहगारों का खात्मा भी किया। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के पहले दिन जहां 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए, वही कंधार विमान हाईजैक के मास्टर माइंड रउफ के मारे जाने से भारत का पुराना बदला भी पूरा हुआ। इसके साथ ही आतंकी मसूद अजहर के खानदान के 14 लोगों का खात्मा हुआ।

डॉ. सुमन ने कहा कि विगत तीन दिनों में भारत ने कई पाकिस्तानी ड्रोन के परखच्चे उड़ाए। सीमा पर आतंकियों और घुसपैठियों को मार गिराने के साथ ही पाकिस्तान के पसरूर रडार सिस्टम को तबाह किया। भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई कर पाकिस्तान के नूर खान, सियालकोट, मुरीद, रफिकी जैसे एयरबेस को तबाह कर उसकी कमर ही तोड़ दी।

मनीष पासवान को राजेश राम और जिग्नेश मेवाणी ने दिलाई कांग्रेस की सदस्यता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राष्ट्रीय दलित अधिकार मंच के प्रदेश अध्यक्ष युवा नेता मनीष पासवान ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित मिलन समारोह में बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम और गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जिग्नेश मेवाणी के समक्ष अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस पार्टी का दामन थाम लिया। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित मिलन समारोह में युवा नेता मनीष पासवान ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जिग्नेश मेवाणी के समक्ष अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस की विधिवत सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि मनीष पासवान युवा हैं और लगातार दलित अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहे हैं। उनके आने से पार्टी का वंचित समाज में जनाधार बढ़ेगा। हमारे नेता राहुल गांधी के विचारों से प्रभावित होकर उन्होंने कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी आस्था व्यक्त करते हुए पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। पार्टी ने दलित अधिकारों के लिए बिहार में अभियान छेड़ रखा है और उसी के कारण सभी वंचित समुदाय के लोग कांग्रेस के प्रति आकर्षित होकर जुड़ रहे हैं। उनके सदस्यता ग्रहण करने के बाद गुजरात प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जिग्नेश मेवाणी ने कहा कि दलित हितों की रक्षा के लिए राहुल गांधी लगातार संघर्ष कर रहे हैं और उनके संघर्षों का ही परिणाम है कि दलित समाज के युवा कांग्रेस में अपना भविष्य देख रहे हैं। सामाजिक न्याय के इस लड़ाई में सभी को मिल जुलकर आगे बढ़ना है और समाज का ध्वजवाहक बनकर उनके हक की आवाज को उठाना है। कांग्रेस में शामिल होने के बाद मनीष पासवान ने कहा कि दलित अधिकार मंच के साथ मैंने लगातार दलित समाज के हक की आवाज उठाई है, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने जिस तरीके से इस समाज को बिहार सहित पूरे देश में सम्मान दिया है उससे मैं प्रभावित होकर कांग्रेस का दामन थामा और आगे मजबूती से पार्टी की नीतियों पर काम करने को आगे बढ़ूंगा। मेरे साथ समाज के युवा और सभी वर्गों के लोग हैं जो दलित के अधिकार के लिए संघर्ष से निकले हैं सबके साथ मिल कर मैं बिहार में कांग्रेस पार्टी के मजबूती के लिए पार्टी के निर्देशानुसार काम करता रहूंगा। उनके साथ सदस्यता ग्रहण करने वालों में कई अन्य दलित नेतागण और युवा साथी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मिलन समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस विधान मंडल दल के नेता डा. शकील अहमद खान, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमिटी के कार्यकारी अध्यक्ष जिगनेश मेवाणी, प्रो. रतन लाल, जितेन्द्र गुप्ता, ब्रजेश प्रसाद मुनन, प्रवीण सिंह कुशवाहा, मंजीत आनन्द साहू, शकीलुर रहमान सहित अन्य नेता मौजूद थे।

बीएसएफ के सब इंस्पेक्टर मो. इम्तियाज के शहीद होने पर मुख्यमंत्री मर्माहत, जताया शोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जम्मू के आर.एस. पुरा सेक्टर में पाकिस्तान सेना के द्वारा फायरिंग में बिहार के सारण जिले के गरखा थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव के निवासी बी0एस0एफ0 के सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज के शहीद होने पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है और कहा है कि उनकी शहादत को देश हमेशा याद रखेगा। वे इस घटना से काफी मर्माहत हैं। मुख्यमंत्री ने वीर सपूत की शहादत पर उनके परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि शहीद सब इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज के निकटतम आश्रित को राज्य सरकार की ओर से अनुमान्य सम्मान राशि दी जायेगी, साथ ही शहीद जवान मोहम्मद इम्तियाज का राज्य सरकार की ओर से पुलिस सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जायेगा।

पूर्व मंत्री रामानंद प्रसाद सिंह के निधन पर सीएम ने जताया शोक

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व मंत्री रामानंद प्रसाद सिंह के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा है कि रामानंद प्रसाद सिंह लोकप्रिय राजनेता एवं समाजसेवी थे। वे खगड़िया जिला के परबत्ता विधानसभा क्षेत्र से 5 बार विधायक बने और अपने क्षेत्र में लोगों के बीच काफी सक्रिय रहते थे। राज्य सरकार में मंत्री रहते हुये उन्होंने अपनी जिम्मेवारियों का बेहतर ढंग से निवर्हन किया। उनके निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुयी है। मुख्यमंत्री ने स्व. रामानंद प्रसाद सिंह के पुत्र विधायक डॉ. संजीव कुमार से दूरभाष पर

षष्ठम राष्ट्रीय एक्यूप्रेशर पखवाड़ा की शुरूआत

25 मई तक होगा एक्युप्रेशर चिकित्सा शिविर आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज परिसर में षष्ठम राष्ट्रीय एक्यूप्रेशर पखवाड़ा का उद्घाटन राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त एक्यूप्रेशर महागुरू डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। डा. गुप्त ने सभा को सम्बोधित करते हुए बताया कि एक्यूप्रेशर चिकित्सा में त्वरित लाभ मिलता है। दर्द से सम्बंधित रोगों के साथ ही कई कठिन माने जाने वाले रोग जैसे डायबिटिज, ब्लडप्रेशर, लकवा या इन्डोक्राइन ग्लैन्ड जनित रोगों की भी चिकित्सा सरलता एवं सफलतापूर्वक की जाती है। बिहार एक्यूप्रेशर योग कॉलेज, स्वास्थ्य जागरूकता मिशन एवं इण्डियन काउन्सिल ऑफ एक्यूप्रेशर योग के संयुक्त तत्वावधान में देश के बारह राज्यों में एक्यूप्रेशर पखवाड़ा में सैकड़ों संस्थानों एवं चिकित्सकों के सहयोग से 11 मई से 25 मई के बीच हजारों निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा। पखवाड़ा संयोजक डा. अजय प्रकाश ने सभा को संचालित करते हुए कहा कि इस वर्ष डायबिटिज, लीवर जनित रोग थीम के साथ कमर दर्द, घुटना दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, थायरॉयड, लकवा, गठिया, रोगों की चिकित्सा का कार्य एक्यूप्रेशर पखवाड़ा के अन्तर्गत मुख्य रूप से किया जायेगा। बिहार सहित झारखंड, पं. बंगाल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, राजस्थान, उड़ीसा, आसाम, पंजाब आदि राज्यों सहित नेपाल एवं बांग्लादेश में लाखों रोगी लाभ लेंगे। पटना जिला में भी अठारह चिकित्सा शिविर का आयोजन होगा।

खाटू श्याम के भण्डारे में हजार से अधिक लोगों ने किया प्रसाद ग्रहण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। खाटू श्याम पधारो पटना धाम के संस्थापक कन्हैया अग्रवाल (कन्नू) के द्वारा द्वादशी के संध्या 5.30 बजे से देवी स्थान मंदिर जहाजी कोठी के समीप कदमकुआं भंडारा का आयोजन किया गया जिसमें करीब हजार से अधिक लोगों ने श्याम बाबा का प्रसाद पूड़ी, कचौड़ी, सब्जी, रायता, बुंदिया, भुजिया ग्रहण किए। मौके पर मां वैष्णव सेवा समिति के कन्हैया अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक माह के द्वादशी को श्याम भण्डारे का आयोजन किया जाता है। संस्था के संस्थापक कन्हैया अग्रवाल (कन्नू) ने बताया कि इस भंडारे में श्री श्री श्याम मंडल, श्री श्याम सेवा ट्रस्ट, श्री खाटू श्याम सेना, एकादशी निशान पूजन समिति के सारे सदस्यों ने भी हिस्सा लेकर श्याम बाबा के इस भव्य आयोजन में भाग लिए और भक्तों के बीच श्री खाटू श्याम पटना धाम का टी शर्ट भी वितरण किया गया।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। रोटरी क्लब ऑफ पटना मिलेनियम एवं जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल ने रविवार को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जिसका उद्देश्य स्थानीय समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना था। यह शिविर महुआ-देसरी रोड स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय, बहसी सैदपुर में आयोजित किया गया जिसमें सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि पीडीजी बिंदु सिंह, रो. राजेश सिंह एवं क्लब की अध्यक्ष सोनल जैन ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा बीपी, शुगर, नेत्र परीक्षण, ईसीजी, चिकित्सा परामर्श सहित विभिन्न स्वास्थ्य परीक्षण किए गए। जरूरतमंद मरीजों को दवाएं भी निःशुल्क प्रदान की गई। शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि पीडीजी बिंदु सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है। हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए और इस तरह के आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। वहीं रोटेरियन राजेश सिंह ने कहा कि आज के दौर में जब हमारी जीवनशैली तेजी से बदल रही है ऐसे में नियमित स्वास्थ्य जांच अत्यंत आवश्यक है। क्लब की अध्यक्ष सोनल जैन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य आम जनमानस में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें बुनियादी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब भविष्य में भी ऐसे शिविरों का आयोजन करता रहेगा। स्थानीय निवासियों ने इस पहल की सराहना की और क्लब के प्रयासों की प्रशंसा की।

हमें सेना के शौर्य पर गर्व : गिरिराज सिंह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर के ऐलान के बावजूद पाकिस्तान की तरफ से की जा रही नापाक हरकतों पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने हमला बोला है। उन्होंने कहा कि सीजफायर हो या लड़ाई हो, भारत के तमाम लोगों को भारतीय सेना एवं उनके शौर्य पर गर्व है। गिरिराज सिंह ने कहा कि हमें गर्व है कि पूरी दुनिया को भारतीय सेना के शौर्य को देखने का अवसर मिला। हमें सेना के शौर्य पर भी गर्व है और देश के नेतृत्व पर भी गर्व है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सेना पर पूरे भारतवासियों को गर्व है। वहीं सांसद पप्पू यादव के यह ट्वीट करने पर कि जो देश अमेरिका के ट्वीट पर चले वहां के प्रधानमंत्री को इस्तीफा दे देना चाहिए, इस पर गिरिराज सिंह ने कहा कि यह देश अपने शौर्य के दम पर चलता है और सेना का शौर्य नेतृत्व का शौर्य दुनिया ने देखा है। वहीं कांग्रेस के द्वारा पटना की सड़कों पर इंदिरा गांधी की तस्वीर एवं उस पर इंदिरा जैसा कोई नहीं लिखे जाने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि पूरे देश ने देखा है कि भारतीय सेना एवं देश के नेतृत्व पर गर्व है।

राष्ट्रीय लोक मोर्चा के मिलन समारोह में उमड़ा जनसैलाब, कक्कू खान ने दिखाई राजनीतिक ताकत

डिहरी 212 विधानसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय लोक मोर्चा के संभावित प्रत्याशी जाहिद परवेज उर्फ कक्कू खान ने थामा उपेंद्र कुशवाहा का हाथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

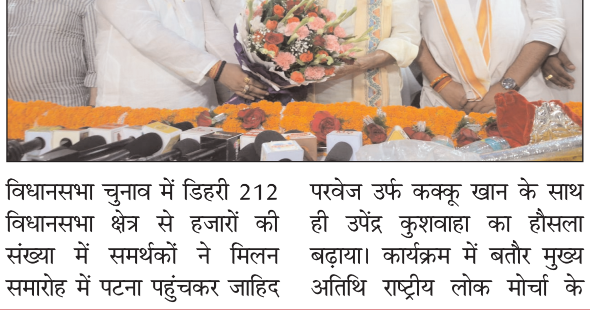

फुलवारी शरीफ। आगामी विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में डिहरी 212 विधानसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय लोक मोर्चा के संभावित प्रत्याशी जाहिद परवेज उर्फ कक्कू खान के नेतृत्व में एक भव्य मिलन समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन जनसमर्थन की ताकत को दर्शाने वाला साबित हुआ क्योंकि आगामी 2025 विधानसभा चुनाव में डिहरी 212 विधानसभा क्षेत्र से हजारों की संख्या में समर्थकों ने मिलन समारोह में पटना पहुंचकर जाहिद परवेज उर्फ कक्कू खान के साथ ही उपेंद्र कुशवाहा का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय लोक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा शामिल हुए। उन्होंने कक्कू खान की जनसंपर्क क्षमता और जमीनी पकड़ की सराहना की तथा संगठन को मजबूत बनाने की अपील की। जाहिद परवेज उर्फ कक्कू खान ने कहा कि वे डिहरी क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं और उनका एकमात्र लक्ष्य सामाजिक न्याय, शिक्षा, रोजगार और विकास को लेकर लड़ना है। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से वे चुनाव में मजबूती से उतरेंगे और जीत हासिल करेंगे। इस मौके पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के बिहार प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने भी संगठन के विस्तार और सामाजिक समरसता पर जोर दिया। खगौल के प्रतिष्ठित व्यवसायी और अनवार कॉम्प्लेक्स के मालिक हैदर अली अपने दर्जनों समर्थकों के साथ समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कक्कू खान को खुला समर्थन देते हुए कहा कि डिहरी की जनता को अब एक मजबूत, युवा और जमीन से जुड़े नेतृत्व की आवश्यकता है। इस मौके पर बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे जिनमें प्रमुख रूप से जीवन गुप्ता, श्रीकांत पाल, सरोज उपाध्याय, मोहम्मद शौबी खान, मो. कामरान, मोहम्मद अरशद उर्फ अरशी, मोहम्मद इमरान, मनीष श्रीवास्तव, कृष्णा पासवान, कृष्ण यादव, जमील अंसारी, मीर हसन, अतहर अंसारी, इमरान खान, मोहम्मद विक्की, मोहम्मद शाहिद मोबिन, मोहम्मद जियाउल सब्बर अली शामिल थे।

संपादकीय

सेना ने किया रणनीतिक क्षमता का कुशल प्रदर्शन

आपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले करके भारतीय सेना ने न केवल पहलगाम हमले का कड़ा जवाब दिया, बल्कि दुनिया के सामने अपनी रणनीतिक क्षमता का कुशल प्रदर्शन भी कर दिया है। इस हमले के बाद भारत सरकार को कूटनीतिक कामयाबी भी मिलती दिखने लगी है। इस अभियान की रणनीति तीनों सेनाओं ने मिल कर बनाई थी। हालांकि पाकिस्तान शुरू से शोर मचा रहा था कि भारत कभी भी उस पर हमला कर सकता है और इसके मद्देनजर उसने अपनी सामरिक तैयारियां तेज कर दी थी। मगर भारतीय सेना ने इतनी कुशलता से हवाई हमले किए और इतने सटीक निशाने साधे कि उसे समझने का मौका भी नहीं मिल पाया।यह सेना और सरकार की बड़ी सूझबूझ है कि पाकिस्तान के किसी नागरिक, सैन्य और आर्थिक ठिकाने पर निशाना लगाने के बजाय सिर्फ आतंकी ठिकानों को लक्ष्य कर ध्वस्त किया गया। इस तरह दुनिया में किसी को इसके विरोध में कुछ कहने का मौका नहीं रह गया है। चीन तक समझ नहीं पा रहा कि भारत के इस कदम को कैसे गलत ठहराया जाए। हमले के तुरंत बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों के अपने समकक्षों को फोन कर हमले की जानकारी दी। इस तरह पाकिस्तान की कूटनीतिक घेराबंदी भी कर दी गई है।आपरेशन सिंदूर के तहत मुख्य रूप से पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालयों तथा आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर हमले किए गए। उसके प्रमाण भी दुनिया के सामने पेश किए जा चुके हैं। माना जा रहा है कि इस हमले में इन आतंकी संगठनों से जुड़े काफी लोगों की जान गई है। भारतीय सेना ने वहां के जिन नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए, उनमें से चार पाक अधिकृत कश्मीर में और बाकी उसके पंजाब प्रांत में स्थित थे। शायद पाकिस्तानी सेना को अंदाजा नहीं था कि भारतीय सेना पंजाब प्रांत के भीतर भी हमला कर सकती है।उसने इस हमले की प्रतिक्रिया में भारत की सीमा पर कुछ नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं, पर उससे उसकी बौखलाहट ही जाहिर होती है। वह कुछ दिन पहले तक नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी कर भारतीय सेना को ललकार और अपनी परमाणु ताकत का धौंस दे रही थी, अब उसे समझ नहीं आ रहा कि कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। दरअसल, उसे लग रहा था कि चीन का समर्थन मिलेगा और भारत उसके भय से दब जाएगा। मगर अब आतंकवाद के खिलाफ हमले पर चीन कैसे पाकिस्तान का समर्थन करेगा, देखने की बात होगी।इस हमले के बाद उचित ही भारतीय सेना की देश भर में सराहना हो रही है। विपक्षी दलों ने भी एक बार फिर सरकार के साथ अपनी एकजुटता जताई और सेना के कौशल की तारीफ की है। हालांकि अमेरिका जैसे कुछ देशों ने कहा है कि यह तनाव जितना जल्दी खत्म हो, उतना ठीक होगा। पर भारतीय जनभावना है कि पाकिस्तान में पल रहे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ उठाया गया यह कदम निर्णायक होना चाहिए।सरकार भी इस भावना को गंभीरता से समझती है। इसलिए जिस तरह उसने सेनाध्यक्षों को निर्णय लेने की खुली छूट दी और सेना ने सूझबूझ से रणनीति तैयार की, उससे जाहिर है कि वह सधे कदम बढ़ाते हुए आतंकवाद को संरक्षण देने वालों को गहरे घाव देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पाकिस्तान एक तरफ जहां खुद को प्रताड़ित बता रहा है, वहीं वह सात-आठ मई की रात से लगातार भारतीय क्षेत्रों में हमला कर रहा है। दुखद बात यह है कि वह खुद भारतीय क्षेत्र में नागरिक ठिकानों और घरों को निशाना बना रहा है। कश्मीर सीमा पर पुंछ में उसने एक गुरूद्वारे पर हमला किया, जिसमें रागी समेत चार लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान लगातार भारत के सैनिक ठिकानो पर हमला कर रहा है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वह तकरीबन पूरी पश्चिमी सीमा पर मिसाइल, मोर्टार, ड्रोन और हवाई हमले कर चुका है। उसने चंडीगढ़, जैसलमेर, बाड़मेर, उरी, अखनूर, पहलगाम, जम्मू, लेह, सर क्रीक, भुज समेत तमाम सैनिक ठिकानों पर निशाना साधने की कोशिश कर चुका है। यह बात और है कि भारत की जवाबी कार्रवाई में उसके तकरीबन सभी प्रयास नाकाम कर दिए गए।

भारत ने हमला नहीं, जवाबी कार्रवाई की है

(उमेश चतुर्वेदी)

भारत ने काफी सावधानी से इन स्थलों को चुना और मिसाइल एवं ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। भारत की कोशिश यह रही कि उसकी कार्रवाई की जद में सामान्य नागरिक ना आएं। लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना।

चाहे दुश्मन की हों, या अपनी, सेनाएं हमेशा चौकस रहती हैं। ऐसे में छह और सात मई की दरमियानी रात भारतीय सेनाएं जिस तरह पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर की नौ जगहों पर सफल निशाना साधने में कामयाब रहीं, उससे पाकिस्तान की सेना, उसकी चौकसी और चीन से खरीदे उसके चौकसी वाले तंत्र पर सवाल उठता है। भारत ने यह कार्रवाई पहलगाम में 22 अप्रैल को बहे बेगुनाह खूनों के जवाब में किया। भारत के खबरिया टीवी चैनल अक्सर ही जल्दबाजी में रहते हैं। उनके यहां सोच-विचार की प्रक्रिया की गुंजाइश कम है। शायद यही वजह है कि भारतीय कार्रवाई को उन्होंने पाकिस्तान पर हमला बताने में देर नहीं लगाई। लेकिन यह ध्यान रखने की बात है कि हमला एक तरह से युद्ध की शुरुआत होता। इस लिहाज से देखें तो भारत ने जवाबी कार्रवाई की है, हमला नहीं। क्योंकि भारत ने अपनी तरफ से शुरूआत नहीं की है।

इसमें दो राय नहीं कि पहलगाम में बहाए गए बेगुनाह खूनों के चलते देश में गुस्से की लहर थी। पहलगाम में आतंकियों ने जिन 26 बेगुनाह लोगों का खून बहाया, उनमें एक नेपाली नागरिक भी था। हैरत की बात यह है कि इन बेगुनाहों खून बहाते वक्त आतंकियों ने बाकायदा उनसे नाम पूछा, उन्हें कुरान की आयत और कलमा पढ़ने को बोला। यहां तक कि उनके वस्त्र उतारकर उनके अंदरूनी अंगों को देखा और हिंदू होने की तसल्ली होते ही बिना वजह गोलियों सो उड़ा दिया। उसमें दो ऐसी महिलाएं विधवा हुईं, जिनके माथे पर कुछ ही दिनों पहले सिंदूर का तेज शामिल हुआ था। आतंकियों ने धर्म के नाम पर इन महिलाओं का सुहाग उजाड़कर सिर्फ इन महिलाओं और उनके परिवारों को सूना ही नहीं किया, बल्कि भारतीय सहनशक्ति को चुनौती दे दी। भारत में गुस्से की लहर उड़ना स्वाभाविक था। बिहार के मधुबनी में एक सभा में प्रधानमंत्री मोदी का कहना कि सुहाग उजाड़ने वाले आतंकियों का पीछा करके उन्हें खोजकर मिट्टी में मिला दिया जाएगा, उस गुस्से की ही अभिव्यक्ति थी। उसी अभिव्यक्ति को भारतीय सेनाओं ने बीती छह और सात मई की आधी रात को एक बजकर पांच मिनट से डेढ़ बजे के बीच जमीनी हकीकत बना दिया। इस हमले में पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित मौलाना मसूद अजहर का केंद्र भी रहा, जिसने थोक के भाव से आतंकियों को पैदा किया और भारत निर्यात किया है। जिसमें 26 नवंबर 2008 को मुंबई को खून से लाल कर देने वाले अजमल कसाब और उसका षडयंत्र रचने वाले रिचर्ड हेडली भी शामिल थे।

भारत ने काफी सावधानी से इन स्थलों को चुना और मिसाइल एवं ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। भारत की कोशिश यह रही कि उसकी कार्रवाई की जद में सामान्य नागरिक ना आएं। लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना। दिलचस्प यह है कि उसने आतंकी ठिकानों को नागरिक ठिकाने बताना शुरू किया। इसके साथ ही उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह भी बताना तेज कर दिया कि भारत ने मासूमों को निशाना बनाया है। फिर उसने आतंकवादी कार्रवाई पर साझा जांच का प्रस्ताव रखा।

लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे स्वीकार नहीं किया है।

पाकिस्तान एक तरफ जहां खुद को प्रताड़ित बता रहा है, वहीं वह सात-आठ मई की रात से लगातार भारतीय क्षेत्रों में हमला कर रहा है। दुखद बात यह है कि वह खुद भारतीय क्षेत्र में नागरिक ठिकानों और घरों को निशाना बना रहा है। कश्मीर सीमा पर पुंछ में उसने एक गुरूद्वारे पर हमला किया, जिसमें रागी समेत चार लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान लगातार भारत के सैनिक ठिकानो पर हमला कर रहा है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वह तकरीबन पूरी पश्चिमी सीमा पर मिसाइल, मोर्टार, ड्रोन और हवाई हमले कर चुका है। उसने चंडीगढ़, जैसलमेर, बाड़मेर, उरी, अखनूर, पहलगाम, जम्मू, लेह, सर क्रीक, भुज समेत तमाम सैनिक ठिकानों पर निशाना साधने की कोशिश कर चुका है। यह बात और है कि भारत की जवाबी कार्रवाई में उसके तकरीबन सभी प्रयास नाकाम कर दिए गए। दिलचस्प यह है कि पाकिस्तान के इन हमलों को निष्फल करने वाली आकाश मिसाइल को भारत की अपनी स्वदेशी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने बनाया है। भारत ने उनके तीन सैनिक ठिकाने जहां तबाह किए हैं, वहीं उसको लगातार जवाब दिया जा रहा है।

भारत को अपने षडयंत्र का निशाना बनाने वाले भारतीय मूल के आसिफ मुनीर लगातार हालात को बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। सुनने में भले ही अजूबा लगे, भारत के खिलाफ आतंकी युद्ध के पीछे भारत से पाकिस्तान गए लोगों का ही हाथ रहा...ठीक 26 साल पहले पाकिस्तान ने सियाचिन इलाके में घुसपैठ के जरिए हम पर करगिल का युद्ध थोप दिया था.. उस युद्ध के पीछे जनरल परवेज मुशर्रफ का हाथ था..पाकिस्तान जाने से पहले परवेज का परिवार दिल्ली के चांदनी चौक में रहता था..पहलगाम की नृशंस आतंकी कार्रवाई का षडयंत्र किस्तान के जनरल आसिफ मुनीर ने रचा। यहां जानना जरूरी है कि आसिफ का परिवार भी भारत से पाकिस्तान गया था..बंटवारे से पहले आसिफ का परिवार जालंधर में रहता था..

भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान लगातार मुंह की खा रहा है। इसके बावजूद वह दुष्प्रचार के जरिए अपनी डींगे हांक रहा है। पाकिस्तान अपने लोगों को लगातार बता रहा है कि उसकी सेनाओं ने भारत की सेना या वायुसेना को इतना नुकसान पहुंचाया। जबकि उसके ये दावे कोरे झूठ हैं। इस लिहाज से देखें तो भारत दो मोर्चों पर जूझ रहा है..पहला मोर्चा जहां सैनिक है, वहीं दूसरा मोर्चा सूचनाओं का है..अरब क्रांति के दौरान देवता के रूप में उभरा सोशल मीडिया अब देवता और दैत्य-दोनों ही भूमिकाओं में है..पाकिस्तान इन दिनों सोशल मीडिया की दैत्य वाली भूमिका का खूब उपयोग करते हुए भारत के बारे में लगातार गलत सूचनाएं दे रहा है..अपनी सेनाओं की झूठी कामयाबियों को इसी के जरिए वह फैला रहा है। भारत पर आरोप लगा रहा है कि भारतीय सेनाएं रिहायशी इलाकों और धार्मिक स्थानों पर हमला कर रही हैं.लेकिन यह गलत है और भारत का सार्वजनिक सूचना तंत्र और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय लगातार इन भ्रामक सूचनाओं को तथ्यों के साथ खारिज कर रहे हैं और पाकिस्तान के झूठ को बेपर्दा कर रहे हैं। वैसे यह दुनिया का जाना-पहचाना तथ्य है कि सीधी लड़ाई में नाकाम रहने वाले ही फर्जी खबरों का सहारा लेते हैं। सीधा युद्ध जो नहीं कर सकता, वही शेखी भी बघारता है। पाकिस्तान के दुष्प्रचार को इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए।

सच्चाई तो यह है कि भारत ने ज्यादातर पाकिस्तानी आतंकी उत्पाद केंद्रों और रक्षा केंद्रों को निशाना बनाया है। एक तरह से देखें तो भारत इस बार आतंक की फैक्ट्रियों के खात्मे को लेकर दृढ़ संकल्प नजर आ रहा है। दूसरी तरफ पाकिस्तान ड्रोन और मिसाइलों से हमला कर रहा है और फिर उससे इनकार भी कर रहा है। इससे उसका डर भी जाहिर हो रहा है। भारत में यह मानने वालों की संख्या कम नहीं है कि पाकिस्तान का यह डर और बढ़ाया जाना चाहिए। पता नहीं यही वजह है या नहीं, लेकिन भारत की जवाबी कार्रवाई एक तरह से उसके डर को ही बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

जिन देशों की आर्थिक स्थिति खराब होती है, वे युद्ध जैसी विभीषिका से बचने की कोशिश करते हैं। लेकिन पाकिस्तान की स्थिति दूसरी है। दरअसल वहां सरकार दुनिया को दिखाने का एक चेहरा भर है। शाहबाज शरीफ भले ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री हों, लेकिन असल ताकत वहां सेना प्रमुख आसिफ मुनीर के हाथ है। पाकिस्तान में कह सकते हैं कि सरकार में सेना घुसी हुई है। इसे दुनिया भी स्वीकार कर रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो का आसिफ मुनीर को फोन करना और युद्ध रोकने की बात करना सरकार में सेना के घुसी होने का ही सबूत है। पाकिस्तान की सेना एक तरह से सेना प्रमुख की लिमिटेड कंपनी होती है। सेना का रोजगार युद्ध और आतंक की सप्लाई से चलता है, इसीलिए पाकिस्तान की तरफ से आसिफ मुनीर इस युद्ध को जारी रखे हुए है। लेकिन उन्हें याद रखना होगा कि जिस तरह 1948, 1965, 1971 और 1999 में भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाया, 1971 में बांग्लादेश को अलग कराया, अगर वह नहीं सुधरा तो इस बार भारत बड़ा सबक सिखाएगा। कुछ पश्चिमी राजनीतिक जानकार तो कहने भी लगे हैं कि पाकिस्तान दरअसल प्रसव पीड़ा से गुजर रहा है और हो सकता है कि इस बार उसकी कोख से बलूचिस्तान का जन्म हो जाए। इसलिए पाकिस्तान को चेतना होगा। अगर वह नहीं चेतेगा तो भारतीय सेनाएं इस बार उसे ऐसा सबक सिखाएंगी कि वह लंबे समय तो उसे भूल नहीं पाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिली 1.4 अरब डालर की रकम हिचकोले खाती उसकी अर्थव्यवस्था को हल्का सा सहारा ही दे सकती है,लंबे समय तक उसे ढो नहीं सकती।लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं... (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है मां

(रमेश सर्राफ धमोरा)

दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथो में जननी की महिमा का बखान मिलता है।मां एक ऐसा शब्द है जिसमें पूरा ब्रम्हांड समा जाए। जब हम मां बोलने के लिए मुंह खोलते हैं तो शब्द के उच्चारण के साथ ही पूरा मुंह भर जाता है। मां ममता की मूरत होती है। पूरी दुनिया के सभी धर्मों नेमां के रिश्ते को सबसे पवित्र माना गया है। अपने बच्चों के प्रति मां का प्यार, दुलार, समर्पण और त्याग अनमोल होता है। मां को सम्मान देने के लिए पूरी दुनिया में मई माह के दूसरे रविवार को मातृत्व दिवस (मदर डे) के रूप में मनाया जाता है। इस साल 11 मई को मातृ दिवस मनाया गया। एना जार्विस नामक अमेरिकन महिला ने अपनी समाजसेविका मां की स्मृति में 1908 में पहली बार मदर्स डे मनाया था। जिन्होंने महिलाओं के लिए काफी कार्य किए थे।

मां को संस्कृत में मातरः कहते है। मां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है जिसके माध्यम से परमेश्वर अपने अंश द्वारा अपनी शक्ति का संचार और विस्तार करता है। पुराणों के अनुसार मां का अर्थ लक्ष्मी है। जिस प्रकार मां लक्ष्मी सृष्टि का पालन करती है उसी प्रकार मां भी शिशु का पालन करती है। इस प्रकार मां को लक्ष्मी का स्वरूप माना गया। एक मत यह है कि इस सृष्टि का आरंभ मनु और शतरूपा नामक स्त्री-पुरुष के समागम से हुआ। मनु के नाम पर ही उनकी संतान को मनुज या मानव कहा गया। मनु की संतान को जिसने जन्म दिया उसे मां कहा गया। और इस प्रकार मां शब्द की उत्पत्ति हुई।

दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथो में जननी की महिमा का बखान मिलता है। मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है। उसके जितना त्याग और प्यार कोई नहीं कर सकता है। मां विश्व की जननी है उसके बिना संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। मां ही हमारी जन्मदाता होती है और वही हमारी सबसे पहली गुरु होती है। इसीलिए हम धरती को भी धरती माता कहते हैं। जो अपने उपर हम सब का वजन उठाती है।

अंतरराष्ट्रीय मातृत्व दिवस माताओं एवं मातृत्व का सम्मान करने वाला दिन होता है। एक मां सभी की जगह ले सकती है। लेकिन उनकी जगह कोई और नहीं ले सकता है। मां अपने बच्चों की हर प्रकार से रक्षा और उनकी देखभाल करती है। इसलिए मां को ईश्वर का दूसरा रूप कहा जाता है। मां वह शख्स होती है जो नो माह तक अपने बच्चे को कोख में रखकर जन्म देती है। उसके बाद उसका लालन-पालन करती है। कुछ भी हो जाए लेकिन एक मां का अपने बच्चों के प्रति स्नेह कभी कम नहीं होता है। वह खुद से भी ज्यादा अपने बच्चों के सुख सुविधाओं को लेकर चिंतित रहती है। मां अपनी संतान की रक्षा के लिए बड़ी से बड़ी विपत्तियों का सामना करने का साहस रखती है।

देखा जाए तो मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में परमेश्वर की मां को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। 16वीं सदी में इंग्लैंड का ईसाई समुदाय ईशु की मां मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए इस दिवस को त्योहार के रूप में मनाये जाने की शुरुवात हुई। 'मदर्स डे' मनाने का मूल कारण समस्त माताओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है।

दुनिया में मां की तुलना भगवान से की जाती है। भारत में गंगा नदी को पवित्र मान कर मां का दर्जा दिया जाता है जो इस बात का संकेत है कि मां अपने आप में एक उपाधि है। कई धार्मिक ग्रंथो में जननी की महिमा का बखान मिलता है। मां होने का अर्थ है उत्तरदायित्व और निस्वार्थता से पूरी तरह से अभिभूत होना। मातृत्व का मतलब है रातों की नींद हराम करना। मां भगवान की सबसे श्रेष्ठ रचना है।

मातृत्व दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्टपति वूडरो विलसन ने आठ मई 1914 को लिया था। राष्टपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और मां के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की थी। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तिकरण होना चाहिए। जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तत्पश्चात हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है। वर्तमान में ये भारत के साथ यूके, चीन, यूएस, मेक्सिको, डेनमार्क, इटली, फिनलैण्ड, तुर्की, ऑस्ट्रेलिया, कैनेडा, जापान, बेल्जियम सहित कई देशों में मनाया जाता है। हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

हमारे देश में गाय को भी गौमाता कह कर पुकारते हैं जो हमें अपने अपना दूध पिला कर बड़ा करती है। मां हमारे जीवन की सबसे प्रमुख हस्ती होती है जो बिना कुछ पाने की उम्मीद किए सिर्फ देती ही रहती है। मां का प्यार निस्वार्थ होता है जो हम अपने पूरे जीवन में किसी और से प्राप्त नहीं कर सकते हैं। मां बच्चे की पहली गुरु होती है।

भारतीय संस्कृति तथा कुछ ग्रंथों के अनुसार मां शब्द की उत्पत्ति गोवंश से हुई। गाय का बछड़ा जब जन्म लेता है तो उसके सर्वप्रथम रंभानें में जो स्वर निकालता है वह मां होता है। यानी कि बछड़ा अपनी जन्मदात्री को मां के नाम से पुकारता है।

ब्लेक आउट में 'भारत' की अवधारणा की चमक

(रमेश जोशी)

परसों 6 मई को सरकारी स्तर पर घोषणा की गई कि 7 मई को देश के अनेक जिलों में 'मॉक ड्रिल' की जाएगी। युद्ध के समय जान माल की क्षति को कम से कम करने के लिए की जाने वाली एहतियाती कार्यवाही के अभ्यास को 'मॉक ड्रिल' कहते हैं। 6 मई की अर्द्ध रात्रि को भारत ने यथासमय पहलगांव की आतंकवादी घटना का माकूल जवाब पाकिस्तान में स्थित आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त करके दे दिया।

7 मई को भारत की इस आवश्यक कार्यवाही के समाचार के साथ ही 'मॉक ड्रिल' का दिन भी। दिन भर इंतजार किया कि कब साइरन बजे और लाइटें बुझाएं लेकिन हमारे इलाके में ऐसा कुछ नहीं हुआ लेकिन सुबह समाचार पढ़ा कि कुछ स्थानों पर ऐसा कुछ अभ्यास हुआ। साथ में उसके फ़ोटो भी थे। याद आ गया भारत पाकिस्तान का 1971 वाला दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में हुआ निर्णायक युद्ध जिसने पाकिस्तान को विकलांग कर दिया। देश की सीमाओं को पूर्व की ओर से सदैव के लिए सुरक्षित कर दिया।विश्व के इतिहास में एक विरल, सुनियोजित और सधा हुआ निर्णायक युद्ध। विश्व-इतिहास में भारत और इंदिरा गांधी को स्थापित कर देने वाला युद्ध। इससे पहले भी स्वाधीन भारत ने तीन और युद्ध लड़े थे देश की पूर्वी-पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर।

7 मई को भारत की इस आवश्यक कार्यवाही के समाचार के साथ ही 'मॉक ड्रिल' का दिन भी। दिन भर इंतजार किया कि कब साइरन बजे और लाइटें बुझाएं लेकिन हमारे इलाके में ऐसा कुछ नहीं हुआ लेकिन सुबह समाचार पढ़ा कि कुछ स्थानों पर ऐसा कुछ अभ्यास हुआ। साथ में उसके फ़ोटो भी थे। याद आ गया भारत पाकिस्तान का 1971 वाला दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में हुआ निर्णायक युद्ध जिसने पाकिस्तान को विकलांग कर दिया। देश की सीमाओं को पूर्व की ओर से सदैव के लिए सुरक्षित कर दिया।विश्व के इतिहास में एक विरल, सुनियोजित और सधा हुआ निर्णायक युद्ध। विश्व-इतिहास में भारत और इंदिरा गांधी को स्थापित कर देने वाला युद्ध। इससे पहले भी स्वाधीन भारत ने तीन और युद्ध लड़े थे देश की पूर्वी-पश्चिमी और उत्तरी सीमा पर। 1947-48 में विभाजन के समय की अत्यंत संवेदनशील और संकटपूर्ण परिस्थितियों में उत्तर पश्चिम सीमा पर कश्मीर में। इस युद्ध में बहुत समझदारी से उन परिस्थितियों में जो कुछ सर्वश्रेष्ठ हो सकता था किया गया और उसमें आंशिक सफलता भी मिली। मुझे विभाजन और गांधी जी की हत्या की तो याद है लेकिन इस युद्ध की नहीं। इसके बाद 1962 में उत्तर पूर्व में नेफ़ा में चीन के साथ युद्ध हुआ। यह भी आरोपित और विश्वासघातपूर्ण था। देश इसके लिए तैयार नहीं था और न ही बहुत सक्षम। उस समय मेरी पहली-पहली व्यवस्थित नौकरी लगी थी जयपुर उद्योग लिमिटेड सवाईमाधोपुर की सीमेंट फेक्ट्री के स्कूल में। सारे देश में बहुत आक्रोश था अंदर से। आजकल के मीडिया के युग जैसा अवास्तविक, दिखावटी और केलकुलेटेड नहीं। हमारे स्कूल में कलेक्टर महोदय आए थे भारत रक्षा कोष में चन्दा देने की अपील करने। सबने अपनी अपनी हैसियत के अनुसार दिया। मैंने भी जोश में आकर अपनी शादी की अंगूठी दे दी। उन दिनों आजकल की तरह न तो रिंग सेरेमनी हुआ करती थी और न ही कोई विशेष अंगूठी। वह मेरे ससुर ने सगाई में दी थी और उस पर मीनाकारी से लिखा से मेरा 'फर्स्ट नेम' लिखा हुआ था। बाल सुलभ जोश में कई कविताएं भी लिखी गईं जो अब कहीं संग्रह में नहीं हैं। पल-पल के समाचार सुनने का जुनून था लेकिन कोई रेडियो नहीं था। शाम को फेक्ट्री के क्लब में समाचार सुनने के लिए भीड़ लगा जाती थी। उस समय तनख्वाह थी 110 रुपए और फिलिप्स के तीन बैंड के रेडियो की कीमत थी 285/-रु। 25/- महिने की 12 किश्तों में रेडियो खरीदा। एक ही झटके में तनख्वाह एक चौथाई कम हो गई। रोज शाम को तार खींचकर रेडियो घर के सामने लगा दिया जाता। आसपास के 40-50 लोग इकट्ठे हो जाते। बीबीसी, ऑल इंडिया रेडियो सब सुने जाते। कुछ विवादास्पद क्षेत्र पर चीन ने कब्जा जमा लिया और अक्टूबर-नवंबर 1962 में कोई एक महिने में यह युद्ध समाप्त हुआ। चूंकि देश को सैन्य क्षमता बढ़ानी थी और विदेशी मुद्रा का कोई समुचित भंडार नहीं, उधर अमेरिका पाकिस्तान को हथियारों और कूटनीति की मदद दे रहा। ऐसे में सोना ही एकमात्र विकल्प। स्वर्णनियंत्रण कानून लागू हुआ। हमारे गांव की एक सेठानी मुंबई से कोई 40-50 किलो सोना ला रही थी। पूछा तो बताया रक्षाकोष में देने जा रही हूं। अंततः उसने वह सोना हमारे यहां पधारे तत्कालीन रक्षा मंत्री चव्हाण को सौंपा। युद्ध काल में रक्षा मंत्री रहे कृष्णा मेनन से उनके अपर्याप्त रक्षा प्रबंधन के कारण विपक्ष के दबाव में इस्तीफा ले लिया गया था। इसके बाद भारत ने अपनी सैन्य क्षमता बढ़ाई जिसका पता 1965 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में चला। यह युद्ध अगस्त से सितंबर 1965 तक कोई डेढ़ महिने तक चला। इसमें पाकिस्तान ने कश्मीर पर कब्जा करने के उद्देश्य से शहरियों के वेश में अपने कोई 25-30 हजार सैनिक घुसा दिए। दोनों तरफ नुकसान हुआ लेकिन गाजीपुर के हवलदार अब्दुल हमीद ने बख्तरबंद जीप में बैठकरअमेरिका द्वारा पाकिस्तान को दिए गए अजेय माने जाने वाले पैटन टैंकों के मर्म स्थल पर अचूक वार करते हुए 8 पैटन टैंकों को नष्ट करके भारत के अब्दुल ने पाकिस्तान की चूड़ी टाइट कर दी और मोर्चा भारत के हाथ रहा।इसके बाद रूस में पाकिस्तानी राष्टपति अयूब और भारत के प्रधानमंत्री शास्त्री जी के बीच ताशकंद समझौता हुआ। उसी रात शास्त्री जी का दुखद निधन हुआ। इसके बाद युद्ध नहीं लेकिन कारगिल डोकलाम जैसी घातक झड़पें हुई लेकिन जिस प्रकार 7 मई को ब्लेक आउट जैसी मॉक ड्रिल की बात आई वह 1971 में पाकिस्तान के साथ हुए ब्लेक आउट आदि के बाद पहली बार है। तब मैं बिरलागर विद्यालय, पोरबंदर में गया गया ही था। समुद्र के किनारे स्कूल बना है। जैसे राजस्थान का जोधपुर पाकिस्तान की जद में आता है वैसे ही कराची से जामनगर, पोरबंदर का समुद्री किनारा भी पाकिस्तानी हमले की जद में है। नया नया मामला था, बहुत उत्साह था आधी आधी रात तक लोगों से खिड़कियों पर परदे लगवाते, लाइट बंद करवाते घूमते थे। दो बार तो पाकिस्तानी हवाई जहाज कॉलोनी के पास समुद्र में बम गिरा कर चले गए। कोई जन धन हानि नहीं हुई।मेरा एक चचेरा भाई उन्हीं दिनों वायुसेना में नियुक्त हुआ था। युद्ध हाथों में घातक हथियार लेकर ही नहीं लड़ा जाता बल्कि कूटनीति से भी लड़ा जाता है। चाणक्य शत्रु देश में अराजकता फैलाने के लिए तरह तरह के प्रपंचों का उल्लेख करते हैं। पाकिस्तान के साथ युद्ध में हमारे यहां की समावेशी विविधता का दुरुपयोग करके देश में अशान्ति फैलाने का प्रयास एक सामान्य हथकंडा है। इस बार पहलगांव वाली इस आतंकवादी वारदात में धार्मिक एजेंडे वाली कूटनीतिक चाल का बहुत खुला और घटिया उपयोग किया गया। धर्म पूछकर पुरुषों को मारा गया और महिलाओं को इस नेरेटिव का प्रचार करने के लिए छोड़ दिया गया। इसका तत्काल प्रभाव हुआ और अपरिपक्व छिछले लोगों द्वारा इसका दुष्प्रचार भी किया गया। यदि ऐसा बड़े पैमाने पर हो जाता तो यह एक प्रकार से पाकिस्तानी एजेंडे की ही सिद्धि होती लेकिन भारत की समझदार जनता ने, जिसके अधिसंख्य भाग के विचारों में 'भारत' की अवधारणा, भारत का विचार एक स्पष्ट आकार ले चुका है, इसे नाकाम कर दिया। इसमें सबसे अधिक प्रभावोत्पादक भूमिका रही विनय नरवाल की नवविवाहिता पत्नी हिमांशी नरवाल की जिसने बहुत स्पष्ट तरीके से कहा कि अपराधियों को दंड मिलना चाहिए लेकिन इसकी आड़ में कश्मीरियों और मुसलमानों को निशाना बनाकर पाकिस्तान के मंसूबों को पूरा नहीं होने देना चाहिए। कुछ दुष्टों/मूर्खों ने इस एजेंडे को चलाने और हिमांशी को ट्रोल करने का कुकर्म किया लेकिन 'भारत' की परिपक्व सोच ने इसे नाकाम कर दिया। आतंकवादियों के हमले में पर्यटकों की जान बचाने में खुद अपनी जान न्यौछावर कर देने वाले 30 वर्षीय सैयद आदिल हुसैन शाह के सर्वोच्च बलिदान और एक बच्चे की जान बचाने के लिए उसे पीठ पर बैठकर भाग रहे सज्जाद अहमद भट्ट ने धर्म की आड़ में फैल रहे कट्टरवाद को अंगूठा दिखाते हुए 'भारत' की अवधारणा को और पुष्ट किया है। भारतीय सेना ने जिस प्रकार संतुलित, गंभीर और विवेकपूर्ण तरीके से 'ऑपरेशन सिंदूर' किया और उसकी ब्रीफिंग की वह भी भारतीय लोकतंत्र और 'भारत' की अवधारणा की परिपक्वता का प्रमाण है।'भारत' की अवधारणा नाम की यह रोशनी हमारा मार्गदर्शन करती रहे। ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

संक्षिप्त समाचार

बॉर्डर से 2.650 ग्राम गांजा के साथ एक गिरफ्तार

मैनाटांड/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारत नेपाल बॉर्डर पर अवस्थित 44 वीं बटालियन के नगरदेही एसएसबी ने शनिवार की रात प्रतापपुर भंगहा से गांजा के साथ एक कारोबारी को धर दबोचा है। बीओपी में तैनात एएसआई तीलक राज ने बताया कि सुचना के आधार पर की गई कार्रवाई में 2.650 ग्राम गांजा बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि कारोबारी शिकारपुर थाना के केहुनिया गांव के नीतीश कुमार पटेल बताया जाता है। जिसे भंगहा पुलिस को सौंपा दिया गया है। वहीं भंगहा थानाध्यक्ष दीपक प्रसाद ने बताया कि एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है।

जिलाधिकारी ने किया प्रारंभिक परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

छपरा (सारण) नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिलाधिकारी अमन समीर ने रविवार को बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना द्वारा विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यालय परिचारी पद हेतु आयोजित प्रारंभिक परीक्षा के अवसर पर छपरा नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने छपरा सेंट्रल स्कूल, गंगा सिंह कॉलेज सहित कई केंद्रों पर पहुंचकर विधि व्यवस्था, परीक्षा संचालन की स्वच्छता एवं पारदर्शिता का जायजा लिया। उन्होंने केंद्राधीक्षकों से परीक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली और किसी प्रकार की गड़बड़ी न हो, इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि परीक्षा के दौरान केंद्र परिसर में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या अनुचित गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। परीक्षा कक्षों में सभी परीक्षार्थियों की उचित जांच और निष्पक्ष माहौल में परीक्षा संपन्न कराई जाए।

जान मारने की नीयत से मारपीट,मामला दर्ज

सिसवन /सीवान/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। थाना क्षेत्र के घूरघाट निवासी धर्मेंद्र यादव ने सिसवन थाना में एक मामला दर्ज कराया है, जिसमें उन्होंने अपने ही गांव के आधा दर्जन से अधिक लोगों पर जान मारने की नीयत से मारपीट करने का आरोप लगाया है।मामले में पीड़ित ने पुलिस को दिए आवेदन में हृदयानंद यादव के पुत्र ओमप्रकाश यादव, मनोज यादव, सुनील यादव, मनदेव यादव के पुत्र विद्यानंद यादव, हृदयानंद यादव, विद्यानंद यादव के पुत्र भोला यादव और दो महिलाओं को आरोपी बनाया है। आरोपियों पर रॉड और ईंट से मारकर सिर फोड़ने और चोरी की नियत से गहने छीनने का आरोप लगाया गया है।पुलिस ने बीएनएस की धारा 109 सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विकास की नई कथा लिखेंगे प्रशांत किशोरः राजनंदन प्रसाद

छपरा (सारण) नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार में परिवर्तन की जरूरत को रेखांकित करते हुए भावी विधानसभा प्रत्याशी राजनंदन प्रसाद उर्फ पुलिस राय ने कहा कि देश बदल रहा है लेकिन बिहार अब भी पिछड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यहां रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य की हालत चिंताजनक है और इसका जिम्मेदार वर्षों से सत्ता में बैठे वे ही लोग हैं जो सिर्फ वादे करते रहे हैं। पुलिस राय ने कहा कि बिहार में न रोजगार है, न उच्च शिक्षा की व्यवस्था और न ही इलाज के लिए बेहतर अस्पताल। उन्होंने प्रशांत किशोर को बिहार के लिए एक मजबूत और ईमानदार विकल्प बताते हुए जनता से उन्हें समर्थन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि 50 वर्षों में विभिन्न दलों ने बिहार की बागडोर संभाली लेकिन परिणाम सिफर रहा। इस बार जनता को समझदारी दिखानी होगी और जो प्रतिनिधि क्षेत्र में काम न करें, उन्हें बदलना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि बदलाव के लिए प्रशांत किशोर जैसे नेतृत्व की जरूरत है, तभी बिहार में विकास की नई रेखा खिंच सकेगी। इस मौके पर प्रशांत किशोर के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे और जनता से अपील की कि वे इस बार सोच-समझकर वोट दें और भविष्य को सुरक्षित करें।

4636 ने दी बीएड, एमएड और बीपी एड की प्रवेश परीक्षा

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बीएड, एमएड और बीपी एड प्रवेश परीक्षा 2025 में 4636 अभ्यर्थी शामिल हुए। जमशेदपुर में रविवार को एक ही पाली में आयोजित इस परीक्षा के लिए सात परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जिनमें ग्रेजुएट कॉलेज, दयानंद पब्लिक स्कूल, करीम सिटी कॉलेज व सेंट्रल करीमिया हाई स्कूल साकची, एलबीएसएम कॉलेज करनडीह, जेकेएस कॉलेज और गुरुनानक हाई मानगो शामिल हैं। परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण रही। परीक्षा में कुल 5521 अभ्यर्थियों को शामिल होना था, हालांकि 885 अनुपस्थित रहे। सभी केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। परीक्षा में लड़कियों की संख्या अच्छी खासी थी।

डम्पर की चपेट में आकर दो की मौत

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मानगो पुल के निकट गोलचक्कर के पास हुई सड़क दुर्घटना में दो की मौत हो गयी। इनका नाम सूबेदार प्रसाद (50) और सोनारी ग्वाला बस्ती निवासी रोहित सोरेन (40) के रूप में हुई है। दोनो बाइक से सोनारी लौट रहे थे कि तेज रफ्तार से आ रहे डम्पर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर ही दोनों ने दमतोड़ दिया। दोनों डिमना में लोडिंग अनलोडिंग का काम करते हैं और काम कर अपने घर की तरफ लौट रहे थे।

डीडी न्यूज के एंकर के खिलाफ एफआईआर

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आनन्द बिहारी दुबे ने दूरदर्शन न्यूज के एंकर अशोक श्रीवास्तव के खिलाफ साकची थाने में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए रविवार को आवेदन दिया। उनका आरोप है कि 8 मई को राष्ट्रीय टेलीविजन पर श्रीवास्तव ने दोटूक कार्यक्रम में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे को देश के गद्दार के रूप में दिखाया। बताया कि वे पाकिस्तान समर्थक हैं। यह जानबूझकर प्रसारित की गई एक झूठी, भ्रामक और दुर्भाग्यपूर्ण रिपोर्टिंग है। उनके अनुसार यह न केवल तथ्यहीन है, बल्कि राष्ट्रहित, सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मयार्दाओं के भी प्रतिकूल है।दुबे ने आरोप लगाया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्पष्ट रूप से कांग्रेस की छवि को धूमिल करना, जनता में भ्रम फैलाना और देश को एक कठिन समय में बांटना था। इस प्रकार की रिपोर्टिंग प्रेस की स्वतंत्रता का दुरुपयोग है और इसे किसी भी दृष्टिकोण से स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति ने पहले ही यह स्पष्ट कर दिया है कि वह भारतीय सेना और सरकार के साथ खड़ी है और पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करती है। वे यह भी मांग करते है कि इस झूठी और भड़काऊ रिपोर्टिंग के पीछे छिपे समस्त तत्वों की निष्पक्ष जांच हो, ताकि सच्चाई देश के सामने आ सके।

बच्चों के सूफी संगीत और लाइव बैंड की प्रस्तुति ने जीता दर्शकों का दिल

महान संगीतकार आर डी बर्मन को समर्पित रहा 9वीं मेगा म्यूजिक एंड डांस फेस्टिवले

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक द्वारा आयोजित दो दिवसीय तानसेन 9वीं मेगा म्यूजिक एंड डांस फेस्टिवल - 2025 का समापन रविवार को स्थानीय मौलाना मजहरुल हक ऑडिटोरियम में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक के सीईओ कैप्टन आशुतोष कुमार व एमडी वंदना कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान के बच्चों द्वारा लाइव बैंड से की गई जिसे देख दर्शकों की तालियां बजती रही। इसके बाद बच्चों ने एक से बढ़कर एक भजन की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। वहीं सूफी संगीत और डांस की प्रस्तुति ने भी दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। आगत अतिथियों ने तानसेन स्कूल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की सराहना की और बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। तानसेन स्कूल ऑफ म्यूजिक के सीईओ कैप्टन आशुतोष कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संस्थान के बच्चों काफी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय फेस्ट में तानसेनाईट ऑफ द ईयर - 2024-25 दिपांश्य मिश्रा (पाटलिपुत्र ब्रांच), अन्वी जायसवाल (कंकरबाग ब्रांच), रुद्राक्ष (गोला रोड ब्रांच), रनर अप तानसेनाईट ऑफ द ईयर - 2024-25 साम्भवी सिंह (पाटलिपुत्र ब्रांच), अर्णव बर्नवाल (कंकरबाग ब्रांच), प्रज्ञा (गोला रोड ब्रांच) ने खिताब जीता है। जबकि हेरिटेज ऑफ तानसेन का खिताब अवनि (पाटलिपुत्र ब्रांच), आव्या (कंकरबाग ब्रांच) ने जीता। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में बेस्ट भरतनाट्यम ऑफ द ईयर, बेस्ट गिटारिस्ट ऑफ द ईयर, बेस्ट कत्थक डांसर ऑफ द ईयर, पर्सनालिटी ऑफ द ईयर, बेस्ट फाइन आर्ट्स, बेस्ट सिंगर, बेस्ट वेस्टर्न डांसर का भी अवार्ड बच्चों को दिया गया है। कार्यक्रम में 500 से अधिक बच्चों ने अपनी प्रस्तुति दी।

ठगने वाले नेताओं से परेशान अभय कुमार सिंह ने उठाए सवाल, प्रशांत किशोर को बताया बदलाव का विकल्प

छपरा (सारण)नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिहार की राजनीति में लंबे समय से जाति, धर्म और भावनात्मक मुद्दों के नाम पर वोट लेने की परंपरा पर कड़ा प्रहार करते हुए भावी विधायक प्रत्याशी अभय कुमार सिंह ने कहा कि आज तक इन मुद्दों पर वोट लेकर जनता को सिर्फ ठगा गया है। उन्होंने कहा कि बिहार और क्षेत्र दोनों ही विकास से कोसों दूर हैं और इसका जिम्मेदार वर्षों से सत्ता में रहे नेता हैं। अभय कुमार सिंह ने नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि बिहार के लोग अब सिर्फ दो ही चेहरे को क्यों झेलें? उन्होंने प्रशांत किशोर को नया विकल्प बताते हुए कहा कि अब बिहार को नई सोच और नई नीति की जरूरत है। उन्होंने लोगों से अपील की कि जाति और भावनात्मक मुद्दों से ऊपर उठकर इस बार ऐसे नेता को वोट दें जो उनके बच्चों का भविष्य संवार सके और बिहार में उद्योग तथा शिक्षा की नींव रख सके। उन्होंने कहा कि मैं वोट नहीं, आपके बच्चों का भविष्य मांगने आया हूं। उन्होंने जनता से अपील की कि चुनाव के समय मिलने वाले मुर्गा-पैसा से ऊपर उठकर इस बार सोच-समझकर वोट करें ताकि सचमुच विकास हो सके। मौके पर प्रशांत किशोर की पार्टी के वरिष्ठ नेता वाई वी गिरि, अरविंद सिंह, सुरेश सिंह, कुलदीप महासेठ, राम पुकार मेहता, नूतन शर्मा, अर्जुन मांझी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बकाया राशि मांगने पर दो पक्षों में हिंसक झड़प

दोनों पक्षों से आधा दर्जन हुए घायल

मझौलिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। थाना क्षेत्र के सरिसवा बाजार स्थित रविवार को ब्याज पर दिये पैसा मांगने पर जमकर कैंची,चाकू से हुई हमला में दोनों पक्षों से आधा दर्जन गम्भीर रुप से घायल हो गए।सभी घायलों का जीएमसीएच में इलाज चल रहा है।बताया जाता है कि शिक्षक मिथलेश बरनवाल गुड्डू बरनवाल को दो लाख रुपया ब्याज पर कर्ज दिया था। जिसमें से गुड्डू बरनवाल द्वारा एक लाख पचहत्तर हजार रुपये दे दिया गया था।बाकी पच्चीस हजार रुपये मांगने के लिए मिथलेश बरनवाल गुड्डू बरनवाल के पारचून के दुकान पर पहुंचे।जहां दोनों में पैसे की लेनदेन को लेकर कहासुनी हुई।विवाद इतना बढ़ गया कि मामला रणक्षेत्र में बदल गया।दोनों तरफ से कैंची छुड़ा चलने लगा।जिसे मामला खूनी संघर्ष में बदल गया।इस मारपीट में एक पक्ष के गुड्डू बरनवाल सहित पत्नी एवं पुत्र रिशव कुमार घायल हो गया।तो वही दूसरे पक्ष के शिक्षक मिथलेश बरनवाल सुभाष बरनवाल एवं रोहित बरनवाल बुरी तरह घायल हो गया।वही ग्रामीणों की पहल पर मामला शांत कराया गया।तथा घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया।जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज हेतु जीएमसीएच रेफर कर दिया।जहां सभी इलाजरत हैं।मामले में थानाध्यक्ष विश्वमोहन चौधरी ने बताया कि सूचना पर 112 की पुलिस टीम भेज गया।दोनों पक्षों के घायलों का जीएमसीएच इलाज चल रहा है।आवेदन मिलने पर अग्रतर कार्यवाही की जाएगी।

कार्यालय परिचारी प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा केन्द्रों का डीएम एसपी ने लिया जायजा

बेतिया/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना द्वारा आयोजित कार्यालय परिचारी प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा आज शहर के 12 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुआ। इस दौरान जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ0 शौर्य सुमन द्वारा परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान विपिन हाई स्कूल, आरएलएसवाई कॉलेज एवं एमजे कॉलेज बेतिया अवस्थित परीक्षा केंद्र सहित अन्य परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया गया तथा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, केन्द्राधीक्षक एवं वीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया। निरीक्षण के क्रम में जिलाधिकारी द्वारा परीक्षा कार्य में संलग्न सभी केन्द्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों, पुलिस बल के जवानों आदि को बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का अशरक्षः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर अपर समाहर्ता, विभागीय जाँच, कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी, अनिल कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी, विनोद कुमार, वरीय उप समाहर्ता, बेबी कुमारी, जिलाधिकारी के विशेष कार्य पदाधिकारी सुजीत कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी, मनीष कुमार सिंह सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

छपरा में पूरी पारदर्शिता के साथ हो रही है ईवीएम का प्रथम स्तरीय जांच : जिलाधिकारी

छपरा (सारण)नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आगामी विधानसभा आम चुनाव 2025 को लेकर छपरा में ईवीएम की प्रथम स्तरीय जांच (एफएलसी) का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ जारी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी अमन समीर ने रविवार को एफएलसी वेयरहाउस का निरीक्षण कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब तक 1220 बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट मशीनों की जांच पूरी कर ली गई है। जबकि 19 बीयू, 9 सीयू और 19 वीवीपैट मशीनें दोषपूर्ण पाई गई हैं। जिलाधिकारी श्री कुमार ने बताया कि जिले को ईसीआईएल, हैदराबाद निर्मित एम-3 मॉडल की 6210 बैलेट यूनिट, 4993 कंट्रोल यूनिट और 6134 वीवीपैट मशीनें मिली हैं। केवल एफएलसी ओके मशीनों का ही चुनाव में प्रयोग होगा। रिजेक्टेड मशीनें एफएलसी कार्य पूरा होते ही निमार्ता कंपनी को लौटाई जाएंगी। राजनीतिक दलों की उपस्थिति में एफएलसी की कार्रवाई की जा रही है। सभी दलों के अधिकृत प्रतिनिधियों को आई कार्ड जारी किए गए हैं। आयोग के निर्देशानुसार अब तक अनुपस्थित रहने वाले दलों को 13 स्मार पत्र भी जारी किए जा चुके हैं। प्रतिदिन की कार्रवाई की वीडियोग्राफी, सीसीटीवी निगरानी और वेबकास्टिंग के जरिये चुनाव आयोग तक सीधी मॉनिटरिंग की जा रही है। एफएलसी कार्य में 13 अभियंता नियुक्त हैं, जो मशीनों की बारीकी से जांच कर रहे हैं। प्रत्येक ईवीएम पर डमी वोटिंग कर विविपैट पर्चियों से मिलान किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद मशीनों का डेटा विशेष ऐप ईएमएस-0.2 पर अपलोड किया जा रहा है।

केबुल क्रिकेट ग्राउंड में क्रीड़ा भारती के समर कैंप का शुभारंभ

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। क्रीड़ा भारती का समर कैंप का शुभारंभ स्थानीय केबुल क्रिकेट ग्राउंड में रविवार को हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में आरएसएस के विभाग संघ चालक इंदर अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार संजय मिश्रा व बृज भूषण सिंह, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के वरुण कुमार, विकी बिंद्रा, सोनू बिंद्रा, सुनील जी, आशीष जी, अरुण ठाकुर, बिट्ठल अग्रवाल, प्रदीप जैन और डॉ. पूनम सहाय ने भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।इस समर कैंप में कुल 435 बच्चे 11 खेलों में भाग ले रहे हैं। बच्चों को खेल सीखने में 42 कोच अपना योगदान देंगे। संजय मिश्रा ने शिविर के कुछ सुंदर पक्षों पर प्रकाश डाला और कहा यहां अलग विद्यालय से, अलग बस्तियों से बच्चे भारतीय संस्कृति की जानकारी लेने और खेल सीखने के लिए मैदान में एकत्र हुए हैं। उन्होंने उपस्थित अभिभावक को भी धन्यवाद दिया कि वे बच्चों को इस कैंप में लाये।

ब्राह्मण समाज द्वारा सामाजिक नेतृत्व व सनातन धर्म रक्षा पर मंथन 18 को

छपरा (सारण) नवबिहार टाइम्स संवाददाता। युवा ब्राह्मण चेतना मंच के तत्वावधान में आगामी 18 मई को रामानंद मैरेज हॉल, साढ़ा छपरा में ब्राह्मण समाज द्वारा भव्य राजनीतिक चिंतन शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसकी जानकारी जिला मीडिया प्रभारी आचार्य राजू रंजन तिवारी ने दी। उन्होंने बताया कि शिविर में सारण के सभी विधानसभा क्षेत्रों से विप्र बंधु सम्मिलित होकर सामाजिक, राजनीतिक और वर्तमान गिरती व्यवस्था पर खुलकर मंथन करेंगे। राजू रंजन तिवारी ने कहा कि ब्राह्मण केवल जाति नहीं, बल्कि एक संस्कार, एक संस्कृति और सनातन धर्म का प्रतीक है। समाज की वर्तमान स्थिति को देखते हुए अब राजनीतिक और सामाजिक चेतना आवश्यक है। उन्होंने सभी विप्र बंधुओं से 18 मई को सुबह 11 बजे कार्यक्रम में पहुंचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शिविर में ब्राह्मण समाज की राजनीति में प्रभावी सहभागिता, सामाजिक नेतृत्व और सनातन धर्म की रक्षा हेतु ठोस रणनीति पर चर्चा होगी। इस अवसर पर मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष पाण्डेय, झारखंड प्रभारी संजय पाठक, महाराष्ट्र प्रभारी विमलेश तिवारी, गुजरात प्रभारी शशि प्रकाश मिश्रा, बंगाल प्रभारी अंजनी मिश्रा, बिहार प्रदेश प्रभारी श्यामसुंदर मिश्रा समेत कई प्रांतीय और जिलास्तरीय पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

कबीर मेमोरियल उर्दू उच्च विद्यालय जाकिरनगर में मनाया गया मातृ दिवस

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। कबीर मेमोरियल उर्दू उच्च विद्यालय जाकिरनगर, मानगो में मातृ दिवस उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने माताओं की भूमिका, त्याग और उनके मूल्यों को कलात्मक रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दूसरे चरण में विद्यार्थियों ने माताओं के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षकों पसारूल इस्लाम एवं शाइस्ता यास्मीन ने संयुक्त रूप से किया।इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव मतीनुल हक अंसारी एवं सलाहकार रिजवान अहमद ने माताओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक मां ही बच्चे की पहली शिक्षक होती है और उनका योगदान अविस्मरणीय होता है। विद्यालय प्रबंधन समिति की ओर से उन छात्र-छात्राओं की माताओं को विशेष उपहार देकर सम्मानित किया गया, जिनका शैक्षणिक रेकॉर्ड उत्कृष्ट रहा है।चित्रांकन प्रतियोगिता के छात्र वर्ग में मोहम्मद सुलेमान (कक्षा 10 ए) ने प्रथम, खुश नूद (कक्षा 9 ए) ने द्वितीय और मोहम्मद अदनान (कक्षा 10 सी) तृतीय पुरस्कार जीता। छात्रा वर्ग में आहिस्ता परवीन (कक्षा 10 बी) ने पहला, महजबीन परवीन (कक्षा 10 डी) ने दूसरा और जाहेरा खातून (कक्षा 8 बी) ने तीसरा पुरस्कार जीता। इन विजेताओं को विद्यालय की ओर से प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विवि में मदर्स डे मनाया गया

जमशेदपुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा मातृत्व की महानता को समर्पित मदर्स डे का भव्य आयोजन श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों एवं आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत पवित्र वातावरण में राजयोग ध्यान से हुई, जिसके पश्चात माताओं को समर्पित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। वक्ताओं ने मातृत्व की भूमिका, संस्कार निर्माण में मां के योगदान एवं आध्यात्मिक मूल्यों की शिक्षा में मां की महत्ता पर प्रकाश डाला।मुख्य वक्ता कदमा सेवाकेंद्र प्रभारी संजू दीदी ने कहा मां केवल जन्मदात्री ही नहीं, बल्कि वह प्रथम गुरु, मार्गदर्शक और ईश्वर के साक्षात स्वरूप की अनुभूति कराती है। इस आयोजन में विशेष रूप से उन माताओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने समाज और परिवार में सकारात्मक परिवर्तन लाने में योगदान दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य माताओं को उनके प्रेम, त्याग और सेवा के लिए सम्मानित करना था। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थितजनों द्वारा शांति संकल्प के साथ किया गया, जिसमें विश्व शांति और माताओं के सशक्तिकरण की प्रार्थना की गई।

8वें बिहार नी आर्थोस्कोपी कोर्स में जुटे देशभर के हड्डी रोग विशेषज्ञ

पारस एचएमआरआई और ओआरईएफ ने किया दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पारस एमएमआरआई और आर्थोपेडिक रिसर्च एंड एजुकेशन फाउंडेशन (ओआरईएफ) के संयुक्त प्रयास से जोड़ों एवं लिगामेंट के ट्रीटमेंट संबंधित विषय पर पटना के होटल लेमन ट्री में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस दो दिवसीय कार्यशाला के दौरान पारस एचएमआरआई की ऑर्थो एवं देश के कोने कोने से आये हड्डी रोग विशेषज्ञों ने जोड़ों एवं लिगामेंट से संबंधित विषय पर अपने-अपने व्याख्यान (लेक्चर) प्रस्तुत किए और इस क्षेत्र में हुए नवीनतम तकनीक एक दूसरे से साझा किए। पारस एचएमआरआई के डायरेक्टर (आथोर्पेडिक) एवं औरगेनाइजिंग चेयरपर्सन डॉ. जॉन मुखोपाध्याय ने बताया कि उम्र बढ़ने के साथ घुटने में दर्द, सुजन एंव टेढ़ापन का आ जाना आम समस्या बनती जा रही है। कई लोगों में अधिक मोटपा या दूर्घटना भी ऐसे समस्या को जन्म देती है। ऐसे स्थिति में मरीज रेगुलर पेन कीलर खाते रहते है और नजरअंदाज करते है और वही एक भारी समस्या बन जाती है। ऐसे स्थिति में इसे हमें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और जितना जल्द हो अच्छे डाक्टर से सलाह लेना चाहिए। ऐसे समस्या का सफल ईलाज H.T.O (हाई टिबियल आस्टीयोटोमी) द्वारा किया जा रहा है। जो 80-90 प्रतिशत सफल है। इसमें मरीज सर्जरी के दूसरे दिन से ही चलना फिरना शुरू कर देते है। दर्द की भी समस्या समाप्त हो जाती है। पारस एचएमआरआई के चीफ कंसल्टेंट स्पोर्ट्स इन्ज्यूरी स्पेशलिस्ट अर्थोस्कोपिक सर्जन एवं औरगेजाइजिंग सेक्रेट्री डॉ० अरविंद प्रसाद गुप्ता ने बताया कि मूल रूप में लिगामेंट खिलाड़ियों का खेल के दौरान गिर जाने, चोटील हो जाने से टूटता है। इसके अलावे छोटे-मोटे एक्सडेंट, सीढ़ी से गिर जाने या घुटने के ट्विस्ट होने से भी टुटता है। इसके मुख्य लक्षण घुटने में दर्द, सूजन और लचक आ जाना है। घुटने में कई लिगामेंट होते है। जिसमें प्रायः अउछ और मेनिस्कस की इंजुरी ज्याद देखी जाती है। इसका सफल एवं सरल ईलाज दूरबीन पद्धती से अपरेशन के द्वारा किया जाता है। सर्जरी के बाद लिखाड़ी वापस से खेल पाते है। डॉ० अरविंद प्रसादगुप्ता बताते है कि उन्होंने वर्ष 2013 से लिगामेंट की सर्जरी पारस एमएमआरआई में शुरू की। अब तक उन्होंने लगभग हजारों सर्जरी की है और अनेक खिलाड़ियों को नई जीवनदान दिया। इनमें से कई खिलाड़ी विदेशों में भी अपना परचम लहरा चुके है। खिलाड़ियों के अलावा लिगामेंट इंजुरी के वैसे भी मरीज होते है। जो दूसरे व्यवसाय से जुड़े रहते है। उनका भी सफल ईजाल किया गया है। इस दौरान पारस एचएमआरआई के जोनल डायरेक्टर अनिल कुमार ने बताया कि अब हड्डी, लिगामेंट एवं टेंडन रोगों के किसी भी इलाज के लिए मरीज को कहीं बाहरन जाने की आवश्यकता नहीं होगी। कम खर्च में सभी इलाज पारस एचएमआरआई में ही उपलब्ध है। इस खास आयोजन में शामिल तमाम डॉक्टरों ने कार्यशाला के दौरान हाल ही में हुए जोड़ों से संबंधित ईलाज के कुछ मामलों से जुड़े अनुभवों को भी वहां मौजूद अन्य प्रतिभागियों के बीच साझा किया तथा इस क्षेत्र में लगातार हो रहे नवीनतम विकास पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यशाल में दूसरे राज्यों से आये हड्डी रोग विशेषज्ञों ने जोड़ों के ट्रीटमेंट से जुड़े मामलों पर गहन चर्चा की तथा अपने अनुभवों को भी साझा किया।

देशभर के डॉक्टरों ने लिगामेंट और जोड़ों के ट्रीटमेंट के क्षेत्र में हुए अनुसंधान और इलाज के संबंध में साझा किए विचार

इस कार्यशाला में डॉ. रौशन वडे, मुम्बई ने मेनिस्कस लाइव सर्जरी किया, डॉ. कंचन मुखोपाध्याय कोलकता ने एसीएल लाइव सर्जरी किया, डॉ. संदिपबिरारिस ने एचटूओ लाइव सर्जरी किया, डॉ. राजीव रमण कोलकता, डॉ. सार्थक पटनायक भुवनेश्वर, डॉ. दीपक जोशी दिल्ली ने भी अपने अनुभवों को साझा किया।

पारस एचएमआरआई के बारे में

पारस एचएमआरआई पटना ने 2013 में परिचालन शुरू किया। यह बिहार का पहला कॉर्पोरेट अस्पताल है जिसके पास परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड द्वारा लाइसेंस प्राप्त कैंसर उपचार केंद्र है। जून 2024 में एक्सेस किए गए एनएबीएच पोर्टल के अनुसार, पारस एचएमआरआई अस्पताल, पटना 2016 में एनएबीएच मान्यता प्राप्त करने वाला बिहार का पहला अस्पताल था। 30 सितंबर 2024 तक इस अस्पताल की बेड क्षमता 350 बेडों की है, जिसमें 80 आईसीयू बेड शामिल हैं।

भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव कम होने से उछल पड़ी कंज्यूमर कंपनियां, कहा- फिर से बढ़ेगा कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम होने से कंज्यूमर गुड्स बनाने वाली कंपनियों को राहत मिली है। कंपनियों को उम्मीद है कि लोगों का भरोसा फिर से बढ़ेगा और मांग में भी सुधार होगा। हाल के दिनों में मांग में गिरावट आई थी। यह गिरावट सिर्फ बॉर्डर वाले राज्यों में ही नहीं, बल्कि पूरे देश में देखी गई। इकोनॉमिक टाइम्स के अनुसार टाटा ग्रुप की कंपनी वोल्टास के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप बख्शी ने कहा कि प्रभावित वाले इलाकों में मांग पर बुरा असर पड़ा। बाकी जगहों पर भी मांग बहुत ज्यादा नहीं थी। अब जब युद्ध खत्म हो गया है तो उम्मीद है कि लोग फिर से बाहर निकलेंगे और खरीदारी करेंगे।

हाई अलर्ट से मांग में कमी: पिछले 4-5 दिनों में युद्ध जैसे हालात बने रहे। इससे पंजाब, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और गुजरात के कई शहरों में सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। चंडीगढ़, मोहाली, जालंधर, अमृतसर, श्रीनगर, जम्मू, भुज, जोधपुर और राजकोट जैसे शहरों में ब्लैकआउट हो गया था। इन शहरों में बॉर्डर से मिसाइल और ड्रोन से हमले का खतरा था। इसलिए हाई अलर्ट जारी किया गया था। इंडस्ट्री के लोगों का कहना है कि बॉर्डर पर तनाव बढ़ने से मांग में

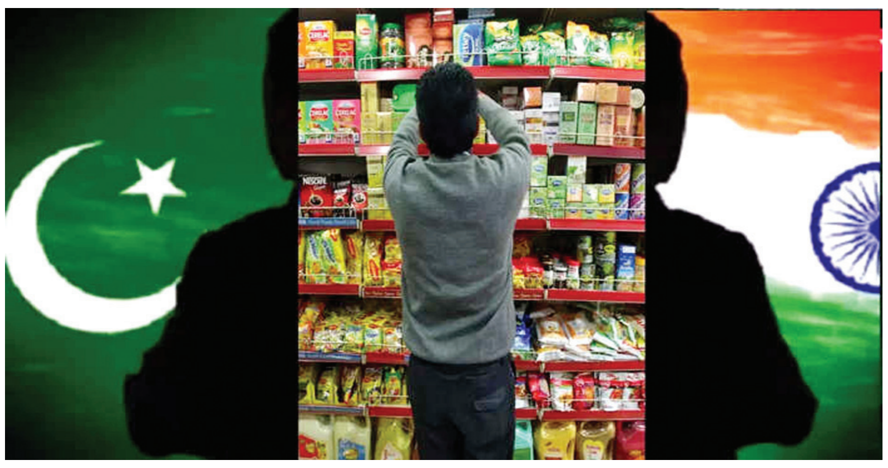

सुधार की उम्मीदें खतरे में पड़ गई थीं। पिछले दस तिमाहियों से महंगाई और कम वेतन की वजह से लोग कम सामान खरीद रहे थे। अब डिमांड में थोड़ा सुधार दिख रहा था, लेकिन तनाव बढ़ने से यह सुधार रुक सकता था।

कंपनियों की उम्मीद को लगा धक्का: इस साल भी वेतन में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई है, लेकिन महंगाई कुछ कम हुई है। इनकम टैक्स में छूट और अच्छी बारिश की उम्मीद से कंपनियों को लग रहा था कि वित्तीय वर्ष के दूसरे भाग में सुधार होगा। लेकिन पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से यह उम्मीद कम हो गई थी।

युद्ध से कारोबार पर असर: डिपार्टमेंटल स्टोर चेन लाइफस्टाइल इंटरनेशनल के सीईओ देवरंजन अय्यर ने कहा कि सीजफायर से उनकी पूरी टीम को बड़ी राहत मिली है। उन्होंने बताया कि बॉर्डर वाले राज्यों में कारोबार पर बुरा असर पड़ा था। स्टोर में लोगों की संख्या कम हो गई थी और ब्लैकआउट की वजह से स्टोर को शाम 6:30 बजे ही बंद करना पड़ रहा था। अय्यर ने आगे कहा कि दिल्ली-एनसीआर में भी बिक्री में गिरावट आई। इसका कारण रहा कि लोग कम संख्या में घर से बाहर निकल रहे थे। यह तब था जब दिल्ली-एनसीआर में ब्लैकआउट नहीं था। उन्होंने उम्मीद जताई कि अब हालात सुधरेंगे और बॉर्डर वाले राज्यों में ग्राहक 2-3 दिनों में डर से बाहर निकलकर वापस लौटेंगे। राजस्थान के एक बड़े ऑटोमोटिव डीलर ने बताया कि बीकानेर, जोधपुर और गंगानगर में पिछले कुछ दिनों में बिल्कुल भी लोग नहीं आए। एक अन्य ऑटोमोटिव रिटेलर ने कहा कि बॉर्डर वाले जिलों में कारोबार पर पिछले 7-10 दिनों से बुरा असर पड़ रहा था।

कपड़ों की बिक्री भी प्रभावित: दिल्ली-एनसीआर, मुंबई और कोलकाता जैसे बड़े मार्केट में कंपनियों ने बताया कि कपड़े, गाड़ियां और इलेक्ट्रॉनिक्स की बिक्री में पिछले हफ्ते के मुकाबले इस हफ्ते 20 से 50 प्रतिशत की गिरावट आई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि कई शहरों में हाई अलर्ट था और मॉक ड्रिल किए जा रहे थे।

बुढ़ापे में हर महीने मिलेंगे 5000, मोदी सरकार की इस स्कीम से मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की कई ऐसी स्कीम हैं जिसने निवेशकों के भविष्य को सुरक्षित रखा है। इनमें से एक अटल पेंशन योजना (एपीवाई) है। यह योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों के लिए वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की एक पहल है। एपीवाई का संचालन पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) की ओर से किया जाता है।

स्कीम के बारे में

अटल पेंशन योजना 18 से 40 वर्ष की आयु के सभी बैंक खाताधारकों के लिए है। यह योजना उन लोगों के लिए आयकरदाता नहीं हैं और चुनी गई पेंशन राशि के आधार पर योगदान अलग-अलग होता है। योजना में शामिल होने के बाद ग्राहक की ओर से किए गए अंशदान के आधार पर, 60 वर्ष की आयु के बाद ग्राहक को पेंशन मिलेगी। इसके तहत निवेशकों को 1000 रुपये या 2000 रुपये या 3000 रुपये या 4000 रुपये या 5000 रुपये की गारंटीकृत न्यूनतम मासिक पेंशन मिलेगी।

ये हैं शर्तें

ग्राहक की असामयिक मृत्यु (60 वर्ष की आयु से पहले मृत्यु) के मामले में जीवनसाथी, शेष निहित अवधि के लिए, मूल ग्राहक के 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, ग्राहक के अटल पेंशन योजना खाते में अंशदान जारी रख सकता है। भुगतान करने के तरीके, ग्राहक मासिक/ तिमाही/ अर्ध-वार्षिक आधार पर अटल पेंशन योजना में अंशदान कर सकते हैं।

योजना से निकासी

ग्राहक कुछ शर्तों के अधीन अटल पेंशन योजना से स्वेच्छा से बाहर निकल सकते हैं, जिसमें सरकारी सह-अंशदान और उस पर रिटर्न/ ब्याज की कटौती शामिल है। योजना के अंतर्गत नामांकित कुल ग्राहकों में से लगभग 47 प्रतिशत महिलाएं हैं।

फायदा उठाने की फिराक में था चीन... अमेरिका ने नहीं दिया भारत-पाकिस्तान की लड़ाई में हाथ सेंकने का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन लंबे समय से दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच टेंशन की स्थिति चीन को इस क्षेत्र में मध्यस्थ या महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में खुद को पेश करने का अवसर दे सकती थी। इससे उसका राजनीतिक प्रभाव बढ़ सकता था। लेकिन, अमेरकिा ने चीन को हाथ सेंकने का मौका नहीं दयिा। उसने बीच में आकर भारत और पाकस्तिान के बीच के बीच संघर्ष वरिाम करा दयिा। अमेरकिी राष्ट्रपत‍ि डोनाल्ड ट्रंप ने इसके बारे में ऐलान कयिा। उन्होंने बताया क‍ि दोनों देश तुरंत सीजफायर के लएि तैयार हो गए हैं।

अगर यह तनाव बढ़ता तो चीन के लिए इस क्षेत्र में अपने आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के अवसर खुल जाते। वह पाकिस्तान में अपने निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं (जैसे सीपीईसी) को पहले से ही बढ़ा रहा है। इसमें और इजाफा हो सकता था। भारत-पाकिस्तान की लड़ाई वह बिना सीधे शरीक हुए हाथ सेंकने की फरिाक में था। अभी चीन अमेरिका के साथ ट्रेड वॉर में उलझा हुआ है। भारत उसका क्षेत्र में सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी है। ट्रंप की टैरिफ पॉलिसियों के कारण जो कंपनियां चीन को छोड़कर भारत का रुख कर रही हैं, तनाव बढ़ने की स्थिति में उनका भरोसा डगमगा सकता था।

केनरा बैंक ने लोन पर लिया बड़ा फैसला, ग्राहकों के लिए जानना जरूरी

नईदिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने लोन के मोर्चे पर बड़ा फैसला लिया है। बैंक ने अधिकांश अवधियों के लिए फंड आधारित लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) की सीमांत लागत में 0.10 प्रतिशत की कटौती की है, जिससे कर्ज सस्ते हो जाएंगे। केनरा बैंक ने कहा कि एक साल की अवधि का एमसीएलआर मौजूदा दर 9.10 प्रतिशत के मुकाबले नौ प्रतिशत रह जाएगा। बेंचमार्क एमसीएलआर का उपयोग कार और पर्सनल लोन जैसे अधिकांश कंज्यूमर लोन की कीमत तय करने के लिए किया जाता है।

12 मई से लागू: बैंक ने बताया कि एक महीने, तीन महीने और छह महीने की अवधि के लिए ब्याज दर 8.25-8.80 प्रतिशत के दायरे में होगी। एक दिन की अवधि के लिए एमसीएलआर 8.30 प्रतिशत के मुकाबले 8.20 प्रतिशत होगी। बैंक ने कहा कि उसकी नई सीमांत एमसीएलआर 12 मई से प्रभावी होगी।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने अपनी प्रमुख ब्याज दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करके इसे छह प्रतिशत कर दिया था। यह कटौती इस साल लगातार दूसरी बार की गई है।

केनरा बैंक के तिमाही नतीजे: पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में केनरा बैंक का नेट प्रॉफिट 28 प्रतिशत बढ़कर 5,070 करोड़ रुपये हो गया। प्रावधान में कमी और गैर-प्रमुख आय में वृद्धि से बैंक का मुनाफा बढ़ा है।

आरबीआई का एसबीआई पर एक्शन, 1.72 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना; निर्देशों का पालन नहीं करने पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) पर 1.72 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना आरबीआई के कुछ निर्देशों का ठीक से पालन नहीं करने पर लगाया है। यह जुर्माना बैंकिंग विनियमन अधिनियम 1949 के तहत लगाया है। आरबीआई के बयान के अनुसार एसबीआई से आरबीआई के ऋण और अग्रिम वैधानिक व अन्य प्रतिबंध ग्राहक संरक्षण अनधिकृत, इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेनदेन में ग्राहकों की देयता को सीमित करना और बैंकों की तरफ से चालू खाते खोलना अनुशासन की आवश्यकता पर जारी किए गए कुछ निर्देशों का पालन नहीं करने पर जुर्माना लगाया है।

आरबीआई ने नोटिस जारी कर मांगा जवाब: दरअसल, आरबीआई ने 31 मार्च 2023 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के बारे में पर्यवेक्षी मूल्यांकन वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2023) किया। इस दौरान पता चला कि एसबीआई आरबीआई के निर्देशों के पालन नहीं कर रही है। इसके बाद से एसबीआई को एक नोटिस जारी कर कारण बताने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही यह भी कहा गया है कि निर्देशों का पालन नहीं करने पर आरबीआई आप पर क्यों जुर्माना न लगाए। इसके बाद एसबीआई ने आरबीआई के नोटिस का जवाब दिया फिर व्यक्तिगत सुनवाई के बाद से आरबीआई ने एसबीआई पर जुर्माना लगाया है।

एसबीआई पर क्या लगे हैं आरोप: स्टेट बैंक पर यह आरोप था कि उसने एक संस्था (इकाई) को ब्रिज लोन यानी एक तरह का अस्थायी कर्ज दिया, जो केंद्र या राज्य सरकार से मिलने वाली सब्सिडी या भुगतान के बदले में दिया गया था। इसके साथ ही बैंक पर एक अन्य आरोप यह लगा था कि उसने विनियामक आवश्यकताओं के उल्लंघन करते हुए कुछ चालू खाते खोल रखे थे।

रिजर्व बैंक ने क्या कहा

आरबीआई ने कहा कि यह कार्रवाई विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है। इसका उद्देश्य बैंक की तरफ से अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर सवाल उठाना नहीं है। इसके अलावा, मौद्रिक जुर्माना आरबीआई की तरफ से एसबीआई के खिलाफ शुरू की जाने वाली किसी भी अन्य कार्रवाई पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना लगाया गया है।

अजॉय चावला टाटा की कंपनी में बनेंगे एमडी सीईओ रहते हुए टाइटन को पहुंचाया नए मुकाम पर

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन में एक बड़ा बदलाव होने वाला है। अजॉय चावला अगले साल 1 जनवरी से कंपनी के नए मैनेजिंग डायरेक्टर बनेंगे। वर्तमान स्ष्ठ सीके वेंकटरमन 31 दिसंबर को रिटायर हो जाएंगे। टाटा ग्रुप के नियमों के अनुसार, वे अपनी उम्र पूरी होने पर रिटायर हो रहे हैं। अजॉय चावला साल 2019 में टाइटन के ज्वेलरी विभाग के ष्टश्वह्र बने थे। उनके नेतृत्व में ज्वेलरी के कारोबार में बहुत तरक्की हुई। ज्वेलरी की बिक्री और मुनाफा 2.5 गुना बढ़ गया। साथ ही, टाइटन ज्वेलरी मार्केट में सबसे आगे रहा। मारुति सुजुकी का मार्केट शेयर घटा, टाटा और हुंडई को पछाड़ महिंद्रा एंड महिंद्रा बनी दूसरी सबसे बड़ी कार कंपनी

बोर्ड में होंगे शामिल

अजॉय चावला को एमडी बनाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी जरूरी है। कंपनी जल्द ही उन्हें बोर्ड में शामिल करने और एमडी बनाने की प्रक्रिया पूरी करेगी। ज्वेलरी विभाग के लिए नए सीईओ की खोज बाद में की जाएगी। वेंकटरमन ने कहा, टाइटन टीम की ओर से मैं अजॉय का स्वागत करता हूं। वे टाइटन को आगे बढ़ाएंगे। अजॉय ग्राहकों को समझते हैं, लोगों के साथ मिलकर काम करते हैं और वैल्यू बनाने पर ध्यान देते हैं। वे टाइटन को और भी आगे ले जाएंगे। अजॉय चावला ने 1990 में टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज से अपने करियर की शुरुआत की थी। 1991 में वे टाइटन के फाइनेंस विभाग में शामिल हुए। उन्होंने घड़ियों के विभाग में 20 सालों तक काम किया। इस दौरान उन्होंने बिक्री, मार्केटिंग, सप्लाई चेन और ह्रक्र जैसे कामों को संभाला।

नए कारोबार को बढ़ाया आगे

साल 2013 से 2019 तक अजॉय ने चीफ स्ट्रेटेजी ऑफिसर के तौर पर काम किया। इस दौरान उन्होंने नए बिजनेस शुरू करने, परफ्यूम के कारोबार को बढ़ाने और तनेरा बिजनेस को आगे बढ़ाने में मदद की। टाइटन ने 2024-25 में 57,818 करोड़ रुपये का रेवेन्यू कमाया, जो पिछले साल से 22 प्रतिशत ज्यादा है। हालांकि, कंपनी का मुनाफा 2 प्रतिशत घटकर 4,535 करोड़ रुपये रहा। इसकी वजह यह थी कि इस दौरान सोने पर कस्टम ड्यूटी कम हो गई थी। कंपनी के रेवेन्यू में मार्च तिमाही में पिछले साल के मुकाबले 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

केंद्रीय कर्मचारियों को डीए पर लगेगा झटका दूसरी छमाही के लिए मिल रहे संकेत

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के केंद्रीय कर्मचारी अगली छमाही यानी जुलाई से दिसंबर तक की अवधि के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) का इंतजार करने लगे हैं। यह इंतजार इसलिए भी है क्योंकि पहली छमाही के दौरान कर्मचारियों के भत्ते में मामूली बढ़ोतरी हुई है। वर्तमान में कर्मचारियों का भत्ता 55 फीसदी है। आइए जान लेते हैं कि केंद्रीय कर्मचारियों को अगली छमाही में कितना भत्ता मिल सकता है।

2 प्रतिशत की बढ़ोतरी

केंद्र सरकार ने पिछले महीने करीब 1.2 करोड़ केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर इसे 55 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। जनवरी से जून की अवधि के लिए डीए में 2 प्रतिशत की बढ़ोतरी पिछले 78 महीनों में सबसे कम थी।

7वें वेतन आयोग का आखिरी डीए

कैलेंडर वर्ष, 2025 के पहले तीन महीनों में मुद्रास्फीति में और गिरावट से पता चलता है कि केंद्रीय कर्मचारियों को डीए में 2 प्रतिशत से कम बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। 2025 के पहले दो महीनों के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों में गिरावट देखी गई, जिससे जुलाई-दिसंबर 2025 के लिए डीए बढ़ोतरी कम हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इससे केंद्र सरकार के करोड़ों कर्मचारी और पेंशनभोगी और निराश होंगे। तकनीकी रूप से यह 7वें वेतन आयोग में अंतिम डीए संशोधन होगा। बता दें कि इस साल 31 दिसंबर को 7वां वेतन आयोग अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करेगा।

भारी बिकवाली में रेखा झुनझुनवाला को 2 शेयरों से हुआ 892 करोड़ रुपये का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार के चर्चित निवेशक रहे राकेश झुनझुनवाला की पत्नी रेखा झुनझुनवाला को शुक्रवार को तगड़ा फायदा हुआ है। टाटा ग्रुप की दो कंपनियों के शेयरों में तेजी की वजह से उन्हें 892 करोड़ रुपये का फायदा हुआ है। ऐसा रिटर्न ऐसे समय में मिला है जब भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव की वजह से शेयरों बाजार में बिकावली का दौर है।

कौन से हैं वो 2 टाटा ग्रुप के स्टॉक: इस लिस्ट एक कंपनी का नाम टाइटन है। कंपनी ने मार्च तिमाही के दौरान शानदार प्रदर्शन किया है। वहीं, दूसरी कंपनी टाटा मोटर्स है। टाटा मोटर्स को भारत और यूके के फ्री ट्रेड एग्रीमेंट का फायदा मिला है। बता दें, कारगिल युद्ध के दौरान भी टाटा मोटर्स का प्रदर्शन शानदार रहा था। तब कंपनी के शेयरों में करीब 92 प्रतिशत की तेजी

देखने को मिली थी।

टाइटन के शेयरों में शुक्रवार दिखी तूफानी तेजी: शुक्रवार को टाइटन के शेयरों में 4.95 प्रतिशत तक की तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयर 3530 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। मार्केट कैप 3.11 लाख करोड़ रुपये के ऊपर पहुंचने में सफल रहा था। बाजार के बंद होने के समय पर टाइटन के शेयरों का भाव 3363.45 रुपये के लेवल पर था। इस कंपनी झुनझुनवाला के शेयरों की वैल्यू शुक्रवार को 15,402.30 करोड़ रुपये से बढ़कर 16,165.09 करोड़ रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। महज एक दिन में उनके शेयरों की वैल्यू 762.69 करोड़ रुपये बढ़ी थी। बता दें, टाइटन का नेट प्रॉफिट 870 करोड़ रुपये रहा है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 10.70 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। वहीं, इसी दौरान कंपनी का रेवन्यू 13477 करोड़ रुपये रहा है।

टाटा मोटर्स ने भी पकड़ी रफ्तार: टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयर शुक्रवार को 3.97 प्रतिशत की तेजी के साथ 709 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। हालांकि, स्टॉक का भाव 681.90 रुपये के लेवल पर आकर बंद हुआ था।

राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान तेल, गैस पर होगा सरकार का पहला अधिकार, मसौदा नियमों में कही गई यह बात

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल क्षेत्र से जुड़े कानूनों में संशाधन के लिए तैयार किए गए मसौदा नियमों के अनुसार राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में सरकार के पास देश में उत्पादित सभी तेल और प्राकृतिक गैस पर पहला अधिकार होगा। कच्चे तेल को भूमिगत या समुद्र तल के नीचे से निकाला जाता है और इसे पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधनों में परिष्कृत किया जाता है। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस का उपयोग बिजली उत्पादन, उर्वरक उत्पादन, वाहनों के लिए सीएनजी और पाइप्ड रसोई गैस के लिए किया जाता है। नियमों में संशोधन से जुड़े मसौदे में ऐसे अधिकारों को शामिल करने का मकसद सरकार को राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने और आपात स्थितियों के दौरान सार्वजनिक कल्याण सुनिश्चित करने में मदद करना है। मसौदा नियमों के अनुसार तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादकों को पूर्व-

अधिकरण के समय प्रचलित उचित बाजार मूल्य का भुगतान किया जाएगा। पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने मसौदा नियमों पर टिप्पणियां आमंत्रित की हैं। इस वर्ष की शुरुआत में संसद ने तेल क्षेत्र (विनियमन व विकास) संशोधन विधेयक पारित किया था। इस विधेयक में घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और देश के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों को समर्थन देने के लिए 1948 के अधिनियम के पुराने प्रावधानों को बदलने का प्रस्ताव है। नियमों में कहा गया है कि, पेट्रोलियम उत्पादों या खनिज तेल के संबंध में राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति में, भारत सरकार को, ऐसे आपातकाल के दौरान, हर समय, पट्टे पर दिए गए क्षेत्र से निकाले गए कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस से उत्पादित खनिज तेलों, परिष्कृत पेट्रोलियम या पेट्रोलियम या खनिज तेल उत्पादों, या ऐसे कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस, जिसे पट्टेदार को भारत के भीतर परिष्कृत किए बिना बेचने, निर्यात करने या निपटाने की अनुमति है, और इस पर सरकार को पूर्वाधिकार का अधिकार होगा।

आपातकाल का क्या मलतब फिलहाल इसकी परिभाषा मसौदे में नहीं: इस अधिकार का प्रयोग भारत सरकार की ओर से पट्टेदार को पूर्वक्रय के समय प्रचलित उचित बाजार मूल्य, पूर्वक्रय में लिए गए पेट्रोलियम या पेट्रोलियम या खनिज तेल उत्पादों या कच्चे तेल या प्राकृतिक गैस के लिए प्रदान करके किया जाएगा। हालांकि नियमों में यह परिभाषित नहीं किया गया कि राष्ट्रीय आपातकाल क्या होगा। उद्योग सूत्रों ने कहा कि युद्ध या युद्ध जैसी परिस्थितियां- जैसे कि पाकिस्तान के साथ सैन्य गतिरोध में देश ने सामना किया - या प्राकृतिक आपदाएँ राष्ट्रीय आपातकाल का गठन कर सकती हैं।

नियमों में कहा गया है, खनिज तेलों के संबंध में राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति क्या होगी, इसका निर्णय भारत सरकार को ही करना होगा। इस संबंध में उसका निर्णय अंतिम होगा। मसौदा नियमों में तेल और गैस परिचालकों को अप्रत्याशित परिस्थितियों में अधिनियम के तहत अपने दायित्वों से छूट देने का भी प्रावधान है। नियमों में कहा गया है कि अप्रत्याशित घटना में दैवीय आपदा, युद्ध, विद्रोह, दंगा, नागरिक उपद्रव, ज्वार, तूफान, ज्वार की लहर, बाढ़, बिजली, विस्फोट, आग, भूकंप, महामारी और अन्य कोई भी घटना शामिल है, जिसे पट्टेदार उचित रूप से रोक या नियंत्रित नहीं कर सकता।

फिल्म थिएटर में चले या ओटीटी पर, एक्टर की जिम्मेदारी सिर्फ अच्छी एक्टिंग है

मैं एक छोटे से गांव से आया हूं और तमाम संघर्षों के बाद जब बॉलीवुड ने मुझे अपनाया, तो वह मेरी सोच, मेरी उम्मीदों और शायद मेरी औकात से भी बहुत ज्यादा था। यह सफर अब लंबा हो चुका है। मगर इतने सारे काम और मेरी फिल्मों को मिलने वाली तमाम तारीफ का श्रेय मैं संघर्षों के उन्हीं दिनों को दूंगा, जिन्होंने मुझे भीतर से मजबूत बनाया। मुश्किलों के दिन ही आपकी जिंदगी की कहानी बनते हैं। तो इन दिनों में हार मानने से बेहतर है, जीत जाने की उम्मीद को यह सोचकर जिंदा रखें कि आप एक बेहतर लाइफ जर्नी के दौर में हैं। यह बात मांझी द माउंटेन मैन, सीक्रेट गेम्स, गैंग्स ऑफ वासेपुर और तलाश जैसी फिल्में करने वाले अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने।

स्क्रिप्ट दूसरी बार पढ़ना पड़े तो सोच लेता हूं, कहानी मेरे लायक नहीं...

आप ओटीटी प्लेटफॉर्म को कैसे देखते हैं?
शुरुआत में जब ओटीटी आया था, तो बहुत अच्छी क्वालिटी की वेबसीरीज और फिल्में आईं। इसने नए एक्टर्स और क्रिएटर्स को एक मजबूत मंच दिया। मगर, धीरे-धीरे कुछ प्रोजेक्ट्स में क्वालिटी में गिरावट देखने को मिली। फिर भी मैं इसे एक बेहतरीन माध्यम कहूंगा। इसकी वजह से उन कहानियों को प्लेटफॉर्म मिला, जिसे बड़े पर्दे पर शायद कभी मौका न मिल पाता।

किसी फिल्म स्क्रिप्ट के लिए हां कहने का निर्णय किस आधार पर लेते हैं?
मैं अक्सर स्क्रिप्ट पढ़ते वक्त बहुत सोच-विचार नहीं करता। अगर मुझे स्क्रिप्ट पढ़ते वक्त ही लग जाता है कि इसमें कुछ अच्छा और अलग है, तो मैं बिना देर किए हां कह देता हूं। अगर लगा कि प्रोजेक्ट को लेकर सोचने की जरूरत है या दूसरी बार स्क्रिप्ट की रीडिंग करनी होगी, तो तय हो जाता है कि यह कहानी मेरे लायक नहीं है। ऐसी फीलिंग आते ही जल्द से जल्द मेकर्स को मना जरूर कर देता हूं, ताकि वे आगे की प्लानिंग कर सकें।

ओटीटी की वजह से आजकल लोग थिएटर में फिल्म देखने से बचते हैं, इस ट्रेंड को कैसे देखते हैं?
ये सही है कि बहुत से लोग सोचते हैं कि अगर फिल्म ओटीटी पर आने वाली है, तो थिएटर क्यों जाएं? मुझे लगता है कि ओटीटी, थिएटर और ड्रामा... ये सभी अलग मीडियम हैं और सभी की अपनी खासियत है। एक एक्टर के रूप में मुझे फर्क नहीं पड़ता कि मेरा काम कहां देखा जा रहा है। मेरा फोकस सिर्फ इस बात पर होता है कि मैं अपनी एक्टिंग में सच्चाई और गहराई ला सकूं।

महाराज का वो सीन करने के बाद मुझे झटका लगा...

जबलपुर जैसे छोटे शहर से आकर ग्लैमर इंडस्ट्री में अपने दम पर अर्जुन रेड्डी, जयेशभाई जोरदार, महाराज जैसी बड़ी-बड़ी फिल्में करने वाली एक्ट्रेस शालिनी पांडे आज कई लड़कियों के लिए नजीर हैं। बचपन से ही बेबाक और बिंदास रहीं शालिनी ने हमसे एक खास बातचीत के दौरान समाज में लैंगिक गैर बराबरी, एक्ट्रेसेज के बीच कैटफाइट, सिस्टरहुड जैसे विषयों पर खुलकर चर्चा की

आपने जिस तरह जबलपुर से आकर अपने दम पर बॉलीवुड में जगह बनाई, वह लड़कियों के लिए प्रेरणा है। लड़की होने के नाते आपको समाज की कौन सी सोच परेशान करती है, जिसके खिलाफ आप लड़ी हों?

हमें रोज लड़ना पड़ता है। ऐसा कोई एक दिन नहीं होता है। मैं 21 की उम्र तक अपने घर जबलपुर में रही हूं। वहीं पढ़ी-लिखी, कॉलेज किया। वहां हर दिन मेरी एक लड़ाई होती थी, वो चाहे मेरे रिश्तेदारों से हो, किसी अजनबी से हो, कॉलेज के लोगों से हो या टीचर से और क्या होता है कि अगर छोटे शहरों में आप बेबाकी से अपनी राय रखते हैं, तो आपको एक अलग नजरिए से देखा जाता है। जब तक आप जिंदगी में कुछ कर नहीं लेते हैं, लोगों को लगता है कि आप गलत ही हैं। उनके लिए आप वो बिगड़ी हुई लड़की हैं, जो उनके बच्चों को भी बिगाड़ देगी। फिर अचानक से जैसे अब मैं उनकी नजरों में सफल हो गई हूं तो अरे, हमारी बेटी, हमारी ये-वो शुरू हो जाता है, मगर ये लड़ाई कभी खत्म नहीं होती। एक लड़की होने के नाते यह रोज का संघर्ष है।

आपने सही कहा, औरत-आदमी के बीच भेदभाव समाज का कड़वा सच है। इंडस्ट्री में भी यह मुद्दा उठता रहता है। आपकी इस बारे में क्या राय है?

एक लड़की के तौर पर मैं तो यही चाहूंगी कि हमें बराबर समझा जाए। हमें बराबरी का महत्व नहीं मिलना दिल तोड़ने वाला है, पर मेरा दिल तब ज्यादा दुखता है, जब औरतें ही औरतों के पीछे पड़ जाती हैं। मेरा मानना है कि हमें एक-दूसरे को सपोर्ट करना है, क्योंकि यह सालों की लड़ाई है, जो हमें आगे भी लड़नी है। ऐसा नहीं है कि अब सब ठीक हो गया है। बहुत सी औरतों ने पहले यह लड़ाई लड़ी है, जिसकी वजह से आज हम कम से कम अपनी आवाज उठा पा रहे हैं। लेकिन हमें आगे भी बहुत लड़ाई लड़नी है, तो हमें ये समझना होगा कि हम औरतें एक टीम हैं। हम एक दूसरे के खिलाफ नहीं हैं।

फिल्म महाराज में किशोरी के किरदार के लिए आपको सराहा गया, पर सुना है कि फिल्म में इंटिमेट सीन करके आपको काफी अजीब महसूस हुआ था। कितना चैलेंजिंग था वह?

वह निश्चित तौर पर बहुत चैलेंजिंग रोल था, क्योंकि उसमें बहुत सारे लेयर हैं। बतौर ऐक्टर मेरी कोशिश ये होती है कि ईमानदारी से अपना किरदार निभाऊं। अपनी निजी सोच और नैतिकता हटाकर उस पर भरोसा करूं, उसे समझूं, पर उस समयकाल में जाकर उस लड़की की अंधभक्ति को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल था। उस सीन में मुझे सहज करने में मेरे निर्देशक सिद्धार्थ पी मल्होत्रा, राइटर स्नेहा, डीओपी राजीव सर, सबका योगदान रहा, क्योंकि आप किस तरह शूट करते हैं, किस नजरिए से दिखाते हैं, वह बहुत मायने रखता है। मगर वो सीन करते वक्त मुझे उसकी इंटेंसिटी पता चली कि ओह माई गॉड, वे लड़कियां इस चीज से गुजरी होंगी। वो सीन करने के बाद मुझे झटका लगा था क्योंकि तब मुझे समझ में आया कि हम तो ऐक्टिंग कर रहे हैं, मगर जब यह असल में हुआ होगा तब उन लड़कियों पर क्या गुजरी होगी और अभी भी ऐसी चीजें कहीं ना कहीं होती होंगी।

आलिया भट्ट की अल्फा में मानुषी की भी हुई एंट्री

मानुषी छिल्लर को यशराज फिल्म्स ने एक बार फिर मौका दिया है। मिस वर्ल्ड 2017 का खिताब जीतने वाली मानुषी अब आलिया भट्ट की आने वाली स्पाई थ्रिलर फिल्म अल्फा में काम करती दिखेंगी। यशराज फिल्म्स के महिला स्पाई यूनिवर्स की पहली फिल्म अल्फा में आलिया के अलावा शरवरी वाघ भी अहम किरदार में हैं। खबरों के अनुसार, मानुषी फिल्म में जासूसी करती हुई और आलिया व शरवरी के साथ एक्शन सीन्स करती नजर आएंगी। शिव रवैल द्वारा निर्देशित अल्फा इस साल क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म में ऋतिक रोशन भी एजेंट कबीर के रूप में एक्शन करते दिखाई देंगे, जबकि आलिया एक सुपर एजेंट हैं। बता दें कि मानुषी को बॉलीवुड में लॉन्च करने वाले आदित्य चोपड़ा ही थे। उन्होंने फिल्म सम्राट पृथ्वीराज में उन्हें ब्रेक दिया था।

साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म में लीड रोल निभाएंगी कंगना रनौत

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत अब हॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं। वह हॉरर ड्रामा 'ब्लेस्ड बी द एविल' में पहली बार मुख्य भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में कंगना के साथ टीन वुल्फ, टायलर पोसी और हॉलीवुड आइकन सिल्वेस्टर स्टेलोन की बेटी स्कारलेट रोज स्टेलोन होंगी।

जल्द शुरू होगी शूटिंग

वैराइटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म का निर्माण इस गर्मी में न्यूयॉर्क शहर में शुरू होने वाला है। निर्माताओं ने खुलासा किया कि टीम ने जानबूझकर अमेरिकी स्थानों का चयन किया ताकि हाल ही में घोषित ट्रम्प इंडस्ट्री टैरिफ से उत्पन्न किसी भी अनिश्चितता से बचा जा सके। साइकोलॉजिकल हॉरर फिल्म है 'ब्लेस्ड बी द एविल' इस फिल्म का निर्देशन अनुराग रुद्र ने किया है। जिन्होंने गाथा तिवारी लायंस मूवीज के अध्यक्ष और संस्थापक के साथ मिलकर इसकी स्क्रिप्ट भी लिखी है। 'ब्लेस्ड बी द एविल' एक साइकोलॉजिकल हॉरर है।

क्या होगी फिल्म की कहानी?

रिपोर्ट के मुताबिक कहानी एक ईसाई कपल पर केंद्रित है जो गर्भपात के आघात से जूझ रहा है। एक नई शुरुआत की तलाश में, वह एक अंधेरे और भयावह इतिहास वाले एक छोड़े हुए खेत को खरीदते हैं, लेकिन यहां उनका सामना एक दुष्ट शक्ति से होता है। फिल्म के निर्देशक अनुराग ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा, 'ग्रामीण भारत में पैदा होने और अपना बचपन बिताने के कारण, मुझे ऐसी कहानियां सुनाई गईं जो मेरे दिमाग और दिल में बस गईं। यह लोककथा इतनी खास थी कि मुझे वास्तव में सभी कहानियों पर विश्वास था। मैं उन्हें सिनेमा की कला के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करना चाहता था।' अभिनेत्री कंगना रनौत ने अभी तक इस प्रोजेक्ट को लेकर कोई रिएक्शन नहीं दिया है। अभिनेत्री को आखिरी बार 'इमरजेंसी' में देखा गया था। इस फिल्म से उन्होंने निर्देशन की भी शुरुआत की। फिल्म में उन्होंने भारत की दिवंगत प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाई थी।

सामंथा की शुभम से साउथ में डेब्यू करेंगे क्लिंटन और बियांका

शोर पुलिस की मशहूर जोड़ी, क्लिंटन सेरेजो और बियांका गोम्स, ने सामंथा रूथ प्रभु की पहली प्रोडक्शन फिल्म शुभम के साथ तेलुगु सिनेमा में कदम रख रहे हैं। यह जोड़ी फिल्म के लिए पूरे पांच साइंडट्रैक तैयार कर रही है, जिसमें हिप-हॉप से लेकर कई शैलियों के 5 गाने शामिल हैं।

क्लिंटन सेरेजो और बियांका गोम्स की जोड़ी साउथ में करेगी डेब्यू

क्लिंटन सेरेजो और बियांका गोम्स की जोड़ी ने शुभम के लिए पांच गानों का एक शानदार एल्बम तैयार किया है, जो फिल्म की हॉरर-कॉमेडी कहानी को और शानदार बना देगा। इस एल्बम में अलग-अलग शैलियों के गाने हैं, जैसे आर एंड बी, तेलुगु रैप, हिप-हॉप, रेट्रो और इलेक्ट्रॉनिक धुनें। वेलिपोव एक मजेदार आर एंड बी गाना है, जिसमें कुणाल गांजावाला की आवाज है। जाग्रत एक तेज-तर्रार रैप नंबर है, जिसे असुर और नवाब गैंग ने गाया है। अय्यो पापम में क्लिंटन और बियांका की जोड़ी ने मजेदार अंदाज में गाया है। जन्म जन्ममाला बंधम 90 के दशक के टीवी सीरियल की थीम जैसा है और द क्लॉक स्ट्राइक्स 9 एक मॉडर्न इलेक्ट्रो रीमिक्स है, जिसे बियांका और जैन बॉक्सवाला ने गाया है। क्लिंटन ने बताया कि शुभम उनका तेलुगु सिनेमा में पहला प्रोजेक्ट है और उन्हें अलग-अलग शैलियों के साथ प्रयोग करने की पूरी आजादी मिली। वहीं बियांका ने कहा कि फिल्म की कहानी और किरदारों के मूड को ध्यान में रखकर संगीत बनाना मजेदार था और इस आजादी ने उन्हें एक खास एल्बम बनाने में मदद की। शुभम 9 मई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्लिंटन सेरेजो और बियांका गोम्स, जो सामूहिक रूप से शोर पुलिस के रूप में जाने जाते हैं, एक पॉप बैंड है, जो अपने अनूठे साउंडट्रैक के लिए प्रसिद्ध है। वे अपनी स्वतंत्र संगीत रचनाओं के अलावा, बॉलीवुड में कई हिट गाने भी गा चुके हैं।

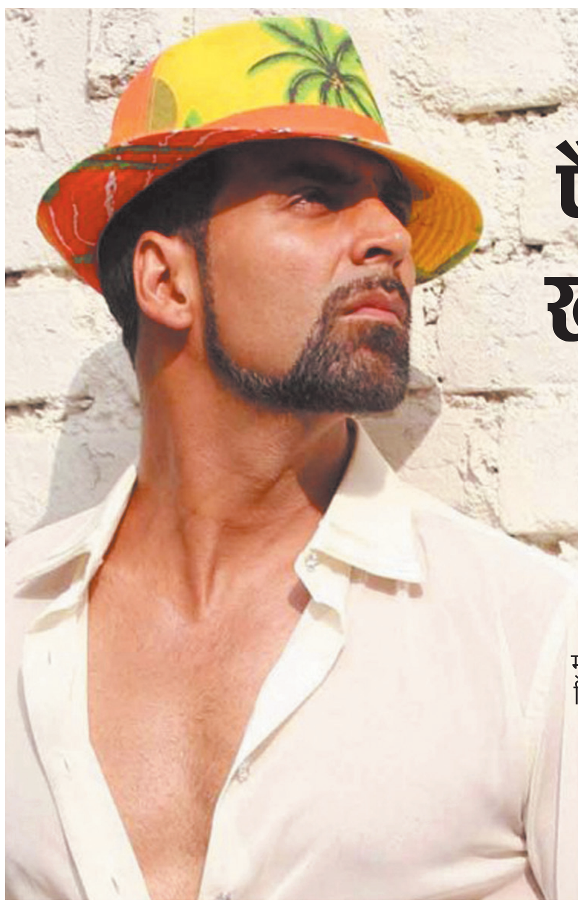

खलनायक बन दहशत फैलाएंगे अक्षय, सैफ अली खान संग करेंगे दो-दो हाथ

बॉलीवुड के दो दिग्गज सितारे, अक्षय कुमार और सैफ अली खान 17 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आने वाले हैं। खबर है कि दोनों 2016 की सुपरहिट मलयालम फिल्म ओप्पम के हिंदी रीमेक में काम करेंगे, जिसमें मूल रूप से मोहनलाल ने मुख्य भूमिका निभाई थी। इस फिल्म को लेकर ताजा अपडेट्स ने फैंस की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। सूत्रों के मुताबिक, इस बार अक्षय कुमार एक खतरनाक विलेन की भूमिका में नजर आएंगे, जबकि सैफ अली खान लीड रोल में होंगे। हालांकि, अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

अक्षय वर्सेज सैफ

यह फिल्म अक्षय और सैफ के बीच एक हाई-वोल्टेज टकराव की कहानी होगी। बॉलीवुड हंगामा ने एक सूत्र के हवाले से बताया, सैफ अली खान मुख्य किरदार में होंगे, लेकिन अक्षय कुमार का खलनायक अवतार दर्शकों को हैरान कर देगा। यह फिल्म दोनों सितारों के बीच एक जबरदस्त जंग दिखाएगी, जो रोमांच और तनाव से भरी होगी।

प्रियदर्शन के निर्देशन में बनेगी फिल्म

इस प्रोजेक्ट को मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन डायरेक्ट करेंगे, जिन्हें कॉमेडी और थ्रिलर फिल्मों के लिए जाना जाता है। सूत्रों ने बताया कि अक्षय और सैफ ने स्क्रिप्ट पढ़ने के बाद इस प्रोजेक्ट के लिए तुरंत हामी भर दी। एक सूत्र ने कहा, यह एक सस्पेंस से भरी थ्रिलर फिल्म है, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक बांधे रखेगी। प्रियदर्शन का निर्देशन इसे और भी खास बनाएगा। फिल्म की शूटिंग अगस्त 2025 में शुरू होगी और इसे 2026 में रिलीज करने की योजना है। अक्षय और सैफ की जोड़ी आखिरी बार 2008 में टशन में नजर आई थी। अक्षय और सैफ की जोड़ी पहले भी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'आंखें' और 'ये दिल्लगी' जैसी फिल्मों में जादू दिखा चुकी है।

सैफ और अक्षय की फिल्में

सैफ अली खान हाल ही में अपनी फिल्म ज्वेल थीफ में नजर आए, जिसमें उनके साथ जयदीप अहलावत और निकिता दत्ता भी थे। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है और इसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म के अंत ने इसके सीक्वल की संभावना को भी हवा दी है। दूसरी ओर, अक्षय कुमार की फिल्म केसरी चैप्टर 2 बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है।

अनन्या पांडे और आर. माधवन के साथ उनकी यह पीरियड कोर्टरूम ड्रामा, जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद ब्रिटिश राज के खिलाफ एक वकील की लड़ाई की कहानी है। दर्शकों से इसे जबरदस्त प्यार मिल रहा है। अक्षय की अगली फिल्म हाउसफुल 5 भी चर्चा में है। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बन रही यह कॉमेडी फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज होगी।

तापसी स्टारर हसीन दिलरुबा 3 की स्क्रिप्ट पर शुरू हुआ काम

तापसी पन्नू अपनी चर्चित फिल्म हसीन दिलरुबा का तीसरा पार्ट लेकर आ रही हैं। फिल्म की राइटर और निर्माता कनिका ढिल्लों ने इसके संकेत दिए थे और अब खबरें हैं कि तापसी एक बार फिर दिलरुबा बनकर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हसीन दिलरुबा 3 की स्क्रिप्ट पर काम शुरू हो चुका है। अगले पार्ट में रानी और रीशू की प्रेम कहानी और भी दिलचस्प मोड़ लेगी। कहा जा रहा है कि तीसरी किस्त पिछली दोनों फिल्मों से ज्यादा धमाकेदार होगी, जिसमें ड्रामा, कॉमेडी और रोमांस का तड़का होगा। फिलहाल अनुभव सिन्हा के साथ तापसी की एक फिल्म आ रही है।

गंभीर-अगरकर ने तय किया भारत का नया टेस्ट कप्तान! इस तारीख को बीसीसीआई करेगी ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया को अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर जाना है. दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. ये वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पहली सीरीज भी होगी, जिसकी शुरुआत 20 जून से होनी है. इस सीरीज के साथ भारतीय क्रिकेट के नए दौर की भी शुरुआत होगी. दरअसल, भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट फॉर्मेट में संन्यास लिया है, जो टेस्ट टीम के कप्तान भी थे. ऐसे में इस दौरे पर भारतीय टीम एक नए कप्तान के साथ जाएगी. इस कप्तान का नाम तय हो गया है और बीसीसीआई जल्द ही इसका ऐलान भी करेगी. रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी खराब रहा था और टीम इंडिया को हार का सामना भी करना पड़ा था. उसके बाद से ही माना जा रहा था कि रोहित को अब टेस्ट में जगह नहीं मिलेगी. इन सब खबरों के बीच उन्होंने संन्यास का ऐलान करके सभी को चौंका दिया. इसके बाद नए कप्तान की रेस में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हो गए, जिसमें सबसे बड़ा नाम जसप्रीत बुमराह का है. लेकिन वह इस रेस में पिछड़ गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान होंगे.मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 23 या 24 मई इस दौरे लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन किया जाएगा. हालांकि, यह तय हो गया है कि गिल ही इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के कप्तान होंगे. वहीं, बीसीसीआई प्रेस कॉन्फ्रेंस करके गिल को अगला कप्तान बनाने का ऐलान कर सकती है. इतना ही नहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुभमन गिल ने भारतीय टेस्ट क्रिकेट के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से मुलाकात भी की है.

रेड–बॉल क्रिकेट में पहली बार संभालेंगे कमान

ये पहला मौका होगा जब शुभमन गिल रेड-बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की कमान संभालेंगे. इससे पहले वह टी20 फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं. पिछले साल जिम्बाब्वे दौरे पर वह टीम का कप्तान बनकर गए थे, जब 5 टी20 मैच खेले गए थे. इसके अलावा वह आईपीएल में गुजरात की टीम के कप्तान भी हैं. आईपीएल 2025 में उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है, जिसके चलते उन्हें अब टेस्ट टीम की कमान मिलने जा रही है. हालांकि, बीसीसीआई का आखिरी फैसला क्या होगा, इसका पता 23 या 24 मई को चल जाएगा.

बांग्लादेश क्रिकेट टीम यूएई दौरे के लिए तैयार, पाकिस्तान यात्रा पर अभी सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को ऐलान किया कि उनकी पुरुष राष्ट्रीय टीम दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दौरा करेगी। हालांकि, पाकिस्तान में प्रस्तावित पांच टी20 मैचों के दौरे को लेकर बोर्ड ने अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। यूएई क्रिकेट बोर्ड ने पहले घोषणा की थी कि बांग्लादेश की टीम मई में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में मेजबान यूएई के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगी। ये मुकाबले 17 और 19 मई को स्थानीय समयानुसार शाम 7ः00 बजे होंगे। इसके बाद बांग्लादेश को 25 मई से 3 जून तक पाकिस्तान में पांच टी20 मैच खेलने थे।झबीसीबी ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर चल रहे तनाव के कारण, जिसके चलते इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) स्थगित हो चुके हैं, पाकिस्तान दौरे का फैसला टाल दिया गया है। शनिवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बीसीबी के निदेशकों की एक बैठक हुई, जिसमें भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी प्रतिबद्धता और तैयारियों को जारी रखते हुए, बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम अगले सप्ताह यूएई में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पाकिस्तान दौरे के बारे में बीसीबी ने कहा, हम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ इस दौरे को लेकर लगातार संपर्क में हैं। खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

सीजफायर तोड़ने पर पाकिस्तान पर बरसे शिखर धवन, लिखा-

घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया....

नई दिल्ली, एजेंसी। सीजफायर होने के चार घंटे बाद ही पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों पर फिर उतारू हो गया और भारत के इलाकों में फिर से बमबारी चालू कर दी। भारतीय फौजें इसका जोरदार जवाब दे रही हैं। वहीं, पाकिस्तान की इस हरकत से भारतीय क्रिकेटर भी बेहद गुस्से में नजर आ रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है- घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया। बीते दिन भी धवन ने इस स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रक्षा करने और जम्मू पर ड्रोन हमले को रोकने के लिए हमारे बहादुर जवानों को सम्मान। भारत मजबूती से खड़ा है। जय हिंद! सहवाग, जिन्हें मुल्तान के सुल्तान के नाम से जाना जाता है, ने भी अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक तीखा संदेश पोस्ट किया। उन्होंने हिंदी मुहावरे कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है. का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान के बार-बार संघर्ष विराम तोड़ने की प्रवृत्ति पर कटाक्ष किया। यह मुहावरा उन लोगों या संस्थाओं के लिए प्रयोग किया जाता है जो बदलाव का विरोध करते हैं। सहवाग का यह तंज पाकिस्तान के संघर्ष विराम उल्लंघनों के इतिहास पर सीधा प्रहार माना जा रहा है।

बता दें कि शनिवार शाम दोनों देशों ने औपचारिक रूप से संघर्ष विराम समझौते की घोषणा की थी। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने तत्काल प्रभाव से सभी शत्रुताएं–चाहे वह भूमि, वायु या समुद्र से हों–समाप्त करने पर सहमति जताई थी। लेकिन पाकिस्तान ने इस विराम को तोड़ दिया। वहीं, देर रात खबरें आई कि चीन ने पाकिस्तान की वकालत की है लेकिन इस संबंधी जब भारत के विदेशी मंत्रालय ने चीन में बात की तो उन्होंने इससे साफ इंकार कर दिया और कहा कि वह हर वक्त आतंकवाद का विरोध करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

विराट कोहली का संन्यास सही पर टाइमिंग गलतः नवजोत सिंह सिद्धू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर हलचल मच गई है। खबर है कि टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के बहुप्रतीक्षित पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का चौंकाने वाला फैसला किया है। इस खबर ने न केवल प्रशंसकों को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के शीर्ष अधिकारियों को भी चिंता में डाल दिया है। बीसीसीआई ने कोहली से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, क्योंकि यह सीरीज अगले आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेगी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कोहली के इस फैसले पर अपनी राय रखते हुए कहा कि हालांकि कोहली का युवाओं को मौका देने का इरादा नेक है, लेकिन इंग्लैंड दौरे से पहले इसकी टाइमिंग गलत है। सिद्धू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, ÷विराट कोहली का संन्यास लेने का फैसला क्रिकेट जगत में तहलका मचा रहा है। उनका इरादा सही है, उनका मकसद नेक है कि 'पुरानी व्यवस्था को बदलकर नई पीढ़ी को मौका देना चाहिए।' लेकिन समय और अवसर उचित नहीं है, क्योंकि भारत का गौरव और प्रतिष्ठा दांव पर है।सिद्धू ने आगे कहा, हम एक ऐसे दौरे पर जा रहे हैं, जो अन्य टेस्ट खेलने वाले देशों के लिए भी सबसे कठिन चुनौती है। मैं क्यों कहता हूं कि कोहली इंग्लैंड में हमारे 'चमकते हुए योद्धा' हो सकते हैं? क्योंकि उनके पास अनुभव है, खासकर रोहित शर्मा के संन्यास के बाद। आप इंग्लैंड में एक अनुभवहीन टीम नहीं भेज सकते।

इंडिया वूमेन-श्रीलंका वूमेन

स्मृति ने 92 गेंदों पर ठोका शतक, खेली 116 रन की पारी; भारत ने बनाए 342 रन

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ वूमेन्स ट्राई नेशनल सीरीज 2025 के फाइनल में कमाल की शतकीय पारी खेली। भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए श्रीलंका के खिलाफ 50 ओवर में 7 विकेट पर 342 रन का विशाल स्कोर बनाया और विरोधी टीम को जीत के लिए 343 रन का टारगेट दिया। भारत की तरफ से हरलीन देओल, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स इस मैच में अर्धशतक लगाने से चूक गईं।

मंधाना ने 92 गेंदों पर ठोका शतक

स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में गजब की पारी खेलते हुए 92 गेंदों पर शतक पूरा किया और इस मैच में उन्होंने 2 छक्के और 15 चौकों की मदद से 101 गेंदों पर 116 रन ठोक डाले। ये मंधाना के वनडे क्रिकेट करियर का 11वां शतक रहा। पहले विकेट के लिए मंधाना ने इस मैच में प्रतिका रावल के साथ मिलकर 70 रन की साझेदारी की जबकि दूसरे विकेट के लिए हरलीन देओल के साथ मिलकर 120 रन की शतकीय साझेदारी निभाई।

भारतीय महिला टीम ने बनाए 342 रन

भारतीय महिला टीम की बैटिंग फाइनल मैच में जबरदस्त रही और इस टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 342 रन बनाए। भारत की तरफ से मंधाना की शतकीय पारी के अलावा हरलीन देओल ने 47 रन जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 गेंदों पर 41 रन तो वहीं जेमिमा रोड्रिग्स ने तेज गति से 29 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 44 रन बनाए। ये तीनों अपने अर्धशतक के करीब आकर आउट हो गईं। इसके अलावा निचले क्रम की बल्लेबाज अमनजीत कौर ने 12 गेंदों पर 18 रन तो वहीं दिप्ती शर्मा ने 14 गेंदों पर नाबाद 20 रन की पारी खेली।

लारा ने कहा-विराट टेस्ट से संन्यास न लें टेस्ट क्रिकेट को उनकी जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कथित फैसले को वापस लेने की सार्वजनिक अपील की है। यह अपील ऐसे समय में आई है जब कोहली के टेस्ट क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। 35 वर्षीय कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि वह 20 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ भारत की आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी हार नहीं मानी है। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि वे कोहली को टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर तब जब इंग्लैंड दौरे के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया चक्र शुरू हो रहा है।

लारा, जिन्हें क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है, ने कोहली की टेस्ट क्रिकेट में उपलब्धियों और उनके प्रभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ी हर पीढ़ी में एक बार आते हैं। उनकी तकनीक, जुनून और खेल के प्रति समर्पण टेस्ट क्रिकेट को जीवंत बनाए रखते हैं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। विश्व क्रिकेट को अभी उनकी जरूरत है।

लारा ने यह भी कहा कि कोहली की मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का काम करती है और भारत के डब्ल्यूटीसी अभियान के लिए उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, बोर्ड कोहली के साथ गहन चर्चा कर रहा है। वे चाहते हैं कि कोहली कम से कम इस डब्ल्यूटीसी चक्र तक टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखें, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी शामिल है। कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में 8,848 रन बनाए हैं, जिसमें 29 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 49.15 है, जो उनकी निरंतरता और उत्कृष्टता को दर्शाता है। हालांकि, कोहली ने पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के क्रिकेट पर अधिक ध्यान दिया है, और कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि वह अपने करियर के इस पड़ाव पर कार्यभार को कम करना चाहते हैं। दूसरी ओर, प्रशंसक और क्रिकेट विशेषज्ञ कोहली को टेस्ट क्रिकेट में और योगदान देते देखना चाहते हैं। लारा की अपील और बीसीसीआई के प्रयासों के बीच, क्रिकेट जगत कोहली के अंतिम फैसले का इंतजार कर रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर का निधन... टेस्ट में जड़ा था ऐतिहासिक तिहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से जुड़ी एक दुखद खबर सामने आई है. दिग्गज क्रिकेटर बॉब काउपर का मेलबर्न में निधन हो गया. काउपर 84 साल के थे और उनका निधन 11 मई (रविवार) को हुआ. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने काउपर के निधन की पुष्टि की है. काउपर लंबे समय से कैंसर बीमारी से जूझ रहे थे. काउपर के परिवार में उनकी पत्नी डेल और दो बेटियां (ओलिविया और सेरा) हैं.

काउपर ने जड़ा था ऐतिहासिक तिहरा शतक...

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने कहा, बॉब काउपर के निधन की खबर सुनकर हमें गहरा दुख हुआ है. वह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक बेहद सम्मानित व्यक्ति थे. बॉब एक शानदार बल्लेबाज थे, जिन्हें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (स्र्ष्टत्र) में उनके तिहरे शतक के साथ-साथ 1960 के दशक में ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया (राज्य) टीमों में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हमेशा याद किया जाएगा.

बाएं हाथ के बल्लेबाज बॉब काउपर को उनके बेहतरीन स्ट्रोकप्ले और संयमित बल्लेबाजी करने के लिए जाना जाता था. काउपर ने अपनी सबसे यादगार पारी फरवरी 1966 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी. तब उन्होंने लगभग 12 घंटे की मैराथन पारी में 589 गेंदों पर 307 रन बनाए थे. यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी बल्लेबाज का टेस्ट क्रिकेट में पहला तिहरा शतक था. साथ ही 20वीं सदी में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में बनाया गया यह इकौलता तिहरा शतक भी रहा. देखा जाए तो ये बॉब काउपर का तीसरा टेस्ट शतक था. उन्होंने एक साल पहले कैरेबियाई धरती पर दो शतक बनाए थे. फिर तिहरे शतक के बाद उन्होंने दो और शतक बनाए. उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से साल 1968 में संन्यास की घोषणा की, तब वो सिर्फ 28 वर्ष के थे. काउपर ने 1964 से 1968 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 27 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 46.84 के एवरेज से 2061 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से 5 शतक और 10 अर्धशतक निकले.

घरेलू मैदान पर जमकर बनाते थे रन

घरेलू मैदान पर बेन काउपर का रिकॉर्ड और भी दमदार था, जहां उन्होंने 75.78 की औसत से टेस्ट क्रिकेट में 1061 रन बनाए थे. वह महान डॉन ब्रैडमैन के बाद घरेलू जमीन पर सबसे ज्यादा टेस्ट औसत वाले बल्लेबाज हैं. काउपर ने अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी का भी जलवा दिखाया और टेस्ट में 36 विकेट झटके. काउपर ने 147 फर्स्ट क्लास मैचों में 10595 और 4 लिस्ट-ए मैचों में 77 रन बनाए. फर्स्ट क्लास में काउपर के नाम पर 183 और लिस्ट-ए में 3 विकेट दर्ज हैं. काउपर आईसीसी के मैच रेफरी भी रहे. काउपर को साल 2023 में क्रिकेट के प्रति उनकी सेवा के लिए मेडल ऑफ द ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया था.

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में धराए दो बदमाश; प्रॉपर्टी विवाद में किया था दो भाइयों को अगवा, मां पर बनाया था दबाव

नईदिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर में दो भाइयों का अपहरण कर उनसे पैसे ऐंठने और उनकी मां पर विवादित संपत्ति खाली करने का दबाव बनाने के आरोप में दिल्ली पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इस बारे में जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त (क्राइम ब्रांच) आदित्य गौतम ने शनिवार को बताया कि आरोपियों की पहचान 30 वर्षीय राहुल और 23 वर्षीय रवि उर्फ ??कालू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार ये दोनों आरोपी पिछले एक साल से फरार चल रहे थे और बुधवार को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर इन दोनों को मोती बाग इलाके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि अपहरण की यह घटना पिछले साल 20 जून को मधु विहार इलाके में हुई थी, जब 22 और 17 साल के दो भाइयों को उनके घर से अगवा कर हरियाणा के पानीपत ले जाया गया था। पुलिस के मुताबिक अपहरण की यह वारदात राजिंदर उर्फ डॉक्टर के इशारे पर की गई थी, जो कि शिकायतकर्ता का पड़ोसी है और जमीन पर कब्जा करने के लिए कुख्यात है।

पुलिस अधिकारी आदित्य गौतम ने बताया कि राजिंदर को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि राहुल और रवि फरार थे और अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया था। डीसीपी ने कहा, राहुल और रवि ने अपने तीसरे साथी के साथ मिलकर पीड़ितों को बंधक बनाया था और उनकी मां से उत्तम नगर की पंचशील कॉलोनी में स्थित एक विवादित संपत्ति खाली करने की मांग की थी। साथ ही पीड़ितों की रिहाई के बदले उन्होंने पैसे भी मांगे थे। गिरफ्तार दो आरोपियों में से एक राहुल पानीपत से ग्रेजुएशन करने के बाद साल 2016 में दिल्ली आया था और उत्तम नगर में प्रॉपर्टी डीलर के तौर पर काम करने लगा। पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ डाबरी थाने में पहले भी दो मामले दर्ज हैं। जबकि गिरफ्तार दूसरा आरोपी रवि हरियाणा के महेंद्रगढ़ का रहने वाला है और बारहवीं तक पढ़ा है। वह साल 2024 में दिल्ली आया था और सह-आरोपी राजिंदर के साथ रहने लगा। पुलिस ने बताया कि रवि के खिलाफ भी हरियाणा के दादरी में एक मामला पहले से दर्ज है। पुलिस का कहना है कि आगे की जांच जारी है।

हमारे अंदरूनी मामले में दखल देने की जरूरत नहीं; ट्रंप के बयान से भड़की कांग्रेस

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान को चार दिनों तक सबक सिखाने के बाद शनिवार की शाम सीजफायर की घोषणा कर दी गई। सबसे पहले इसकी जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी और फिर भारत और पाकिस्तान ने भी इस पर मुहर लगा दी। इस बीच कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत का बयान सामने आया है। उन्होंने इस पूरे मामले में अमेरिका के हस्तक्षेप पर सवाल खड़े किए हैं और साफ कहा है कि हमारे अंदरूनी मामले में किसी को दखल देने की जरूरत नहीं है। दरअसल उनका ये बयान डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के बाद आया है जिसमें रविवार को उन्होंने कहा कि शांति स्थापित होने के बाद अब वह दोनों देशों के साथ व्यापार और कश्मीर मुद्दे के समाधान के लिए मिलकर काम करेंगे। इस पर कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, पाकिस्तान एक दुष्ट देश है और उस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। वह हमेशा भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल रहता है और आतंकवादियों का समर्थन करता है, उन्हें पनाह देता है। यह वही पाकिस्तान है, जहां अमेरिका ने घुसकर ओसामा बिन लादेन को मारा था। पाकिस्तान बार-बार भारत के खिलाफ गतिविधियां करता है। सीजफायर के बाद उल्लंघन किया गया। पाकिस्तान पर कैसे विश्वास किया जा सकता है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि संसद का सत्र बुलाया जाए और प्रधानमंत्री विपक्ष और संसद को पूरी घटना के बारे में बताएं।

एकेडमिक काउंसिल से मिली मंजूरी

डीयू के एसओएल में शुरू किए जाएंगे नए कोर्स

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली यूनिवर्सिटी की एकेडमिक काउंसिल की शुक्रवार को हुई बैठक में नए शैक्षणिक सत्रों के लिए कई नए कोर्सों को मंजूरी दी गई। मंजूर किए गए इन कोर्सों में एमबीए हेल्थ केयर एडमिनिस्ट्रेशन, एमए साइकोलॉजी व बीएससी कंप्यूटर साइंस जैसे प्रमुख कोर्स शामिल हैं। साथ ही छात्रों के लिए विदेशी भाषाओं में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स भी शुरू किए जाएंगे।डीयू में एकेडमिक काउंसिल के सदस्य हरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-2025 से डीयू के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग सेंटर में फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, इटालियन और पुर्तगाली भाषाओं में सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किए जाएंगे। ये कोर्स डिस्टेंस एंड कंटीन्यूइंग एजुकेशन विभाग के तहत संचालित होंगे। इसके अलावा शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से चीनी, जापानी और कोरियाई भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा कोर्स शुरू किए जाएंगे।

वीसी ने किया परमानेंट फेकल्टी नियुक्तियों का आग्रह

डीयी के वाइस चांसलर योगेश सिंह ने शनिवार को सभी संबद्ध कॉलेज प्रिंसिपल्स से गेस्ट फेकल्टी नियुक्त करने के बजाय परमानेंट फेकल्टी नियुक्तियों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। डीयू द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई जानकारी के मुताबिक यह टिप्पणी यूनिवर्सिटी की टॉप एकेडमिक निर्णय लेने वाली संस्था एकेडमिक काउंसिल (एसी) की 1022वीं बैठक के दौरान की गई। बैठक के जीरो ऑवर्स के दौरान वाइस चांसलर ने समय पर भर्ती की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा, च्कॉलेजों को गेस्ट टीचर्स पर निर्भर रहने के बजाय स्थायी पदों को भरने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्हें रिक्तियों का विज्ञापन देना चाहिए और साल में कम से कम एक या दो बार नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करनी चाहिए वीसी ने प्रिंसिपल्स से उन पदों पर कार्रवाई शुरू करने को भी कहा जो वर्तमान में खाली हैं या रिटायरमेंट के कारण खाली होने की संभावना है। दिल्ली सरकार द्वारा वित्तपोषित 12 कॉलेजों में शिक्षकों की भर्ती पर एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के साथ चर्चा चल रही है और जल्द ही सकारात्मक परिणाम आने की उम्मीद है।

शांति चाहिए... मगर सबक सिखाना जरूरी था: शशि थरूर

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम होने के आसार नजर आ रहे हैं। दोनों देश संघर्ष विराम पर राजी हो गए हैं। इस घटनाक्रम पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बयान देते हुए कहा कि अमन और सुकून सबसे अहम हैं लेकिन आतंक को सबक सिखाना जरूरी था।

थरूर ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि अब शांति कायम हो रही है। भारत कभी भी लंबी जंग नहीं चाहता था। भारत ने सिर्फ आतंकवादियों को सबक सिखाने के लिए जवाब दिया था, और वो सबक दे दिया गया है।

सेना ने दिया पाकिस्तान को करारा जवाब: पाकिस्तान-भारत ने संघर्ष विराम तो हो गया है लेकिन भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान आंतकवाद की कमर तोड़ने का काम किया है। साथ ही आतंक को पाल रही पाकिस्तानी सेना का भी काफी नुकसान किया है। भारतीय सशस्त्र बलों ने कहा है कि पाकिस्तान के दुस्साहस का अब तक बेहद जोरदार जवाब दिया देते हुए उसे भारी नुकसान पहुंचाया गया है और सेनाएं भविष्य में उसकी किसी भी हरकत का निर्णाय जवाब देने के लिए पूरी तैयार हैं।

नौसेना के कमोडोर रघु आर नायर , सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने तीनों सेनाओं की संयुक्त विशेष ब्रीफिंग में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सेना ने पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया है और नियंत्रण रेखा के पार उसकी सैन्य चौकियों और कमांड कंट्रोल तथा उपकरणों को तबाह कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह अभियान पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों को लक्ष्य कर चलाया गया था और नपी तुली कार्रवाई में हमने नागरिकों को क्षति न पहुंचे इसकी सावधानी बरती थी।

पाकिस्तान ने फैलाया दुष्प्रचार: कर्नल सोफिया और विंग कमांडर सिंह ने कहा कि पाकिस्तान ने दुष्प्रचार किया कि भारत ने मस्जिदों पर हमले किये लेकिन भारत एक धर्मनिपेक्ष राष्ट्र है और भारतीय सेना अपने देश के संविधान का सम्मान करती है । वह सभी धर्मस्थलों का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने इस दौरान एक के बाद एक झूठे दावे किये कि उसने जे एफ 17 लड़ाकू विमान से भारत की वायु रक्षा प्रणाली एस 400 और ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली तथा हवाई पट्टियों को नुकसान पहुंचाया और नष्ट कर दिया। दोनों अधिकारियों ने कहा कि यह सरासर झूठ और दुष्प्रचार है।

दिल्ली में एनकाउंटर! पुलिस ने बदमाशों को मारी गोली; दोनों थे हिस्ट्रीशीटर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के आरके पुरम इलाके में अपराधियों और पुलिस के बीच एनकाउंटर की घटना सामने आई है। बदमाशों और पुलिस के बीच गोलीबारी की घटना सामने आई है। हालांकि, पुलिस ने इस घटना में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों बदमाशों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि दोनों हिस्ट्रीशीटर हैं। दोनों पर हत्या, छिनैती, डकैती और कई मामलों में गोलीबारी का केस दर्ज है। दिल्ली पुलिस मिली ताजा जानकारी के अनुसार, 8-9 मई की रात को लगभग 1 बजे उनकी पेट्रोलिंग टीम ने आरटीआर मार्ग पर दो संदिग्ध लोगों को बैठे हुए देखा। जब पुलिस अधिकारी उनकी तरफ बढ़े तो बदमाशों ने पुलिस की टीम पर खुला फायर कर दिया। इस घटना में पुलिस की टीम बाल-बाल बच गई। पुलिस ने बताया कि टीम ने बचाव में गोली चलाई और एक गोली आरोपी सुरेश के पैर में लग गई और उसके बाद ही मनीष भी गिरफ्तार कर लिया गया। इस तरह भीषण गोलीबारी के बाद पुलिस को कामयाबी मिली और दो दुर्दांत अपराधियों को पकड़ लिया गया। दोनों अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को उनके पास से कई संदिग्ध चीजें बरामद की हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दोनों के पास एक 7.65 एमएम की पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि बदमाश चोरी की मोटरसाइकिल चला रहे थे और उस पर फर्ची नंबर प्लेट भी लगाया हुआ था। पकड़े जाने के बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों के साथ सख्ती बरती। दोनों बदमाशों ने कई घटनाओं में शामिल होने स्वीकार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने चेन छिनैती, चोरी और डकैती के कई मामले दर्ज हैं। अब आरके पुरम थाने में भी दोनों के खिलाफ बीएनएस की धारा 109/221//132/3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। दोनों के खिलाफ कार्यवाही लगातार जारी है।

दिल्ली में आंधी-तूफान संग आएगी बारिश, 2 दिन बाद फिर बढ़ेगी गर्मी

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में शनिवार को कई स्थानों पर तेज हवा के साथ हल्की बारिश हुई। इस कारण अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग ने रविवार को भी आंधी-तूफान के साथ बारिश का अनुमान जताया है। आज अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले दो दिनों में दिल्ली का पारा चढ़ेगा और अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार जा सकता है। मानक वेधशाला सफदरजंग में शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम रहा।

दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में शनिवार की सुबह से ही तेज धूप निकली। दिन चढ़ने के साथ धूप और तेज होती गई। तापमान में भी इजाफा दर्ज किया गया। दोपहर 1 बजे के बाद मौसम ने करवट ली और राजधानी के ज्यादातर हिस्सों में घने बादल छाने लगे। तेज हवा के साथ कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हुई।

दिल्ली के लोधी रोड मौसम केन्द्र ने सबसे ज्यादा 17.5 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की है। तेज हवा और बारिश के चलते लोगों को गर्मी से राहत मिली। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं, न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यहां पर आर्द्रता का स्तर 80 से 45 फीसदी तक रहा।

मौसम विभाग का अनुमान है कि रविवार को दिन के ज्यादा समय धूप निकलेगी, लेकिन बीच-बीच में हल्के बादलों की आवाजाही लगी रहेगी। कहीं-कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। इस दौरान हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रहने की संभावना है। रविवार को अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।

वहीं, मौसम की इन गतिविधियों की वजह से दिल्ली की हवा लगातार साफ-सुथरी बनी हुई है। सीपीसीबी के मुताबिक, शनिवार की शाम 6 बजे दिल्ली का औसत वायु गणवत्ता सूचकांक 190 के अंक पर रहा। इस स्तर की हवा को मध्यम श्रेणी में रखा जाता है।

धरती पर गिरा अंतरिक्ष में 53 साल से फंसा यान

शुक्र ग्रह की खोज के लिए वीनस मिशन पर हुआ था रवाना

केप कैनावेरल , एजेंसी। सोवियत संघ का 53 साल से पृथ्वी की कक्षा में फंसा हुआ कोसमोस 482 नाम का अंतरिक्ष यान आखिरकार अब पूरी तरह पृथ्वी पर गिर गया है। इसकी पुष्टि रूसी अंतरिक्ष एजेंसी और यूरोपीय संघ अंतरिक्ष निगरानी और ट्रैकिंग ने की। रूस ने कहा कि यह हिंद महासागर के ऊपर गिरा, लेकिन कुछ विशेषज्ञ अभी भी यह तय नहीं कर पाए हैं कि यह ठीक कहां गिरा।

यह भी तुरंत पता नहीं चल पाया है कि आधे टन के अंतरिक्ष यान का कितना हिस्सा कक्षा से आग की लपटों से जलने से बचा। विशेषज्ञों ने पहले ही कहा था कि इसका कुछ हिस्सा नीचे गिर सकता है, क्योंकि इसे सौर मंडल के सबसे गर्म ग्रह शुक्र पर उतरने के लिए बनाया गया था। वैज्ञानिकों ने यह भी कहा अंतरिक्ष यान के मलबे से किसी के भी टकराने की संभावना बहुत कम है।

1972 में वीनस मिशन पर भेजा गया था यान: सोवियत संघ द्वारा इसे 1972 में शुक्र ग्रह की खोज के लिए वीनस मिशन पर भेजा गया था, लेकिन रॉकेट में खराबी के कारण यह पृथ्वी की कक्षा से बाहर नहीं निकल सका था। शनिवार को विशेषज्ञों ने पुष्टि की कि यह अंतरिक्ष यान बगैर किसी नियंत्रण के पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश कर गया। इसका मतलब है कि इसे सुरक्षित रूप से नीचे नहीं लाया गया और किसी को भी ठीक से नहीं पता था कि यह कब और कहां गिरेगा।

यान अब पृथ्वी की कक्षा में नहीं है- ईयूएसएसटी: यूरोपीय संघ की अंतरिक्ष निगरानी और ट्रैकिंग प्रणाली (ईयूएसएसटी) ने कहा कि यह यान अब पृथ्वी की कक्षा में नहीं है। इससे इसकी वायुमंडल में बगैर नियंत्रण की वापसी की पुष्टि होती है। वहीं, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष मलबा कार्यालय ने भी यान की वापसी को पुख्ता किया है। एजेंसी ने संकेत दिया कि जर्मन रडार स्टेशन पर दिखाई न देने के बाद अंतरिक्ष यान धरती के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश कर गया।

पहले ही धरती पर आ चुका यान का ज्यादातर हिस्सा: अंतरिक्ष यान का ज्यादातर हिस्सा पहले ही धरती पर वापस आ चुका था। अब जो हिस्सा गिरा है, वह इसका लैंडर था, जो एक मीटर (लगभग 3 फीट) चौड़ा और टाइटेनियम धातु से बना हुआ था। इसका वजन करीब 495 किलोग्राम था। इस यान के गिरने का सही समय और जगह कोई भी पहले से नहीं जानता था, क्योंकि यह बिना नियंत्रण के गिरा और सूरज की गतिविधियों ने इसकी दिशा तय करने में और मुश्किलें पैदा कर दी थीं। संयुक्त राष्ट्र के नियमों के अनुसार, अगर कोई मलबा बचा है, तो वह रूस की संपत्ति मानी जाएगी।

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने फिर दी गीदड़भभकी, भारत पर ही लगाया युद्ध थोपने का आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। सीजफायर के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। उधर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने देश को दिए संबोधन में अपनी कमी छिपाने के लिए दोष भारत पर मढ़ दिया। झूठ बोलने में माहिर शहबाज ने कहा कि अपनी जमीन की रक्षा के लिए लोहे की दीवार बनकर खड़ा रहेगा। इस खबर को लगातार अपडेट किया जा रहा है। हम अपने सभी पाठकों को पल-पल की खबरों से अपडेट करते हैं। हम लेटेस्ट और ब्रेकिंग न्यूज को तुरंत ही आप तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रारंभिक रूप से प्राप्त जानकारी के माध्यम से हम इस समाचार को निरंतर अपडेट कर रहे हैं।

पाक रक्षा मंत्री के बदले सुर, कहा- भारत के साथ प्रमुख मुद्दों पर भविष्य में वार्ता संभव: पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि कश्मीर, सिंधु जल संधि और आतंकवाद भारत के साथ प्रमुख मुद्दे बने हुए हैं और पड़ोसी देश के साथ भविष्य में होने वाली किसी भी वार्ता में इन पर चर्चा की जा सकती है। भारत के साथ भूमि, वायु और समुद्र पर सभी प्रकार की गोलेबारी और सैन्य कार्रवाइयों को तत्काल प्रभाव से रोकने के लिए शनिवार को बनी सहमति के बाद नयी दिल्ली के साथ लंबित मुद्दों के समाधान के संबंध में सवाल पूछे जाने पर आसिफ ने यह टिप्पणी की। यह सहमति भारत एवं पाकिस्तान के बीच चार दिन तक सीमा पार से ड्रोन और मिसाइल हमले जारी रहने के बाद बनी।

एक रात में 23 फिलिस्तीनियों की मौतें; इजराइली सेना कर रही है गाजा पर कब्जा

गाजा , एजेंसी। शुक्रवार रात और शनिवार सुबह तक इजरायल के हवाई हमलों में ग़ाज़ा में कम से कम 23 फिलिस्तीनियों की मौत हुई है. मरने वालों में तीन बच्चे और उनके माता-पिता भी शामिल हैं, जिनकी मौत ग़ाज़ा सिटी के सबरा इलाके में एक तंबू पर हुए बम हमले में हुई है. ग़ाज़ा हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया कि बीते 24 घंटों में अस्पतालों में 23 लाशें लाई गईं. इनमें 5 लोगों का एक पूरा परिवार शामिल है.

गाजा में हालात गंभीर

उत्तर ग़ाज़ा के जबालिया इलाके में इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र की फिलिस्तीनी शरणार्थी एजेंसी के एक गोदाम को निशाना बनाया गया था. इस हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी. इंडोनेशियन अस्पताल ने इस बात की पुष्टि की है. एपी के जरिए ली गई वीडियो में इमारत में आग लगी दिखाई दे रही थी. स्थानीय लोगों का कहना है कि यह गोदाम पहले से खाली था और पहले भी कई बार हमलों का निशाना बन चुका था।

आधे से ज्यादा हिस्से पर इजराइली सेना का कब्जा

इजरायली सेना ने कहा कि शुक्रवार रात ग़ाज़ा सिटी के शिज़ैयाह इलाके में तलाशी के दौरान एक विस्फोटक से 9 सैनिक घायल हुए थे. इजरायल ने 18 मार्च को हमास के खिलाफ हमले फिर शुरू कर दिए थे, जिससे दो महीने का सीजफायर टूट गया था. अब तक इजरायली सेना ग़ाज़ा के आधे से ज्यादा हिस्से पर कब्ज़ा कर चुकी है और उत्तर ग़ाज़ा और दक्षिण के रफ़ा शहर में ऑपरेशन चला रही है इन इलाकों का बड़ा हिस्सा मलबे में तब्दील हो चुका है.

इजराइल की घेराबंदी

इजरायल की घेराबंदी (ब्लॉकेड) की वजह से गाजा के लोगों को खाना मिलना मुश्किल हो गया है. वहां के राहत रसोईघर (चैरिटी किचन) ही एकमात्र भोजन स्रोत बचे थे, लेकिन अब दर्जनों बंद हो चुके हैं क्योंकि खाने का सामान खत्म हो रहा है. इजरायल का कहना है कि वह हमास पर दबाव डालने के लिए ब्लॉकेड कर रहा है ताकि वह बंधकों को रिहा करे और हथियार छोड़े. जबकि मानवाधिकार संगठनों ने भूख को हथियार बनाने को वॉर क्राइम करार दिया है.

इजराइल का गंभीर आरोप

इजरायल का आरोप है कि हमास और अन्य आतंकी समूह ग़ाज़ा में भेजी जाने वाली राहत सामग्री को हड़प लेते हैं, लेकिन उसने इसके कोई सबूत नहीं दिए हैं. युनाइटेड नेशन्स ने इन आरोपों को नकारा है और कहा है कि वह खाना बांटने पर पूरी तरह से निगरानी रखता है.

संक्षिप्त समाचार

वृद्ध की गलाकाट कर हत्या, गुत्थी सुलझाने में जुटी पुलिस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बीएस सिटी थाना क्षेत्र के कोऑपरेटिव कॉलोनी आवास संख्या 192 में रहने वाले 80 वर्षीय बुजुर्ग की घर के बेड पर ही धारदार हथियार से काटकर हत्या कर दी गई। मृतक का नाम कालिका राय है, जो बिहार के छपरा के रहने वाले थे और बोकारो स्टील के रिटायर्ड कर्मी थे। हत्या की सूचना आज दोपहर के वक्त पुलिस को मिली। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस इस हत्याकांड की गुत्थी जल्द सुलझा लेने का दवा कर रही है। घटना को लेकर एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। घर में कई जगह खून के निशान पाए गए हैं। मृतक अपने घर के बेड में नग्न अवस्था में मृत पाए गए हैं। पुलिस की माने तो हत्या देर रात की गई है। लेकिन घटना की जानकारी लोगों को दोपहर को मिली है। जानकारी के मुताबिक मृतक का अपने बेटे और बहू से अनबन चल रहा था। मामला थाने भी पहुंच चुका था। पुलिस हर एक बिंदु पर जांच कर हत्याकांड को खुलासा करने में जुटी हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। क्योंकि मृतक बोकारो कोऑपरेटिव कॉलोनी का चर्चित चेहरा थे।

विद्युत पोल पर चढ़ फंदा लगाकर की आत्महत्या

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पुपुनकी जोलहाडीह गांव में ससुराल में रहने वाले 35 वर्षीय विजय सोरेन ने डीवीसी के एक लाख 32 हजार के ट्रांसमिशन पोल में चढ़कर फंदे से झूल कर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने डीवीसी से संपर्क किया और डीवीसी के द्वारा लाइन बंद करने के बाद लाइनमैन के द्वारा ऊंचाई से शव को उतारा गया। मृतक विजय सोरेन धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी के नौडीहा गांव का रहने वाला था, जो पिछले 1 साल से अपने ससुराल में रहकर मजदूरी का काम कर रहा था। पुलिस ने प्रथम दृष्टिया इसे आत्महत्या माना है और पोस्टमार्टम कराने की बात कही है। अगल-बगल इतने पेड़ रहने के बाद भी मृतक ने इस ट्रांसमिशन लाइन के ऊंचाई को क्यों चुना यह समझ से परे है। पुलिस आत्महत्या की वजह की भी जांच कर रही है।

तिरंगा यात्रा निकाल कांग्रेसियों ने सेना का मनोबल बढ़ाया

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ऑपरेशन सिंदूर ने सेना की सफलता को देखते हुए बोकारो जिला कांग्रेस कमेटी ने आज तिरंगा यात्रा निकाल कर उनका मनोबल बढ़ाने का काम किया। तिरंगा यात्रा सेक्टर 4 से निकलकर गांधी प्रतिमा के पास पहुंची। इस दौरान कांग्रेसियों ने भारत माता की जय और पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस जिला अध्यक्ष उमेश गुप्ता ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद की फैक्ट्री है, जिसे

हमारी भारतीय सेना ने पूरी तरह से मिट्टी में मिया दिया है। जिस पाकिस्तान को बारिश का पानी और बाढ़ रोकने की औकात नहीं वह भारत से टकराने की जुर्रत कर रहा है। इस मंसूबे को पूरी तरह से नाकाम कर दिखाया है। भारतीय सेना का मनोबल बढ़ाने के लिए हम लोगों ने यह तिरंगा यात्रा निकाला है और देश के सरहद में मां भारती की रक्षा करने के लिए लगे जवान और अधिकारियों का आभार जताया है।

15 जून को कॉ. ए. के. रॉय प्रतिमा का अनावरण होगा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को कॉ. ए. के. रॉय स्मारक समिति की बैठक स्मारक समिति अध्यक्ष कॉ. हरि प्रसाद पप्पू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में दिशानिर्देश करने हेतु स्मारक समिति के संगरक्षक पूर्व विधायक कॉ. आनन्द महतो उपस्थित थे। बैठक सम्राट चौधरी आवासीय कार्यालय रूबी सर्कुलर रोड धनबाद में किया गया, जिसमें जानकारी दिया गया है, कि हमारे लोकप्रिय नेता पूर्व सांसद कॉ. ए. के. रॉय का मूर्ति अनावरण 15 जून को किया जायेगा। जिसमें वाम दलों तथा इंडिया घटक के कई बड़े राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय नेतागण सहित जिला के कई विधायक हिस्सा लेंगे। कोशिश किया जा रहा है, कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल कराया जाएगा। इन सब के लिए आमंत्रण पत्र और सम्पर्क का कार्य 20 मई, देशव्यापी हड़ताल के बाद शुरू कर दिया जाएगा। बैठक में समिति के सचिव सत्यनारायण कुमार, आनन्द मय पाल, भारत भूषण, राम कृष्णा पासवान, बिन्दा पासवान, सम्राट चौधरी के अलावे अजय महतो, ए के मिश्रा, आर पी महतो, लिलामय गोस्वामी, विश्वाजीत रॉय, राजेश बिरूवा, भुषण महतो तथा कई अन्य साथी उपस्थित थे।

पुलिस ने एक कुख्यात अपराधी को किया गिरफ्तार

डालटनगंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। डालटनगंज में पुलिस ने एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। शनिवार रात 2.30 बजे टीओपी-2 क्षेत्र के कान्दू मुहल्ले से नितेश शर्मा उर्फ राहुल शर्मा को पकड़ा गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी आपराधिक घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर सहायक अवर निरीक्षक राकेश कुमार के नेतृत्व में टाइगर मोबाइल दल ने सर्च ऑपरेशन चलाया। गोरह मंदिर जाने वाले रास्ते की गली में 3-4 लोग छिपे मिले। पुलिस को देखकर सभी भागने लगे, लेकिन नितेश शर्मा को पकड़ लिया गया। अपराधी के पास से एक देशी पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस और एक चाकू बरामद हुआ है। पूछताछ में पता चला कि वह तेजा उर्फ विशाल शर्मा और दो अन्य साथियों के साथ किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहा था। नितेश शर्मा 13 अप्रैल 2025 को रेलवे स्टेशन के पास हुई कार्रवाई में फरार हो गया था। उसके खिलाफ डकैती, लूट, धमकी और आर्म्स एक्ट के कुल 6 मामले दर्ज हैं। पुलिस पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर अन्य अपराधियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। मेदिनीनगर शहर थाना में शनिवार को यह जानकारी दी गयी।

अष्टयाम का शुभारंभ, आस्था का उमड़ा सैलाब

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर 12 बी-एफ स्थित शिव मंदिर परिसर में आज आस्था का सैलाब देखने को मिला। श्री श्री सार्वजनिक शिव मंदिर सेवा समिति के द्वारा शिव मंदिर में दो दिवसीय अष्टजाम यज्ञ का आयोजन किया गया है। जो कल सोमवार को अपराह्न में विसर्जन एवं प्रसाद वितरण के साथ संपन्न होगा। आज अष्टजाम के शुभारंभ से पूर्व शिव मंदिर परिसर से सैकड़ों श्रद्धालु महिला और युवतियां एवं मंदिर समिति के सदसयों के साथ सेक्टर 12 सी स्थित शिव मंदिर पहुंचीं, जहां से कलश में जल भर कर वापस अष्ठजाम स्थल तक कलश यात्रा निकाली गई। श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए भगवान भोले शंकर के जयकारे से सेक्टर 12 का वातावरण भक्तिमय हो गया था। इस शुभ अवसर पर मुख्य जजमान विनोद कुमार देव व सबिता देव, बबीता सिंह रहीं। आयोजन में सहयोगी के रूप में मा. जगन्नाथ शाही, डॉ नरेन्द्र कुमार राय, संजय राय, रजीव रंजन, कुमार अमित, अरविंद राय श्री श्री सार्वजनिक शिव मंदिर सेवा समिति के अध्यक्ष जनार्दन प्रसाद सिंह के साथ शिव परिवार सदस्य मुन्ना राय, ललित नारायण राय, सुभाष सिंह, संजय चौधरी, पप्पू सिंह, अभिषेक, संजय तिवारी, ओ पी सिंह, बी पी वर्मा, रंजीत मंडल, डी एन सिंह, डी के सिंह, सत्या, अजय, विकास, मास्टर साहब, जयकांति देवी, उर्मिला देवी, रूबी कुमारी, नीतू सिंह, नूतन देवी प्रमुख रूप से सक्रिय रहे, कलश यात्रा एवं अष्टजाम में सैकड़ो महिला-पुरूष भक्त की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

म्यूटेशन के लिए नहीं करें आम लोगों को परेशान : उपायुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। म्यूटेशन के लिए अंचल कार्यालय आम लोगों को अनावश्यक रूप से परेशान न करें। म्यूटेशन के लिए जेन्युइन सेल डीड तथा संपत्ति पर खरीदार का पोजेशन पर्याप्त है। संपत्ति का प्लॉट नंबर, खाता संख्या, मौजा सहित अन्य विवरण की जांच रजिस्ट्री के समय की जाती है। यह बातें उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने उच्च न्यायालय, सिविल कोर्ट, एनजीडीआरएस पोर्टल, अंचलों सहित अन्य विभागों में लंबित विभिन्न मामलों की समीक्षा के क्रम में सभी अंचल अधिकारियों को दिया।

उपायुक्त ने कहा कि हर सप्ताह के मंगलवार एवं शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में दूर दराज से लोग म्यूटेशन के लंबित मामले लेकर आते हैं। जबकि म्यूटेशन जैसे मामले राइट टू सर्विस में आते हैं। आवेदक को बिना कारण परेशान करने से जिला प्रशासन की छवि घूमिल होती है। उपायुक्त ने सक्सेशन म्यूटेशन के लिए सभी अंचलों में कैंप लगाने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सक्सेशन म्यूटेशन हो जाने से जमीन विवाद के मामले कम होंगे। सीमांकन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार में ऐसी शिकायत भी आती है कि राशि का भुगतान करने के बाद भी अमीन, जमीन की मापी करने नहीं जाते हैं। मापी कर लेते हैं तो उसकी रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड नहीं करते हैं। उन्होंने ऐसे अमीन पर कार्रवाई करने तथा सही फॉर्मेट में तथा मंतव्य के साथ एनजीडीआरएस पोर्टल पर रिपोर्ट अपलोड करने का निर्देश दिया। \

उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को लोगों की शिकायत सुनने, प्रखंड एवं अंचल के कार्य में बाधा उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने, वहां धरना या प्रदर्शन की अनुमति नहीं देने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने माननीय न्यायालय में लंबित मामले, ई-रेवेन्यू कोर्ट सहित अन्य की समीक्षा की। साथ ही माननीय न्यायालय के आदेश का पालन करने, मुकदमों में सरकार का पक्ष मजबूती से रखने, अंचल में प्राप्त पत्रों की लगातार समीक्षा करने सहित अन्य आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में अपर समाहर्ता विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला पंचायती राज पदाधिकारी मुकेश कुमार बाउरी, जिला परिवहन पदाधिकारी दिवाकर सी द्विवेदी, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा, जिला शिक्षा अधीक्षक आयुष कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अभिषेक झा, विभिन्न अंचलों के अंचल अधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

वृद्ध ने मृत्यु के बाद भी समाज को दिया संदेश

मेडिकल की पढ़ाई करने वालों के लिए शरीर को किया दान

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास गुजरात कॉलोनी के रहने वाले 93 वर्षीय निशांतन मोहनलाल कुंडलिय ने समाज को एक बड़ा संदेश देने का काम किया है। 20 वर्ष पूर्व इन्होंने अपने शरीर को चास के रहने वाले समाजसेवी गोपाल मुरारका के माध्यम से दान कर दिया था। आज उनकी सुबह मृत्यु होने के बाद उनके शरीर को रांची रिम्स भेज दिया गया, जहां मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्र रिसर्च कर सकेंगे। उनके शरीर के कुछ अंग को भी जरूरतमंदों को दान किया जाएगा जो रिम्स के चिकित्सक करेंगे। आज सुबह उनके घर में मृत्यु होने के बाद उनके भतीजे कानू कुंडलिया ने आवश्यक प्रपत्रों को भरा उसके बाद को मृत शरीर को रिम्स भेजने का काम किया गया। मृतक मोहनलाल राजनीतिक रूप से भी जुड़े हुए थे। उन्होंने सीपीआई एम में अपने जवानी के दिनों में राजनीति की और एक सफल व्यवसाई भी रहे। 2017 में जब रिम्स में शरीर दान के कागजात की प्रक्रिया पूरी हुई। उस दौरान उन्होंने तैयार किए गए

कागजात में सीपीआई एम के सेक्रेटरी जी के बक्सी को अपना अभिभावक बताया था। मोहनलाल निसंतान थे जो अपने भतीजे कानून के परिवार के साथ उसके घर में रहते थे। कानू ने कहा कि उनके शरीर दान देने के बाद जिला प्रशासन से कई प्रक्रिया पूरी कर कागजात को तैयार किया गया था।उनकी जो इच्छा थी वह आज पूरी हुई है।उनके शरीर के अंग को जरूरतमंदों को मिल पाएगा और उनके शरीर पर चिकित्सक की पढ़ाई करने वाले छात्र भी रिसर्च कर पाएंगे। वही उनके साथ शरीर दान करने वाले समाज सेवी गोपाल मुरारका ने कहा कि मोहनलाल समाज के लिए एक उदाहरण बन गए हैं। उन्होंने लोगों को प्रेरणा देने का काम किया है। उनके साथ मैन भी अपना शरीर दान किया है। लोग भी इनसे प्रेरणा ले और अपने शरीर को दान करें।

रक्तदान शिविर सह रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रविवार को मानव अधिकार प्रोटेक्शन और भारतीय रेस रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में ब्लड डोनेशन कैंप के रक्तदान शिविर एवं रक्तदाता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन नावाडीह, विनोद बिहारी चौक स्थित कावेरी रेस्टोरेंट के सभागार में किया गया। सामारोह में युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित के जिम्मेदारी है कि वे रक्तदान शिविरों में बढ़ चढ़कर रक्तदान करें। न सिर्फ खुद रक्तदान करें बल्कि दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें, रक्तदान एक महाकल्याणकारी कार्य है और इससे दूसरों की जान बचती है। रक्तदान शिविर में अशर्फी हॉस्पिटल के ब्लड सेंटर के मनीष-प्रदीप और उनकी टीम का रक्त संग्रह के लिए योगदान था। कार्यक्रम में जरूरतमंदों के लिए लगभग 50

करने, समय-समय पर स्वयं जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करने वाले युवा संघर्ष मोर्चा जनवादी के संस्थापक सह भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के संयुक्त सचिव एवं समारोह के मुख्यअतिथि दिलीप सिंह समेत अन्य रक्तदाताओं को अंगवस्त्र ओढाकर एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया एवं सभी रक्तदाताओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया। साथ ही भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की ओर से मानव अधिकार के पदाधिकारिओं को समाज में महत्वपूर्ण योगदानों के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि दिलीप सिंह ने कहा युवाओं यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। रक्तदान शिविर में अधिकार प्रोटेक्शन के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णा सिंह, प्रदेश सचिव सुदिस्ट कुमार, महासचिव मुख्तार अहमद व कौशिक मिश्रा जिलासचिव जमीर आरिफ, महिला अध्यक्ष गीता सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संगीत सिंह, बालेश्वर कुशवाहा, प्रमोद पासवान, संजय सिंह, बिट्टू सिंह,सुनील कुमार सिंह,भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की नोडल पदाधिकारी बेनजीर परवीन, एम्बुलेंस सर्विस के नोडल पदाधिकारी देवेंद्र कुमार, समेत दोनों संस्थाओं के अन्य सदस्य एवं रक्तदाता उपस्थित थे।

रोटरी क्लब द्वारा सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी द्वारा आज महिला स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए चिन्मय विद्यालय, सेक्टर-5, में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस जनकल्याणकारी शिविर का संचालन वरिष्ठ चिकित्सक रोटेरियन डॉ. एस. सी. मुंशी तथा उनकी अनुभवी एवं समर्पित चिकित्सा टीम के निर्देशन में किया गया।इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ता और उनके साथ क्लब के वरिष्ठ पदाधिकारीगण - पूर्व जिला गवर्नर रोटेरियन महेश केजरीवाल, पूर्व अध्यक्षगणः रोटेरियन अशोक जैन, रोटेरियन प्रदीप नारायण, रोटेरियन प्रदीप राय, रोटेरियन मनु श्रीवास्तव, रोटेरियन घनश्याम दास, तथा रोटेरियन अशोक केडिया एवं रोटेरियन नरेश लोधा की सक्रिय उपस्थिति ने कार्यक्रम को प्रेरणास्पद स्वरूप प्रदान किया। क्लब के समर्पित कर्मी- श्री मिश्रा जी, श्री सनातन एवं श्री प्रकाश ने भी आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया। इस आयोजन के पूर्व भी 10 मई को एम.जी.एम. सीनियर सेकेंडरी स्कूल में रोटरी क्लब द्वारा एक जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया था, जिसमें डॉ. मुंशी ने कक्षा 6 से 10 की छात्राओं को सर्वाइकल कैंसर के जोखिम, इसके बचाव हेतु अपनाए जाने वाले उपायों तथा टीकाकरण के महत्त्व पर विस्तृत एवं बोधगम्य जानकारी प्रदान की। छात्राओं ने अत्यंत उत्साहपूर्वक सहभागिता की

तथा अपने जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। आज 11 मई को आयोजित टीकाकरण शिविर में कुल 64 छात्राओं का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया गया। यह आयोजन न केवल जनस्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में एक प्रभावी प्रयास था, बल्कि समाज में बालिकाओं एवं महिलाओं के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की दिशा में एक सशक्त संदेश भी था। क्लब द्वारा पूर्व सूचना के अनुसार सभी सदस्यगण प्रातः 9:30 बजे तक स्थल पर उपस्थित हो गए थे, जिससे सम्पूर्ण कार्यक्रम अत्यंत अनुशासित, समयबद्ध एवं प्रभावकारी ढंग से संपन्न हो सका। यह आयोजन रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी के सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का सशक्त उदाहरण बना। अध्यक्ष रोटेरियन महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि क्लब इस श्रृंखला में आगामी दो हफ्तों में भी इसी प्रकार के टीकाकरण अभियानों के आयोजन हेतु पूर्णतः प्रतिबद्ध है और क्लब लगभग 6 सौ बच्चियों के टीकाकरण के लिए प्रतिबद्ध है। क्लब के महेश गुप्ता अध्यक्ष, महेश केजरीवाल पूर्व जिलापाल, प्रदीप नारायण कार्यक्रम संयोजक,अशोक जैन, बी.एस जायसवाल, विवेक कक्कड़, मनु श्रीवास्तव वक्ता, अशोक केडिया, डॉ एस.सी मुंशी, प्रदीप प्रदीप रे, संजय तिवारी वक्ता, नरेशलोधा, घनश्याम दास, राखी बनर्जी वक्ता, पुष्पा केजरीवाल, कुंजला नारायण, अलका गुप्ता, नमिता श्रीवास्तव, शीला जायसवाल, नीलम दास, बिन्नी कक्कड़, चंद्रिमा रे, उर्मिल जैन उपस्थित रहे।

मदर्स डे के अवसर पर संघर्षशील माताओं को किया गया सम्मानित

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मदर्स डे के शुभ अवसर पर धनबाद के एक प्राइवेट अस्पताल ने एक विशेष समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में माताओं की नेतृत्व क्षमता और संघर्षशीलता को सम्मानित करना था। अस्पताल द्वारा इस अवसर पर 15 असाधारण माताओं को सम्मानित किया गया। इनमें प्रेरणादायी महिला नेता और एकत माताएं शामिल थीं, जिन्होंने अपने परिवार और समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है। मातृत्व दिवस, जो हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मनाया जाता है, एक ऐसा दिन है जब हम माताओं के प्रति अपनी कृतज्ञता और प्रेम व्यक्त करते हैं। यह दिन हमें मातृत्व की अनकही कहानियों और बलिदानों को पहचानने का अवसर प्रदान करता है। डॉ. रूपा प्रसाद, तारा देवी, रेणु झा, अर्पिता अग्रवात, रिंकु दुबे, आग्या चौधरी, सुषमा प्रसाद, मधुमिता विश्वास, रख्मी भट्ट, जया पूर्वे, मीना देवी, अनिता देवी, बेबी उरांव, नीतू शर्मा, राधा देवी को सम्मानित किया गया। ये सभी महिलाएं मातृत्व की सच्ची भावना, साहस और दृढ़ संकल्प की प्रतीक हैं।

साहित्यलोक के बहुभाषी कवि सम्मेलन में काव्य रस से सराबोर हुए श्रोता

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 के विद्यापति सभागार में रविवार को चर्चित साहित्यिक संस्था साहित्यलोक एवं प्रतिष्ठित सामाजिक व सांस्कृतिक संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित साहित्यिक समारोह व बहुभाषी कवि सम्मेलन में रांची, हजारीबाग व बोकारो के साहित्यकारों ने वीररस, मातृदिवस, सद्भावना, भक्ति, प्रेम, करुणा आदि रस की रचनाएं सुनाकर श्रोताओं को घंटों बांधे रखा। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि रांची से पधारे भारतीय वन सेवा के अवकाश प्राप्त वरिष्ठ अधिकारी व साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त साहित्यकार कुमार मनीष अरविंद, विशिष्ट अतिथि हजारीबाग से आए वरिष्ठ साहित्यकार हितनाथ झा, साहित्यलोक के संस्थापक महासचिव व वरिष्ठ शिक्षाविद तुलानंद मिश्र, वरिष्ठ साहित्यकार बुद्धिनाथ झा, विजय शंकर मल्लिक सुधापति, बटोही कुमार, कार्यक्रम के अध्यक्ष व मिथिला सांस्कृतिक परिषद, बोकारो के उपाध्यक्ष समरेन्द्र झा ने महाकवि विद्यापति। व मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पार्चन के बाद दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रतिभावान गायिका आंचल पाठक द्वारा प्रस्तुत महाकवि विद्यापति की रचना भगवती वंदना जय जय भैरवि... के सुमधुर गायन से हुई। इस अवसर पर साहित्यलोक के संयोजक अमन कुमार झा द्वारा लिखित मैथिली नाटक पुस्तक 'अहां बिनु हम जीयब कोना' व साहित्यलोक के पूर्व संयोजक डॉ सन्तोष कुमार झा के मैथिली कविता संग्रह 'कविक आबा' का लोकार्पण किया गया। मुख्य अतिथि कुमार मनीष अरविंद ने इस आयोजन के लिए साहित्यलोक की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से शहर को साहित्यिक ऊर्जा मिलती है। कुछ समय के अंतराल पर निरंतर इस तरह के आयोजन होने चाहिए। विशिष्ट अतिथि हितनाथ झा ने कहा कि साहित्य व सांस्कृतिक क्षेत्र में झारखंड के गिने-चुने दो-तीन शहरों में बोकारो का नाम लिया जाता है और उन्हें यहां आकर काफी प्रसन्नता होती है।

बहुभाषी कवि सम्मेलन में कवयित्री करुणा कलिका ने हिंदी कविता 'हम भारत की बेटी हैं जब खड्ग हाथ में धारेंगें' व भोजपुरी कविता, आशुतोष कुमार ने खोरठा कविता, अरुण पाठक ने मैथिली में सद्भावना गीत 'जाति, धर्म के नाम पर नहि बांटू इंसान के..', अमृता शर्मा ने हिंदी कविता 'धर्म का मर्म', रणधीर चंद्र गोस्वामी ने 'भूख के खिलाफ', 'तब कहां थे तुम', शैलजा झा ने हिंदी कविता 'श्रेष्ठता के अभियान', 'मां तुम जिंदा रहोगी', मैथिली कविता 'समझौता', 'स्त्री के मौन तपस्या', हितनाथ झा ने मैथिली कविता 'कहिया धरि', 'हिन्दुस्तानक प्राण तिरंगा', 'अई जंगल में', 'अंकक रथ सं अक्षर पथ पर', कुमार मनीष अरविंद ने मैथिली में 'ई धर्मयुद्ध छैक!', 'सांप का वार', 'जाग चंडी', अमन कुमार झा ने मैथिली में 'कोहबरक पान', ब्रजेश पांडेय ने हिंदी में वीररस की कविता, डॉ रणजीत कुमार झा, राजीव कंठ, श्रवण कुमार झा, नीलम झा, विजय शंकर मल्लिक सुधापति, बुद्धि नाथ झा ने मैथिली कविता सुनाकर श्रोताओं की वाहवाही ली। मंच संचालन शंभु झा व अमन कुमार झा एवं धन्यवाद ज्ञापन राजेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर के सी झा, अमरेन्द्र कुमार झा, किरण मिश्रा, विश्वनाथ झा, गंगेश कुमार पाठक, विनोद कुमार, अनिल सिंह, राधा मोहन सिंह, गुलाब सिंह, प्रवीण कुमार झा सहित अन्य काव्य प्रेमी श्रोता उपस्थित थे।

वर्दीधारी जवानों से भरा गांव है खूंटी का बिरहु गांव

खूंटी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। खूंटी जिला में एक ऐसा गांव हैं जहां प्रत्येक घर से कोई न कोई सेना या अर्द्धसैनिक बल का जवान है। कुछ असलहे की सुरक्षा की जिम्मेवारी में थे तो कुछ बारूद गोदाम, मेडिकल यूनिट, आर्मी दैनिक उपयोगी सामग्रियों के रखवाले तो कोई युद्धाभ्यास में सेना की रसद की व्यवस्था करने वाले, कहा जा सकता है कि आर्मी और अर्द्ध सैनिक बलों के लिए टेंट से लेकर गोला बारूद, दवाई तथा सैन्य साजो सामान की जिम्मेवारी का निर्वहन करने वाले जवान भी थे। कुछ सीमा पर बंदूक के साथ तैनात जवान भी शामिल हैं। वैसे पूरे गांव में लगभग 500 घर हैं और 1950 से अबतक लगभग 400 जवान देश सेवा में पहले भी थे और आज भी देश की सुरक्षा में अलग अलग इलाकों में विभिन्न बटालियन में डटे हैं। कुछ परिवार तो ऐसे हैं जहां से तीन चार युवा सेना में सुरक्षा प्रहरी की ड्यूटी में तैनात हैं। अन्य कुछेक परिवार से सरकारी नौकरियों में हैं और बाकी बचे लोग कृषि कार्यों से जुड़े हैं। यह गांव है खूंटी जिला मुख्यालय से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित बिरहु पंचायत का बिरहु गांव। बिरहु में लगभग 2500 मतदाता हैं लेकिन यहां वदीर्धारी जवानों की संख्या अधिक है। कई जवान आज भी भारत की सुरक्षा में सीमा पर डटे हैं तो वहीं कुछ जवान जो अब बुजुर्ग हो गए हैं वे 1965 और 1971 के जंग में अपनी सेवा और बहादुरी की मिसाल छोड़ चुके हैं। आर्मी और पारा मिलिट्री फोर्स में अलग अलग कैटैगरी में अपनी सेवाएं देने वाले अवकाशप्राप्त जवान वर्तमान भारत पाक की हालात पर अलर्ट हैं और हमारे चैनल से अपनी बीते वक्त के गौरव पलों को साझा किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK